हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

बिलासपुर, रविवार 7 जून 2026

रायपुर के लोधीपारा स्थित निजी हॉस्पिटल पर इलाज में लापरवाही और मोटी फीस वसूलने का गंभीर आरोप

अंतिम संस्कार से पहले जिंदा हुआ 'मृतक', परिजन पहुंचे अस्पताल, डॉक्टरों ने फिर किया मृत घोषित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खास खबर

रायपुर के निजी अस्पताल से जुड़ा एक अजीबोगरीब और सनसनीखेज मामला सामने आया है। भिलाई के देवबलौदा निवासी एक परिवार जब अपने सदस्य के अंतिम संस्कार की तैयारी कर रहा था, तभी अचानक 'शव' के हाथ-पैर हिलने लगे। शव में हरकत देखकर दुखी परिजनों में उसके जीवित होने की उम्मीद जाग उठी। आनन-फानन में परिजन उसे लेकर भिलाई के स्वास्थ्य केंद्र और वहां से सीधे आंबेडकर अस्पताल पहुंचे, लेकिन यहां डॉक्टरों ने गहन जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। पेट दर्द से पीड़ित इस मरीज को एक दिन पहले ही लोधीपारा चौक स्थित निजी हास्पिटल ने मृत घोषित कर शव ▶▶| शेष पेज 6 पर

24 घंटे बाद भी चल रही थीं सांसें

भाई अजय रात्रे ने बेहद चौंकाने वाला दावा करते हुए बताया कि निजी अस्पताल वालों ने 4 जून की रात को ही रामअवतार को मृत घोषित कर दिया था। अस्पताल की कागजी औपचारिकताएं पूरी करने, दस्तावेज प्राप्त करने और भारी-भरकम बिल जमा करने में ही काफी वक्त बीत गया। इसके चलते वे 5 जून की दोपहर को शव लेकर अपने गृहग्राम पहुंचे थे। ▶▶| शेष पेज 6 पर

अस्पताल से बाहर लाते वक्त ही होने लगी थी हलचल

परिजनों के अनुसार, लापरवाही का खेल अस्पताल के भीतर से ही शुरू हो गया था। अजय ने बताया कि जब 4 जून की रात को अस्पताल प्रबंधन ने शव उन्हें सौंपा, तो स्ट्रेचर से गाड़ी में लाते वक्त ही शरीर में मामूली हलचल महसूस हुई थी, लेकिन डॉक्टरों पर भरोसा होने के कारण उन्होंने ज्यादा ध्यान नहीं दिया। परिजनों का साफ तौर पर कहना है कि जब निजी अस्पताल ने रामअवतार को मरा हुआ मानकर डिस्चार्ज किया, तब वास्तव में वह जीवित था। अगर अस्पताल ने ईमानदारी से जांच की होती और सही तरीके से इलाज जारी रखा होता, तो आज रामअवतार उनके बीच जिंदा होता। बहरहाल, इस पूरे मामले के बाद अब निजी अस्पतालों की कार्यप्रणाली और डेथ सर्टिफिकेट जारी करने की प्रक्रियाओं पर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

3 जून को पेट दर्द बढ़ने पर किया था दाखिल

मृतक रामअवतार के भाई अजय रात्रे ने बताया कि रामअवतार को पेट दर्द की समस्या थी। 3 जून को अचानक तकलीफ बढ़ने पर उसे पहले इलाज के लिए एम्स लाया गया था। वहां प्रारंभिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उसे आंबेडकर अस्पताल रेफर कर दिया। लेकिन परिवार वालों को आस थी कि किसी बड़े प्राइवेट अस्पताल में ले जाने पर बेहतर इलाज मिल सकेगा। अच्छे इलाज की उम्मीद में परिजन उसे सीधे लोधीपारा चौक स्थित हॉस्पिटल ले गए और वहां दाखिल करा दिया। परिजनों का आरोप है कि इलाज के नाम पर अस्पताल प्रबंधन ने उनसे मोटी फीस भी वसूली।

तस्करों का फेवरेट बना गांजा...क्योंकि ओडिशा से 3000 में निकलकर, शहर से गलियों तक कीमत हो जाती है 100000

गिरीश केशरवानी ▶▶| रायपुर

गांजा इस समय तस्करों का पसंदीदा माल बन गया है। वजह...क्योंकि ओड़िशा और आंध्र प्रदेश से खरीदते वक्त 3000 से 5000 हजार रुपए किलो तक कीमत होती है। वह शहर और गांव की गलियों में पहुंचते-पहुंचते एक लाख रुपए तक हो जाता है। मतलब तीस गुना तक मुनाफा।

उल्लेखनीय है कि ओडिशा से दूसरे राज्यों में होने वाली गांजा तस्करी का प्रमुख रूट छत्तीसगढ़ का सरहदी इलाका है। नौ जिले ओडिशा सीमा से लगे हुए हैं। तस्कर ओडिशा से गांजा तस्करी कर दूसरे प्रांतों में ले जाते हैं। एक अनुमान के मुताबिक छत्तीसगढ़ के जरिए हर साल 500 से 488 सौ क्विंटल गांजा की तस्करी होती है। ▶▶| शेष पेज 6 पर

सख्ती का असर पकड़े जा रहे हैं गांजा तस्कर

रायपुर पुलिस कमिश्नर डॉ. संजीव शुक्ला ने कहा कि रायपुर में जो गांजा पहुंच रहा है वह महासमुंद के रास्ते बस या छोटी वाहनों में लाकर खपा रहे हैं। पुलिस हर संदिग्ध गाड़ियों की जांच करने के साथ जिस रास्ते से गांजा तस्करी होती है, उन मार्गों में चलने वाली यात्री ▶▶| शेष पेज 6 पर

छत्तीसगढ़ में बीते कुछ दिनों में ही 10 करोड़ रुपए से अधिक का गांजा पकड़ा गया है। आज शनिवार कवर्धा में भी गांजा तस्कर पकड़ा गया। यूं अब हर महीने करोड़ों का गांजा बरामद होना आम बात हो गई है।

- **जितनी मात्रा में तस्करी होती है, उसमें से महज 18 से 22 प्रतिशत गांजा पकड़ा जाता**
- **ओडिशा का गांजा छत्तीसगढ़ के रास्ते देश के अलग-अलग 17 राज्यों तक पहुंच रहा है**

एमपी, यूपी, राजस्थान, दिल्ली हरियाणा से पश्चिम बंगाल तक पहुंचता है

ओडिशा से अन्य राज्यों के लिए जो गांजा तस्करी होती है उनमें मुख्य रूप से मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, राजस्थान, हरियाणा, महाराष्ट्र, बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल जैसे 17 राज्ज शामिल हैं। तस्कर गांजा तस्करी करने एम्बुलेंस, डाक गाड़ियां या डॉक्टर लिखी लग्जरी कारों ▶▶| शेष पेज 6 पर

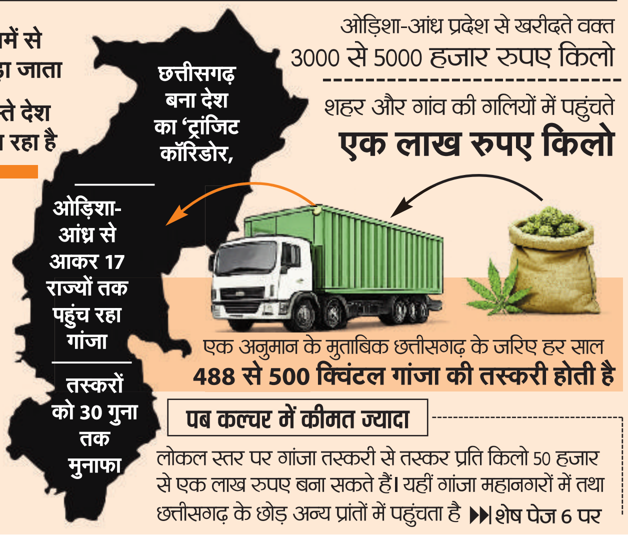

पब कल्चर में कीमत ज्यादा

लोकल स्तर पर गांजा तस्करी से तस्कर प्रति किलो 50 हजार से एक लाख रुपए बना सकते हैं। यहीं गांजा महानगरों में तथा छत्तीसगढ़ के छोड़ अन्य प्रांतों में पहुंचता है ▶▶| शेष पेज 6 पर

तस्करों के पसंदीदा रूट

- **जशपुर-सुंदरगढ़ (एंट्री पॉइंट):** ओड़िशा का सुंदरगढ़ जिला छत्तीसगढ़ के जशपुर की सीमा को छूता है। वनांचल और ग्रामीण रास्तों का फायदा उठाकर तस्कर इस मार्ग से झारखंड और बिहार की ओर माल डाइवर्ट करते हैं।
- रायगढ़ - सुंदरगढ़, झारसुगुड़ा (रेंगाली हब) : यह रूट तस्करों का पुराना और सबसे पसंदीदा रास्ता है। इस मार्ग पर आने वाला 'कनकतोरा बॉर्डर' और ओड़िशा का 'रेंगाली हब' तस्करी के लिहाज से बेहद संवेदनशील जोन बन चुके हैं, जहां से माल सीधे नेशनल हाईवे पर चढ़ाया जाता है।
- सारंगढ़-बिलाईगढ़-बरगढ़ (सराईपाली बेल्ट): नए जिले सारंगढ़-बिलाईगढ़ से सटा ओड़िशा का बरगढ़ रूट अंतरराज्यीय तस्करों के लिए मुफीद है। यहां का सराईपाली-बरगढ़ बेल्ट घने और लिंक रोड्स से जुड़ा होने के कारण पुलिस के लिए हमेशा बड़ी चुनौती रहता है।
- महासमुंद - बरगढ़, नुआपाड़ा (सिंघोड़ा बॉर्डर): यह छत्तीसगढ़ का सबसे बड़ा और सबसे संवेदनशील गांजा कॉरिडोर माना जाता है। महासमुंद ▶▶| शेष पेज 6 पर

खबर संक्षेप

छत्तीसगढ़ के आयुष का 'इंडिया-ए' टीम में चयन

रायपुर। भारतीय क्रिकेट टीम को रायपुर से एक नया और आक्रामक बांए हाथ का बल्लेबाज मिल गया है।

रायपुर के आयुष पांडेय का चयन इंडिया-ए टीम में किया गया है। शनिवार को भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड की चयन समिति ने इसकी आधिकारिक घोषणा की। आयुष 25 जून से श्रीलंका-ए के खिलाफ होने वाली चार दिवसीय मैचों की सीरीज में भारतीय टीम का अहम हिस्सा होंगे। आयुष का यह अहम चयन मुख्य रूप से रणजी ट्रॉफी, दलीप ट्रॉफी और वर्तमान में चल रहे सीसीपीएल में उनके बेहतरीन और निरंतर प्रदर्शन के आधार पर हुआ है। रणजी ट्रॉफी में आयुष ने 7 मैचों की 13 पारियों में 57.30 की शानदार औसत से कुल 573 रन बनाए थे। इसमें 2 शतक और 2 अर्धशतक शामिल थे, जिसमें उनकी 182 रनों की बेजोड़ पारी ने सेलेक्टर्स का ध्यान अपनी ओर खींचा था। इसी दमदार प्रदर्शन के आधार पर उनका चयन दलीप ट्रॉफी में हुआ था, जहां उन्होंने 2 मैचों की 3 पारियों में 102 रन बनाए। वहीं, वर्तमान में सीसीपीएल में खेलते हुए भी उन्होंने अपनी ताबड़तोड़ बल्लेबाजी से शानदार शतक जड़कर एक बार फिर अपनी उपयोगिता साबित की है। पिछले दो सालों के उनके ▶▶| शेष पेज 6 पर

आम के पेड़ की छांव में सीएम साय ने ग्रामीणों से किया संवाद

निमधा में बनेगा नर्सिंग कॉलेज मिनी स्टेडियम व मंगल भवन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गौरेला/मरवाही

सुशासन तिहार के तहत मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने शनिवार को मरवाही विकासखंड के ग्राम निमधा में आम के पेड़ की छांव में चौपाल लगाकर ग्रामीणों से संवाद किया। खाट में बैठकर उन्होंने लोगों की समस्या-शिकायतें सुनीं।

श्री साय ने निमधा में नर्सिंग कॉलेज, मिनी स्टेडियम व मंगल भवन बनाए जाने की घोषणा की। ग्रामीण परिवेश में आयोजित चौपाल के दौरान मुख्यमंत्री ने सरई के दोना-पत्तल में परोसे गए जामुन, कोईलार भाजी, बेल का शरबत, आम की चटनी और आम पना का स्वाद भी लिया। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों से बिजली, पेयजल, राशन, ▶▶| शेष पेज 6 पर

आरआई को लगाई फटकार

जनसंवाद के दौरान एक ग्रामीण ने मरवाही के राजस्व निरीक्षक (आरआई) दीप माला त्रिपाठी तथा दानीकुंडी के राजस्व निरीक्षक (आरआई) अभिषेक त्रिपाठी द्वारा कार्यों में लापरवाही बरतने की शिकायत की। शिकायत सुनते ही मुख्यमंत्री ने कड़ा रुख अपनाते हुए संबंधित आरआई को चेतावनी दी। उन्होंने ▶▶| शेष पेज 6 पर

जिला मेडिकल कॉलेज अस्पताल परिसर का मामला

बाइक चोरी के आरोपी की खंभे से बांधकर पिटाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोरबा

जिला मेडिकल कॉलेज अस्पताल परिसर में बाइक चोरी के एक आरोपी युवक के साथ सुरक्षाकर्मियों द्वारा कथित मारपीट का मामला सामने आया है। चोरी के आरोप में एक युवक को सुरक्षा एजेंसी के कर्मचारियों द्वारा बिजली के खंभे से बांधकर बेरहमी से मारपीट की गई है। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद मामला चर्चा में है।

जिला मेडिकल कॉलेज की सुरक्षा व्यवस्था निजी सुरक्षा एजेंसी कामथेन कंपनी के जिम्मे है। शुक्रवार की देर रात ड्यूटी पर तैनात सुरक्षाकर्मी राजेंद्र पटेल की बाइक अस्पताल परिसर से चोरी हो गई। रात करीब 11:45 बजे वाहन ▶▶| शेष पेज 6 पर

नोटिस जारी कर मांगा जाएगा जवाब

सुरक्षा एजेंसी को नियमानुसार कार्य करना चाहिए। यदि सुरक्षाकर्मियों द्वारा नियमों का उल्लंघन किया गया है तो एजेंसी को नोटिस जारी कर जवाब मांगा जाएगा, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

डॉ. केके सहारे, मेडिकल कॉलेज के अधिष्ठाता

की जाएगी कार्रवाई

आरोपी के साथ मारपीट किए जाने की शिकायत की जांच की जाएगी। यदि जांच में आरोप सही पाए जाते हैं तो संबंधित लोगों के खिलाफ विधि सम्मत कार्रवाई की जाएगी। पूछताछ के दौरान आरोपी विशाल सागर ने चोरी की कई घटनाओं में संलिप्तता स्वीकार की है। फिलहाल पुलिस वायरल वीडियो और पूरे घटनाक्रम की जांच कर रही है।

लखन पटले, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक

तरकश

संजय के दीक्षित

मंत्रिमंडलः परफॉर्मेंस और परसेप्शन

विष्णुदेव साय मंत्रिमंडल में फेरबदल इस महीने होगा या जुलाई फर्स्ट वीक तक, इस पर अभी कुछ क्लियरिटी नहीं है। मगर सोशल मीडिया में अटकलों का बाजार गर्म है। हालांकि, बीजेपी की सियासत में इस समय एक कान को पता नहीं होता...कि दूसरे कान में..., तो फिर मंत्री कौन बनेगा, कौन होगा आउट, इसकी भविष्यवाणी करना मुमकिन नहीं। बहरहाल, परफॉर्मेंस और परसेप्शन के आधार पर ये जरूर कहा, सुना और माना जा रहा कि मंत्रिमंडल की सर्जरी में सबसे अधिक खतरा सरगुजा संभाग को रहेगा। मुख्यमंत्री को छोड़ दें, तब भी बस्तर की तुलना में सरगुजा में चार गुना मंत्री हैं। जाहिर है, फेरबदल में इस असंतुलन को दूर किया जाएगा।

खतरे में ये मंत्री

सरगुजा के चार में से तीन की रिपोट्र्स अच्छी नहीं आ रही है। इसकी बड़ी वजह खराब परफार्मेंस के साथ रिकार्डतोड़ करप्शन है। सरगुजा के कई मंत्रियों को लग रहा...शायद यह मौका फिर मिले न दोबारा...सो, आईपीएल अंदाज़ में बैटिंग चल रही। खुफिया एजेंसियां भी इसकी तस्दीक कर रही हैं...अपडेट्स भी लगातार दिल्ली जा रहे हैं। खैर, परफॉर्मेंस और परसेप्शन की बात करें तो 12 में से पांच मंत्रियों की विदाई निश्चित लग रही है। बीजेपी के शीर्ष लीडर भी मानते हैं... तभी 2028 के सियासी रण में बीजेपी दमदारी से उतर पाएगी।

आईपीएस डेपुटेशन पर!

छत्तीसगढ़ के नक्सल चीफ और एडीजी आर्म्स फोर्स विवेकानंद प्रतिनियुक्ति पर दिल्ली जा सकते हैं। पता चला है, उन्होंने सेंट्रल डेपुटेशन के लिए अप्लाई किया था। उसके लिए केंद्रीय गृह मंत्रालय ने छत्तीसगढ़ सरकार से एनओसी मांगा है। 96 बैच के आईपीएस अधिकारी विवेकानंद इससे पहले एसपीजी में प्रतिनियुक्ति पर रह चुके हैं। बहरहाल, प्रश्न यह है कि राज्य सरकार ने डीजीपी अरुणदेव गौतम की पोस्टिंग में चकरी चलाते हुए आठ महीने में समेट दिया है। अगले साल 4 फरवरी को गौतम का दो बरस का टेन्योर खतम हो जाएगा। इसके बाद डीजीपी के प्रबल दावेदारों में विवेकानंद भी होंगे। विवेकानंद पिछले सात साल से नक्सल देख रहे हैं। उनके कार्यकाल में छत्तीसगढ़ से नक्सलियों का खात्मा हुआ है। उन्हें केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर्सनली जानते हैं। फिर ऐसे गोल्डन टाईम में क्या उन्हें डेपुटेशन पर जाना चाहिए? एक संभावना यह भी है कि उन्होंने डीजीपी के आदेश निकलने से पहले डेपुटेशन के लिए अप्लाई कर दिया होगा। मगर अब वे क्या सोच रहे, कुछ नहीं कहा जा सकता। उधर, बस्तर आईजी सुंदरराज के लिए भी केंद्रीय गृह मंत्रालय ने एनओसी मांगा है। बस्तर में 15 जून के बाद बारिश शुरू हो जाएगी। बारिश में नक्सलियों का मूवमेंट कम हो जाता है। इसके बाद सुंदरराज कभी भी दिल्ली रवाना हो जाएंगे।

कॉकरोच पार्टी, युवा नेताओं की मौज

सुप्रीम कोर्ट के कई बड़े असहज करने वाले फैसलों से बीजेपी और उसकी सरकारों की सेहत पर कोई फर्क नहीं पड़ा मगर शीर्ष अदालत से अनजाने में निकले एक शब्द ने भाजपा को बैकफुट पर ला खड़ा किया है। कॉकरोच पार्टी के ऑनलाइन गठन से बीजेपी इसलिए डिफेंसिव है कि केंद्र समेत डेढ़ दर्जन राज्यों में उसकी सरकारें हैं। बाकी कांग्रेस की, तो उसके पास कोई खास बचाने के लिए है नहीं। खैर, इस ऑनलाइन पार्टी का भविष्य क्या होगा, ये वक्त बताएगा। अलबत्ता, बीजेपी और उसके पैरोकारों ने अभिजीत दीपके के आम आदमी पार्टी का सदस्य होने और मुस्लिम प्रधानमंत्री की वकालत वाले उसके ट्वीट पर घेरना शुरू कर दिया है। पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया के साथ सीजेपी के संस्थापक की फोटो सोशल मीडिया में वायरल हो रही है। अब, पते की बात यह है कि बीजेपी संगठन और सरकारों में अब युवाओं की पूछपरख बढ़ जाएगी। वैसे, भी बीजेपी एक कदम आगे चलते हुए 44 साल के नितिन नबीन को पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष बना दिया था। अब केंद्र में मंत्रिमंडल के विस्तार में इसका असर दिखेगा, तो छत्तीसगढ़ समेत दीगर राज्यों के कैबिनेट के फेरबदल में युवा विधायकों के लिए संभावनाएं बढ़ेंगी। सिर्फ बीजेपी ही नहीं, बल्कि दीगर सियासी पार्टियों में युवाओं की अहमियत बढ़ेगी।

ईमानदारी...और एफिशियेंट भी

छत्तीसगढ़ में इस समय कलेक्टरों के साथ सचिवों की पोस्टिंगे ठीकठाक हुई हैं। कलेक्टरों में देखा जाए तो दर्जन भर कलेक्टर अच्छी और साफ-सुथरी छबि वाले हैं। मगर सवाल उठता है सिर्फ ईमानदारी ही काफी है? नहीं। रिजल्ट देने के लिए दक्षता, कार्यकुशलता भी जरूरी है। पब्लिक से संवाद और जनता की समस्याओं के प्रति संवेदनशीलता भी चाहिए। छत्तीसगढ़ ने अतीत में कई ऐसे नौकरशाहों को देखा है, सरकार जिन्हें एक बार इशारा कर दें, रिजल्ट की गांरटी होती थी। मगर उसके लिए सिस्टम पर पकड़ जरूरी होता है। नए जमाने के अफसरों में दिक्कत यह है कि एक बड़ा तबका आईएएस बनने के बाद खुद को जमीन से दो इंच उपर समझ बैठता है। और, कहीं उनके साथ ईमानदारी का तगगा लग गया, तब तो करेला और नीम चढ़ा। कलेक्टरों की अपनी पहचान नहीं बन पाने के पीछे ये एक बड़ी वजह है। बहरहाल, ये सिंड्रोम सिर्फ कलेक्टरों में नहीं, मंत्रालय के सचिवों में भी यही स्थिति है। कई ईमानदारी आईएएस कई अहम विभाग लेकर बैठे हैं, मगर उनका परफार्मेंस आज तलक किसी को कुछ दिखा नहीं, और न ही बरसों की सर्विस में वे अपना एक काम बता सकते। ब्यूरोक्रेसी और उसके जिम्मेदार अफसरों को मंथन करना चाहिए कि ब्यूरोक्रेसी के इस वायरस का आखिर निदान क्या है।

सुशासन और कलेक्टर

सवाल फिर कलेक्टरों से...राजा जैसी सुविधाओं का उपभोग करने के बाद कलेक्टर अपने दायित्वों में कितना खरे उतर रहे हैं? इस समय स्थिति यह है कि मुट्ठी भर उत्साही कलेक्टरों को छोड़ दें तो ठीकठाक छबि वाले कलेक्टर भी कुर्सी पर चिपके सिर्फ टाईम काट रहे हैं। कोरबा में अजीत बसंत और बेमेतरा में प्रतिष्ठा ममगई की घटना के बाद ये भ्रांति भी दूर हो गई है कि कलेक्टरों को कोई प्रोटेक्शन नहीं है। इस सरकार में अच्छे अफसरों को संरक्षण दिया जा रहा। इसके बाद भी हालत में कोई सुधार नहीं। मिलियन डॉलर का सवाल कि कलेक्टर अगर अपनी जिम्मेदारी पूरी कर रहे होते तो सरकार को 45 डिग्री की गर्मी में समाधान शिविर लगाने की आवश्यकता पड़ती क्या? एक तरह से कहें तो समस्या निवारण शिविर कलेक्टरों की अक्षमता को प्रतीक है। जाहिर है, कलेक्टर अगर अपनी नाक के नीचे बैठे एसडीएम, तहसीलदार को महीने में एक बार बुलाकर रिव्यू कर लेते तो पब्लिक कलेक्टर से लेकर सरकार तक को वाह-वाह कर उठती।

कलेक्टरों की चार केटेगरी

छत्तीसगढ़ में इस समय चार तरह के कलेक्टर हैं। एक ऑनेस्ट, डेसिंग और रिजल्ट देने वाले। यद्यपि, कलेक्टरों का ये नस्ल इस समय विलुप्ति की ओर अग्रसर है। मुश्किल से होंगे चार-पांच। दूसरा केटेगरी...ईमानदार मगर काम से देहचोरी करने वाले। इस दूसरे केटेगरी वाले का पूरा ध्यान अपनी छबि और कुर्सी बचाने पर टिका होता है। बीच-बीच में डीएमएफ का हिस्सा आ जाए तो रख लो। बाकी फुल डिफेंसिव। तीसरे केटेगरी की तादात ज्यादा है। उसकी नजर काम पर कम, डीएमएफ पर ज्यादा रहती है। आईएएस बनने के बाद ये जीवन में बड़ा आसामी बनने का लक्ष्य लेकर चले थे, वे सही ट्रेक पर, वंदे भारत एक्सप्रेस की गति से दौड़ रहे हैं। अब चौथा केटेगरी...यह मजबूरी का नाम महात्मा गांधी वाला है। क्योंकि, आईएएस हैं, तो कम-से-कम एक जिला तो उन्हें देना ही पड़ेगा। इनमें वे कलेक्टर भी शामिल हैं, जिन्हें आमतौर पर जाति-वर्ग के तराजू पर तौलकर जिलों में भेजा जाता है...ये कितने दिन जिले में रहेंगे, किसी को नहीं पता।

घटना पुरानी मगर मौजूं

बात 2011 के किसी महीने की होगी। बिलासपुर के जूदेव समर्थक युवा नेता का थाने में पुलिस वालों से विवाद हो गया था। उस समय एक तेज-तर्रार आईपीएस बिलासपुर के कप्तान थे। वे घटना से बहुत नाराज हुए...उन्होंने युवा नेता के खिलाफ एफआईआर दर्ज करा दिया। बीजेपी के दिग्गत नेता दिलीप सिंह जूदेव को जब यह पता चला तो दिल्ली से बिलासपुर पहुंच गए। मीडिया से बात करते हुए उन्होंने सिस्टम के खिलाफ फायर खोल दिया। बोले...बिलासपुर में प्रशासनिक आतंकवाद चल रहा है। जूदेव के पास उस समय कोई पद बड़ा नहीं था। सिर्फ सांसद थे। मगर सियासी कद बड़ा था। उनके प्रशासनिक आतंकवाद के शाब्दिक प्रहार से रमन सरकार हिल गई थी। जूदेव की नाराजगी दूर करने उच्च स्तर पर मंत्रणा हुई। उस समय के क्षेत्रीय संगठन मंत्री सौदान सिंह से विमर्श किया गया। फिर सरकार ने सिंगल आर्डर निकाल पुलिस कप्तान को बदल दिया था।

कैडर पर कैंची

छत्तीसगढ़ राज्य बनने के बाद यह पहली दफा हुआ कि इस बार स्टेट को एक भी आईएएस नहीं मिला। वहीं, आईएएस में भी कटौती हो गई है। इस साल सिर्फ दो ही मिलने वाले हैं। जबकि, 2003 के बाद से आईएएस, आईपीएस की संख्या लगातार बढ़ती जा रही थी। जाहिर है, 2002 तक इक्का-दुक्का अफसर मिलते थे, मगर उसके बाद हर बैच में पांच-छह होते ही थे। मगर बताते हैं, अब छत्तीसगढ़ का कोटा फुल हो गया है। यही हाल बाकी राज्यों का भी है। तभी आईएएस की वैकेंसी अब 250 से कम होकर 200 पर आ गई है। आईपीएस में नक्सल स्टेट होने का फायदा मिला। मगर अब नक्सलिज्म भी समाप्त हो गया है। इसलिए, रिक्वायरमेंट का ये आधार पर भी अब खतम हो गया। कुल मिलाकर भारत सरकार आईएएस, आईपीएस की संख्या पर अब लगाम लगाना चाह रहा है।

अंत में दो सवाल आपसे?

1. इन चर्चाओं में कितनी सच्चाई है...बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंहदेव मंत्री और उनकी जगह तोखन साहू प्रदेश अध्यक्ष बनेंगे?
2. बस्तर आईजी बनने के लिए आईपीएस अफसरों की उत्सुकता क्यों बढ़ गई है?

केवल स्थायी पते के आधार पर फैमिली कोर्ट के क्षेत्राधिकार को चुनौती नहीं दी जा सकती

किराए के मकान में भी निवास कर रहे हैं तो वहां भरण-पोषण केस दायर किया जा सकता है

बिलासपुर। हाईकोर्ट ने पत्नी और दो नाबालिग बेटियों के भरण-पोषण मामले में फैमिली कोर्ट के अधिकार क्षेत्र पर अहम फैसला सुनाते हुए डॉक्टर पति की तरफ से दायर पुनरीक्षण याचिका को खारिज कर दिया है। कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि यदि पत्नी वर्तमान में बिलासपुर में निवास कर रही है, तो वह बिलासपुर फैमिली कोर्ट में भरण-पोषण की याचिका पेश कर सकती है। हाईकोर्ट ने कहा कि, केवल स्थायी पता सारंगढ़ होने के आधार पर बिलासपुर फैमिली कोर्ट के क्षेत्राधिकार को चुनौती नहीं दी जा सकती।

दरअसल, सारंगढ़-बिलाईगढ़ में रहने वाले एक डॉक्टर और उनकी पत्नी की शादी 16 मई 2019 को हुई थी। दंपत्ति की दो बेटियां हैं। पत्नी ने बिलासपुर के फैमिली कोर्ट में बीएनएसएस की धारा 144 के तहत भरण-पोषण का आवेदन दायर करते हुए आरोप लगाया था कि, शादी के बाद उसे दहेज के लिए प्रताड़ित किया गया। मामले में 29 दिसंबर 2022 को सारंगढ़ थाने में शिकायत भी दर्ज कराई थी। शिकायत के बाद उसी दिन पति ने उसे और दोनों बच्चियों को घर से निकाल दिया। दायर याचिका में पत्नी ने बताया कि उसके पास आय का कोई स्रोत नहीं है और दोनों बच्चियां उसके साथ रहती हैं। उसके पति पेशे से डॉक्टर हैं और कृषि भूमि से भी आय अर्जित करते हैं। इसलिए उसने अपने लिए एक लाख रुपए और दोनों बेटियों के लिए 20-20 हजार रुपए प्रतिमाह, कुल 1.40 लाख रुपए मासिक भरण-पोषण की मांग की।

याचिका दायर करने का पूरा अधिकार

डॉक्टर ने फैमिली कोर्ट में आपत्ति लगाते हुए कहा कि, विवाह सारंगढ़ में हुआ था और पत्नी भी अपने माता-पिता के घर सारंगढ़ में रह रही है। ऐसे में बिलासपुर फैमिली कोर्ट को मामले की सुनवाई का अधिकार नहीं है। पत्नी ने पति की आपत्तियों का विरोध करते हुए कहा कि, उसने कोई फर्जी दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए हैं। सुनवाई के बाद हाईकोर्ट ने कहा कि, पत्नी बिलासपुर में निवास कर रही है, तो उसे वहां की फैमिली कोर्ट में भरण-पोषण की याचिका दायर करने का पूरा अधिकार है।

बंदी प्रत्यक्षीकरण की याचिका खारिज

बिलासपुर। हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा व जस्टसि बीडी गुरु ने अपने फैसले में कहा है, यदि किसी व्यक्ति को अदालत के आदेश के तहत न्यायिक हिरासत में रखा गया है, तो उसे अवैध हिरासत नहीं माना जा सकता। ऐसे मामलों में संविधान के अनुच्छेद 226 के तहत दी गई असाधारण शक्तियों का उपयोग कर बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका दायर नहीं की जा सकती।

जांजगीर-चांपा जिले के बिर्रा थाना अंतर्गत ग्राम करही निवासी रविशंकर कर्नल ने छत्तीसगढ़ बिलासपुर हाईकोर्ट में अधिवक्ता प्रशांत साहू के माध्यम से बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका दायर की थी। याचिका के अनुसार, बिर्रा थाना पुलिस ने उसके भाई गणपत कर्नल को अवैध रूप से हिरासत में रखा है। कमिश्नर ने कोर्ट से भाई की रिहाई की मांग की। राज्य शासन की ओर कहा गया कि आरोपी गणपत बघेल के खिलाफ बिर्रा थाने में धारा 103 (1) (हत्या), 331 (8), 109(1), 61(2), 238 और आर्म्स एक्ट की धारा 25 व 27 के तहत गंभीर आपराधिक मामला दर्ज है। पुलिस ने 27 मई 2026 को ही आरोपी को चांपा के न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी के कोर्ट में पेश किया था। मामले की सुनवाई के बाद कोर्ट ने आरोपी को ज्यूडिशियल रिमांड पर जेल भेज दिया है।

गैर-कानूनी ढंग से बंधक नहीं बनाया गया

इस बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका की सुनवाई चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा व जस्टिस बीडी गुरु के सिंगल बेंच में हुई। डिवीजन बेंच ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले का हवाला देते हुए कहा कि बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका केवल तभी विचारणीय होती है जब किसी व्यक्ति को पूरी तरह से अवैध या गैर-कानूनी ढंग से बंधक बनाया गया हो। डिवीजन बेंच ने अपने आदेश में कहा है, चूंकि याचिकाकर्ता का भाई आपराधिक मामले में कोर्ट के आदेश के मद्देनजर ज्यूडिशियल कस्टडी में है, इसलिए इसे किसी भी स्थिति में अवैध निरुद्धता नहीं कहा सकता। इस टिप्पणी के साथ डिवीजन बेंच ने व प्रत्यक्षीकरण याचिका को खारिज कर दिया है।

गलत जानकारी देकर शिक्षिका ने कराया था ट्रांसफर, याचिका खारिज

बिलासपुर। हाईकोर्ट की सिंगल बेंच ने शिकायत के आधार पर किए गए एक शिक्षिका के तबादले पर अंतरिम रोक लगाने से इंकार कर दिया है। कोर्ट ने पाया कि याचिकाकर्ता संबंधित स्कूल में बीते साढ़े चार साल से अधिक समय से पदस्थ है, जो कि सामान्य कार्यकाल से अधिक है। हालांकि, हाईकोर्ट ने इस तबादला आदेश की वैधता को परखने के लिए याचिका को सुनवाई हेतु स्वीकार कर लिया है। कोर्ट ने राज्य शासन व एक अन्य शिक्षिका को नोटिस जारी कर जवाब पेश करने का निर्देश दिया है। इसके लिए कोर्ट ने तीन सप्ताह का समय तय कर दिया है।

गरियाबंद जिले में पदस्थ सहायक शिक्षिका बबीता ध्रुव ने रिट याचिका कर बताया, वह शासकीय प्राथमिक शाला मुड़ापारा, ब्लॉक मैनपुर (जिला गरियाबंद) में कार्यरत हैं। उनका तबादला हाल ही में शासकीय प्राथमिक शाला बांदपारा, ब्लॉक देवभोग (गरियाबंद) कर दिया गया है। याचिका की सुनवाई जस्टिस नरेश कुमार चंद्रवंशी के सिंगल बेंच में हुई। याचिका में कहा गया कि यह स्थानांतरण प्रशासनिक आधार पर नहीं, बल्कि किसी शिकायत के आधार पर किया गया है। साथ ही ट्रांसफर से पहले शिक्षिका को अपना पक्ष रखने का अवसर नहीं दिया है।

स्कूल में पदस्थ ही नहीं थीं

शासन की ओर से कहा गया कि वर्ष 2021 में याचिकाकर्ता बबीता ध्रुव और निधि ठाकुर का आपसी सहमति से राज्य शासन ने ट्रांसफर किया था। आनुपातिक स्थानांतरण के समय निधि ठाकुर वास्तव में मुड़ापारा स्कूल में पदस्थ ही नहीं थीं। दोनों ने विभाग के समक्ष गलत तथ्य और प्रतिनिधित्व प्रस्तुत कर वह म्यूचुअल ट्रांसफर हासिल किया था। विभाग ने 25 मई 2026 को नया आदेश जारी कर केवल अपनी उसी पुरानी गलती को सुधारा है। शासन ने यह भी बताया, याचिकाकर्ता पहले ही वर्तमान शाला मुड़ापारा में पिछले साढ़े चार वर्षों से अधिक समय से पदस्थ है, इसलिए इस नियमित प्रशासनिक फेरबदल में हस्तक्षेप की आवश्यकता नहीं है।

राशिफल

मेष – वस्त्रों के प्रति रुझान बढ़ सकता है। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा। किसी मित्र के सहयोग से कारोबार में लाभ के अवसर बढ़ेंगे।

वृष – आशा-निराशा के भाव रहेंगे। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। परिश्रम भी अधिक रहेगा। लाभ के अवसर मिलेंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मिथुन – आत्मविश्वास तो बहुत रहेगा, परन्तु मन परेशान हो सकता है। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। खर्चों की अधिकता रहेगी। सुस्वादु खानपान में रुचि रहेगी।

कर्क – मन में उतार-चढ़ाव रहेगा। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव रहेगा। कारोबार में कठिनाइयां आ सकती हैं। सचेत रहें। कारोबार में परिश्रम भी अधिक रहेगा।

सिंह – आत्मविश्वास से परिपूर्ण रहेंगे, परन्तु आत्मसंयत भी रहें। धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। धार्मिक संगीत में रुचि बढ़ सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कन्या – पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक कार्यों के लिए विदेश जा सकते हैं। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में मान-सम्मान की प्राप्ति होगी।

तुला – आत्मविश्वास तो भरपूर रहेगा, परन्तु धैर्यशीलता में कमी हो सकती है। कारोबार में वृद्धि होगी। शैक्षिक कार्यों के लिए किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं।

वृश्चिक – मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में सफलता के योग हैं।

धनु – व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। नौकरी में अफसरों से सदभाव बनाकर रखें। जीवनसाथी से मतभेद हो सकते हैं।

मकर – मन प्रसन्न तो रहेगा, परन्तु धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। नौकरी में अफसरों का सहयोग तो मिलेगा, परन्तु स्थान परिवर्तन भी हो सकता है।

कुंभ – स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। चिकित्सीय खर्च बढ़ सकते हैं। कारोबार में परिश्रम अधिक रहेगा। कुछ कठिनाइयां भी आ सकती है।

मीन – शैक्षिक कार्यों में मन लगेगा। खर्चों की अधिकता रहेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा।

भाजपा का कल से घर-घर चलो अभियान, मंत्री, विधायक, सांसदों को 50-50 लोगों से मिलना जरूरी

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

प्रदेश भाजपा संगठन का पर्यावरण दिवस से ही कार्यक्रमों के पखवाड़े का आगाज किया गया है। प्रदेश में 21 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है। यह आयोजन केंद्र में नरेंद्र मोदी सरकार के 12 साल पूरे होने पर किया जा रहा है। पखवाड़े भर के कार्यक्रमों में सबसे बड़ा आयोजन घर-घर चलो महासंपर्क अभियान रहेगा। यह अभियान 8 से 14 जून तक चलेगा। इसमें प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय सहित पूरा मंत्रिमंडल भी शामिल होगा। इसी के साथ प्रदेश के सभी विधायक, सांसद, सारे जन प्रतिनिधि और भाजपा के छोटे-बड़े नेताओं को आम जनता के घरों तक जाना होगा और उनके साथ संवाद करना होगा। इसके लिए प्रदेश संगठन ने तय किया है कि प्रदेश के मंत्री, विधायक और सांसदों का 50-50 लोगों से मिलना जरूरी होगा। इसी के साथ अन्य के लिए भी लक्ष्य तय किया गया है।

घर-घर चलो अभियान में प्रदेश के सभी घरों तक भाजपा नेताओं के पहुंचने का लक्ष्य रहेगा। इसमें घरों तक पहुंचकर भाजपा नेता केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में जानकारी देंगे और जानने का प्रयास करेंगे कि इन योजनाओं का लाभ मिल रहा है नहीं मिल रहा है। किसी कारणवश किसी को किसी योजना का लाभ नहीं मिल रहा होगा तो उनको योजना का लाभ दिलाया जाएगा। इसी के साथ केंद्र और राज्य सरकार की उपलब्धियों के बारे में जनता को बताया जाएगा।

9 को कैबिनेट, खरीफ की तैयारियों और तबादलों से प्रतिबंध हटाने पर विचार

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में मंत्रालय में 9 जून को कैबिनेट बैठक बुलाई गई है। बैठक कुछ महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा कर निर्णय लिए जाने की संभावना है। बैठक में सीएम हेल्पलाइन, खरीफ फसल की तैयारियां, मानसून पूर्व तैयारियों पर विचार किया जा सकता है। वहीं शासकीय कर्मचारियों के तबादलों पर से प्रतिबंध हटाने पर चर्चा कर निर्णय लिए जा सकते हैं।

कैबिनेट की बैठक का एजेंडा जारी नहीं किया गया है, लेकिन जिन विषयों की चर्चा है उनमें मुख्यमंत्री हेल्पलाइन का संचालन ढांचा और विभागवार जवाबदेही तय की जाएगी। 9 जून को ही सेवा के शुभारंभ की तैयारी चल रही है। खरीफ की तैयारियां को लेकर कृषि विभाग की समीक्षा होगी, इसमें उर्वरक उपलब्धता, बीज वितरण, नैनो यूरिया/डीएपी के भंडारण और वितरण की स्थिति पर चर्चा हो सकती है। मानसून पूर्व तैयारियों को लेकर जल संसाधन, सिंचाई, बिजली और आपदा प्रबंधन से जुड़े प्रस्ताव पर चर्चा कर निर्णय लिए जाएंगे। साथ ही कैबिनेट में नई विकास परियोजनाएं और वित्तीय स्वीकृति, विशेषकर सड़क, पुल, शहरी विकास और ग्रामीण अधोसंरचना से जुड़े मामलों पर निर्णय हो सकता है। जनकल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा तथा कुछ नई घोषणाओं पर विचार किया जा सकता है। प्रशासनिक निर्णय के तहत तबादलों पर प्रतिबंध हटाने और विभिन्न विभागों की नीतिगत फाइलों को मंजूरी दी जाएगी।

शब्द पहेली - 6249

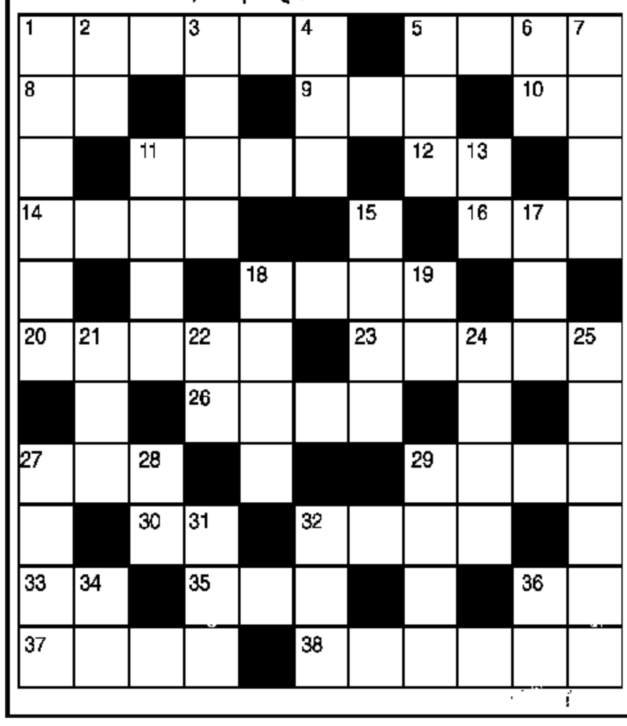

बाएँ से दाए

1. पवनपुत्र, हनुमान-3,3
5. मजार-4
8. बगीचा (अंग्रेजी में-2)
9. तहजीब, तमीज-3
10. सत्य, तेज-2
11. पतंगा-4
12. ईसाई साध्वी-2
14. इंकार करना-4
16. उत्तम, आदर्शवादी-3
18. रोमांच, उद्वेग-4
20. पागलपन, सनक-5
23. पालन-पोषण-5
26. आनंद लेना-2,2
27. बेईमानी, अमानत में खयानत-3
29. अप्रधान, गौण-4
30. ठाठ-बाट-2
32. अति काला, एक प्रकार की लकड़ी-4
33. रहस्य-2
35. गरुड़ जो रावण से लड़ा था-3
36. कमरा, रूम-2
37. जल में रहने वाला-4
38. धर्म के उपदेश देनेवाला-6

ऊपर से नीचे

1. पलायन करने वाला-6
2. जंगल-2
3. दांत से छोटे टुकड़े करना-4
4. जिव्हा, जीभ-3
5. घर, भवन-3
6. यात्री गाड़ी-2
7. चौबीस घंटे का समय-4
11. परीक्षण करना-4
13. भीगा हुआ-2
15. खीजना-4
17. उपस्थिती-3
18. रोमांच, उद्वेग-4
19. संपत्ति-2
21. उचित, सही-3
22. पंख, पराया-2
24. देश निर्वासन-4
25. अंगरक्षक-3,3
27. हाथी-4
28. मद, सरूर-2
29. अनुसार, समान-4
31. निगाह, दृष्टि-3
32. हथियार-3
34. पानी, नीर-2
36. सिगरेट का धुआं खींचना, सुट्टा-2

शब्द पहेली- 6248 का हल

सूडोकु नवताल - 6259

★★★★☆ कठिन

	8	5						
3								
			6			7	4	
6			2		4			
1								8
			7		5			3
	4	7			1			
								6
						5	2	

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6258 का हल

4	3	9	2	6	8	5	1	7
8	1	6	7	4	5	9	2	3
7	5	2	3	9	1	6	4	8
1	7	5	4	2	6	8	3	9
6	4	3	8	5	9	2	7	1
2	9	8	1	7	3	4	5	6
5	2	1	6	8	7	3	9	4
9	8	7	5	3	4	1	6	2
3	6	4	9	1	2	7	8	5

राजनांदगांव

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

जर्जर भवन और टूटे फर्नीचरों की बीच होगी पढ़ाई, 531 स्कूलों को मरम्मत की दरकार

122 शालाओं में बालक-बालिका के लिए पृथक शौचालय नहीं

हफीज खान ▸▸| राजनांदगांव

अलग खबर

स्कूलों की बदहाल व्यवस्था वर्षों से एक ही ढर्रे पर चलती हुई नजर आ रही है। शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने के लिए सरकार की तमाम कोशिशे केवल योजनाओं तक सीमित दिखाई देती है । इसका धरातल पर क्रियान्वयन नजर नहीं आता है। जिले की सैकड़ों जर्जर स्कूलों में बच्चे अध्ययन करने मजबूर है। जिससे हादसों का खतरा होने के साथ ही असुविधाएं व्याप्त है। जिले में जर्जर शाला भवन और संसाधनों में कमी को लेकर शिक्षा विभाग के माध्यम से प्रतिवर्ष जर्जर ▸▸|शेष पेज 6 पर

गिरते प्लास्टर और टपकती छत के नीचे पढ़ेंगे बच्चे

16 जून से स्कूलों के पट बच्चों की शिक्षा अध्ययन के लिए खुल जाएंगे लेकिन इससे पहले स्कूल में व्याप्त समस्याओं को दूर करने के लिए काम नहीं किया गया है। जिले में चिन्हित जर्जर स्कूलों के भवन काम मरम्मत नहीं होने से इस सत्र में भी बच्चे गिरते प्लास्टर और टपकती छत के बीच शिक्षा ग्रहण करने मजबूर होंगे।

प्रसाधन के दरवाजे भी जर्जर

कई शासकीय स्कूलों में शौचालय तो है लेकिन दरवाजे टूटे हुए हैं । कुछ जगहों पर तो बालक और बालिकाओं के लिए पृथक शौचालय भी नहीं है। कुछ स्कूलों में विद्यार्थी और शिक्षक एक ही प्रसाधन का उपयोग करते हैं। आलम यह है कि जिले 182 शासकीय स्कूलों में अब तक बालिका- शौचालय निर्माण कार्य की स्वीकृति नहीं हुई है।

सौ से अधिक भवन खंडहर

जिले में स्कूल के 107 पुराने भवन हैं, जिसका उपयोग वर्तमान में नहीं हो रहा है, लेकिन यह भवन स्कूल परिसर में होने के चलते खतरे का सबब बने हुए हैं, इन्हें जमीदोज करने की आवश्यकता है, लेकिन संबंधित स्कूल प्रशासन के द्वारा पत्राचार करने के बाद भी ऐसे चिन्हित जर्जर भवनों को डिस्मेंटल नहीं किया जा रहा है।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

पीएम मोदी ने ईएसी-पीएम के सदस्यों के साथ बैठक की

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद' के सदस्यों के साथ बैठक कर वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भारत की आर्थिक वृद्धि को और तेज करने के उपायों पर चर्चा की। इस बैठक में 'जीवन की सुगमता' और 'कारोबारी सुगमता' को और बेहतर बनाने से जुड़े विभिन्न सुधारों पर भी विचार-विमर्श किया गया।

कार की ट्रक से टक्कर में पांच लोगों की मौत

मोरबी। गुजरात के मोरबी जिले में एक कार की डंपर ट्रक से टक्कर में पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य घायल हो गए। मृतकों में परेश धाधेया (24) भी शामिल हैं। अन्य मृतकों की पहचान प्रेमजी धाधेया सुरेश सिरोया (47), वीराम धाधेया (28) और भरत धाधेया (39) के रूप में हुई है। यह हादसा शुक्रवार रात करीब साढ़े नौ बजे मोरबी-हलवद राजमार्ग पर चरडवा गांव के पास हुआ। उस समय डंपर ट्रक सड़क पार कर रहा था, तभी कार उससे जा टकराई।

रहमान बीएसएफ के सम्मान में देंगे प्रस्तुति

नई दिल्ली। संगीतकार ए आर रहमान सीमा सुरक्षा बल के सम्मान में अटारी सीमा पर संगीतमय प्रस्तुति देंगे। यह घोषणा आने वाली फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' के निर्माताओं ने की है। यह कार्यक्रम रविवार को पंजाब की अटारी सीमा स्थित जेसीपी स्टेडियम में परेड समारोह के दौरान शाम साढ़े चार से साढ़े पांच बजे के बीच होगा।

रील बनाते समय दो दोस्त राप्ती नदी में डूबे

गोरखपुर। यूपी गोरखपुर में शनिवार को दो लोग दोस्तों के साथ सोशल मीडिया रील बनाते समय राप्ती नदी में डूब गए। घटना पीपीगंज थाना क्षेत्र के करताहारी गांव के पास की है, जहां सात दोस्त नदी में नहाने गए थे। युवक तैरते समय वीडियो और रील बना रहे थे, तभी उनमें से एक गहरे पानी में चला गया और उसने मदद के लिए आवाज लगायी, दूसरा दोस्त उसे बचाने के लिए नदी में उतर गया। दोनों गहरे पानी में बह गए।

तस्करों की साढ़े तीन करोड़ की संपत्ति कुर्क

श्रीनगर। श्रीनगर में दो कथित मादक पदार्थ तस्करों की करीब 3.5 करोड़ रुपए की संपत्ति कुर्क की गई है। यह कार्रवाई मादक पदार्थ तस्करों पर पुलिस की धरपकड़ और 'नशा मुक्त जम्मू कश्मीर अभियान' के तहत कथित तौर पर नशीले पदार्थों के धंधे से बनाई गई संपत्तियों को निशाना बनाने की कोशिशों के साथ की गई।

2 दिन में 7 राज्यों में एंट्री, उत्तर भारत में 2 दिन बरसात

मानसून ने पकड़ी रफ्तार, महाराष्ट्र से कर्नाटक तक झमाझम बारिश

देशभर में मानसून की रफ्तार अब तेज होती नजर आ रही है। केरल में दस्तक देने के बाद मानसून ने पूरे राज्य को कवर कर लिया है। शनिवार को यह आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, मिजोरम और मणिपुर पहुंच गया। इससे पहले शुक्रवार को कर्नाटक, तमिलनाडु और गोवा में एंट्री की थी। महाराष्ट्र और कर्नाटक में झमाझम बारिश हो रही है। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार शुरुआती चरण में मानसून काफी सक्रिय दिखाई दे रहा है।

हरिभूमि न्यूज ▸▸| नई दिल्ली

खास खबर

दक्षिण भारत के कई राज्यों में अगले कुछ दिनों तक अच्छी बारिश होने की संभावना है। पश्चिमी तट पर केरल से लेकर गोवा और मुंबई तक बारिश का सिलसिला जारी रहने के संकेत हैं। आईएमडी ने यह भी कहा कि दक्षिण-पश्चिमी मानसून मध्य-पश्चिमी और मध्य-पूर्वी अरब सागर के अधिकांश हिस्सों के साथ-साथ गोवा, कर्नाटक, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु के कुछ हिस्सों में भी पहुंच चुका है। मौसम विभाग ने कहा कि उत्तरी केरल के ऊपर बने चक्रवाती परिसंचरण के कारण छह जून को कासरगोड, कन्नूर, कोझिकोड, वायनाड और मलप्पुरम जिलों के कुछ हिस्सों में अत्यधिक भारी वर्षा होने की संभावना है। उसने कहा कि छह से नौ जून तक केरल और माहे के कुछ हिस्सों में भारी से बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है।

प्री-मानसून की गतिविधियां तेज

गुजरात को छोड़कर देशभर में प्री-मानसून गतिविधियां तेज हैं। राजस्थान, मध्यप्रदेश, यूपी, दिल्ली, पंजाब, हरियाणा और जम्मू-कश्मीर में भारी बारिश के कारण ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। राजस्थान के बीकानेर में तेज आंधी और बारिश से गारबदेसर गांव के स्कूल के एक कमरे की छत गिर गई। हिमाचल प्रदेश के मनाली में रोहतांग दर्रे पर बर्फ देखने के लिए पहुंचे टूरिस्ट। यहां बारिश भी हो रही है।

छत्तीसगढ़ और मप्र में धीमी रफ्तार

स्काईमेट वेदर के एक्सपर्ट जीपी शर्मा के मुताबिक मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा और बंगाल में मानसून की रफ्तार फिलहाल धीमी रह सकती है, क्योंकि इसे आगे बढ़ाने के लिए बंगाल की खाड़ी में कोई मजबूत मौसम सिस्टम एक्टिव नहीं है। राजस्थान में आंधी-बारिश का दौर जारी है। बीकानेर में शनिवार को ओले गिरे। श्रीडूंगरगढ़ में वेयरहाउस के टिनशेड और कोटपूतली-बहरोड़ में टेंट उड़ गया।

छत्तीसगढ़ में आंधी-बारिश का अलर्ट

छत्तीसगढ़ में अगले पांच दिनों तक मौसम का मिजाज बदला रहेगा। मौसम विभाग ने प्रदेश के कई हिस्सों में इसी तरह के मौसम बने रहने की संभावना जताई है। रायपुर समेत कई जिलों में बादल छाए रहने, गरज-चमक, बारिश और धूलभरी आंधी के आसार हैं। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में गरज-चमक के साथ 50 से 60 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से हवाएं चल सकती है। बिजली गिरने और आंधी के साथ बारिश की भी संभावना जताई गई है।

इन राज्यों में आज ऐसा रहेगा मौसम

- केरलम, कर्नाटक, तमिलनाडु, लक्षद्वीप और आंध्र प्रदेश में बारिश जारी रहने का अनुमान
- राजस्थान के कई हिस्सों में 30-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं
- पश्चिमी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़ में आंधी-तूफान के साथ बारिश की स्थिति रह सकती है
- ओडिशा, बिहार और झारखंड में आंधी-तूफान और बारिश का असर बना रह सकता है

खिताब जीतने वाले पहले भारतीय

प्रज्ञानानंदा ने नार्वे चेस जीतकर रचा इतिहास

एजेंसी ▸▸| ओस्लो

ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा इतिहास रचते हुए अंतिम दौर में जर्मनी के विन्सेंट कीमर को हराकर प्रतिष्ठित नार्वे शतरंज का खिताब जीतने वाले पहले भारतीय बन गए। प्रज्ञानानंदा ने आखिरी दिन की शुरुआत 15 अंक के साथ तीसरे स्थान से की। उन्होंने सबसे अहम मौके पर बेहतरीन खेल दिखाया और क्लासिकल बाजी में जीत हासिल करके पूरे तीन अंक बटोरे। इस तरह वे 18 अंक पर पहुंचे और एलीट शतरंज की सबसे प्रतिष्ठित ट्रॉफियों में से एक अपने नाम की। 20 वर्षीय खिलाड़ी ने वह उपलब्धि हासिल की जो 2013 में टूर्नामेंट की शुरुआत के बाद से भारतीय दिग्गज विश्वनाथन आनंद और डी गुकेश जैसे खिलाड़ी हासिल नहीं कर पाए थे।

भारतीय टीम में वैभव

आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के अलावा एशियन गेम्स 2026 के लिए भारतीय टीम का चयन हुआ। इस टीम में सबसे बड़ी चर्चा 15 वर्षीय बल्लेबाजी सनसनी वैभव सूर्यवंशी को लेकर है, जिन्हें पहली बार भारतीय सीनियर टीम में मौका मिला है। आईपीएल-2026 में अपने तूफानी प्रदर्शन से सुर्खियां बटोरने वाले वैभव अब टीम इंडिया की जर्सी में नजर आएंगे। श्रेयस अय्यर के कप्तान बनने की खबरें सामने आ रही थीं और अब भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड ने इस पर मुहर लगा दी।

प्रदीप सोनी हत्याकांड

भाई के मोबाइल पर मैसेज मैंने गोली मार कर की हत्या

हरिभूमि न्यूज ▸▸| पेंड्रा

हरिभूमि फॉलोअप

सर्राफा व्यापारी प्रदीप सोनी लूट और हत्याकांड मामले में एक नया और सनसनीखेज मोड़ आया है। मृतक के छोटे भाई मनोज सोनी के व्हाट्सएप पर एक अज्ञात नंबर से धमकी भरा संदेश आया है, जिसमें लिखा है कि प्रदीप कुमार सोनी की गोली मारकर हत्या मैंने की है। इस मैसेज के बाद से पीड़ित परिवार में एक बार फिर दहशत का माहौल है। ज्ञात हो कि जिले के कोटमी गांव में बाजार में सर्राफा व्यापारी प्रदीप सोनी की गोली मार हत्या कर दी गई थी।

थाने में शिकायत

मनोज सोनी ने वाट्सएप पर मैसेज आने की शिकायत पेंड्रा पुलिस से की है। इस पर पुलिस ने अज्ञात मोबाइल नंबर धारक के खिलाफ बीएनएस की धारा 296 और 351(3) के तहत अपराध दर्ज कर लिया है। पुलिस अब साइबर सेल की मदद से नंबर की पहचान और आरोपी का लोकेशन ट्रेस करने में जुट गई है। पुलिस इस बिंदु पर भी जांच कर रही है कि यह मैसेज सचमुच किसी आरोपी ने भेजा है या फिर जांच को भटकाने और परिवार को डराने के लिए ऐसा किया गया है। गौरतलब है कि अन्य फरार आरोपियों की तलाश के बीच इस व्हाट्सएप मैसेज ने पुलिस की तफ्तीश को और तेज कर दिया है।

परीक्षा का शेड्यूल जारी

यूजीसी नेट : 22 से 30 जून तक होगी परीक्षा

हरिभूमि न्यूज ▸▸| नई दिल्ली

नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने यूजीसी नेट जून 2026 परीक्षा का विषयवार शेड्यूल जारी कर दिया है। परीक्षा 22 जून से 30 जून 2026 के बीच कंप्यूटर बेस्ड टेस्ट मोड में आयोजित की जाएगी। जारी नोटिस के अनुसार, परीक्षा दो शिफ्टों में होगी। पहली शिफ्ट सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक और दूसरी शिफ्ट दोपहर 3 बजे से शाम 6 बजे तक आयोजित की जाएगी। 22 जून 2026 को पहले दिन शिफ्ट-1 में विजुअल आर्ट, म्यूजियोलॉजी एंड कंजर्वेशन, पंजाबी, तमिल, भूगोल, मराठी, लेबर वेलफेयर एवं संताली विषय शामिल हैं।

अंतिम दिन होगी यह परीक्षा

30 जून को पहली शिफ्ट में इकोनॉमिक्स, एनवायरनमेंटल साइंसेज, हिंदू स्टडीज, एंथ्रोपोलॉजी, बोडो, गुजराती, संस्कृत, पॉलिटिक्स एंड इंटरनेशनल रिलेशंस तथा ह्यूमन राइट्स एंड ड्यूटीज विषयों की परीक्षा होगी। दूसरी शिफ्ट में असमिया, समाजशास्त्र, योग, टूरिज्म एडमिनिस्ट्रेशन एंड मैनेजमेंट, एडल्ट एजुकेशन, आर्कियोलॉजी, उड़िया, सोशल मेडिसिन एंड स्टैटिस्टिक्स और फॉरेस्ट्री विषय हैं।

साय बोले-खाद-बीज की कोई कमी न हो छोटे किसानों को मिले प्राथमिकता

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा है कि किसानों को खाद और बीज की उपलब्धता में किसी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए। छोटे और सीमांत किसानों को प्राथमिकता के आधार पर खाद-बीज उपलब्ध कराया जाए तथा इसकी जवाबदेही संबंधित कलेक्टरों की होगी।

- अवैध रेत उत्खनन पर कड़ी कार्रवाई, नैनो उर्वरकों के उपयोग को बढ़ावा देने के निर्देश

मुख्यमंत्री ने कृषि अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे गांव-गांव जाकर किसानों को नैनो यूरिया और नैनो डीएपी के लाभों की जानकारी दें ताकि आधुनिक कृषि तकनीकों का अधिकतम उपयोग हो सके। उन्होंने अवैध रेत उत्खनन के विरुद्ध तत्काल और प्रभावी कार्रवाई करने के भी निर्देश दिए। मुख्यमंत्री गुरुवार को गरियाबंद जिला पंचायत कार्यालय के सभाकक्ष में रायपुर संभाग के जिलों की संभागीय समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे।

पीएम आवास समेत कई योजनाओं की समीक्षा

समीक्षा बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना, आयुष्मान भारत योजना, जल जीवन मिशन, बिहान, तेंदूपत्ता संग्रहण, महतारी वंदन योजना, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि तथा धान उपार्जन एवं उठाव की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि आयुष्मान कार्ड बनाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि पात्र नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण उपचार और बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जानी चाहिए।

शिक्षण पद्धतियों को बढ़ावा देने पर बल

शिक्षा की समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने स्कूलों में सीखने के स्तर में सुधार, नियमित मॉनिटरिंग तथा नवाचार आधारित शिक्षण पद्धतियों को बढ़ावा देने पर बल दिया। उन्होंने निर्देश दिए कि जिन विद्यालयों में विषय विशेषज्ञ शिक्षकों की कमी है। वहां कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित तकनीकों का उपयोग कर शिक्षा की गुणवत्ता को बेहतर बनाया जाए।

पांच हजार से ज्यादा रीडर हो जाएंगे बेरोजगार

मीटर से ही तैयार हुआ स्मार्ट बिल, सफल ट्रायल के बाद ऑनलाइन बिलिंग, बचेंगे हर माह छह करोड़

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रायपुर

हरिभूमि सरोकार

प्रदेश में अब बिजली उपभोक्ताओं की मीटर रीडिंग को भी स्मार्ट किया जा रहा है। इस महीने पहली बार इसका सफल ट्रायल किया गया। स्मार्ट मीटरों की रीडिंग सीधे कंट्रोल रूम से बैठकर की जा रही है। उपभोक्ताओं को सीधे उनके मोबाइल नंबर पर मैसेज के माध्यम से बिल भेजा जा रहा है। सफल प्रयोग के बाद आने वाले समय में ऑनलाइन रीडिंग का ही सिस्टम चलेगा। ▸▸|शेष पेज 6 पर

आयोग से लेंगे मंजूरी

बिजली बिल को पेपरलेस करने के लिए ऑनलाइन बिलिंग प्रारंभ की गई है। अभी इसका ट्रायल कर रहे हैं, स्थाई व्यवस्था के लिए बिजली नियामक आयोग से मंजूरी लेनी पड़ेगी।

-भीमसिंह कंवर
एमडी, वितरण कंपनी

पेपरलेस बिलिंग की तैयारी

छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनी पेपरलैस बिजली बिल पर काम कर रहा है। जून में स्मार्ट मीटर वाले उपभोक्ताओं को सीधे उनके मोबाइल पर बिल भेजा गया है। इससे एक बड़ा फायदा यह है कि उपभोक्ताओं को रीडरों का इंतजार नहीं करना पड़ेगा। अक्सर रीडिंग गलत होने की शिकायत भी रहती है। ऐसी शिकायत भी नहीं रहेगी। वहीं मकान बंद होने पर औसत रीडिंग के बाद होने वाले विवाद खत्म हो जाएंगे।

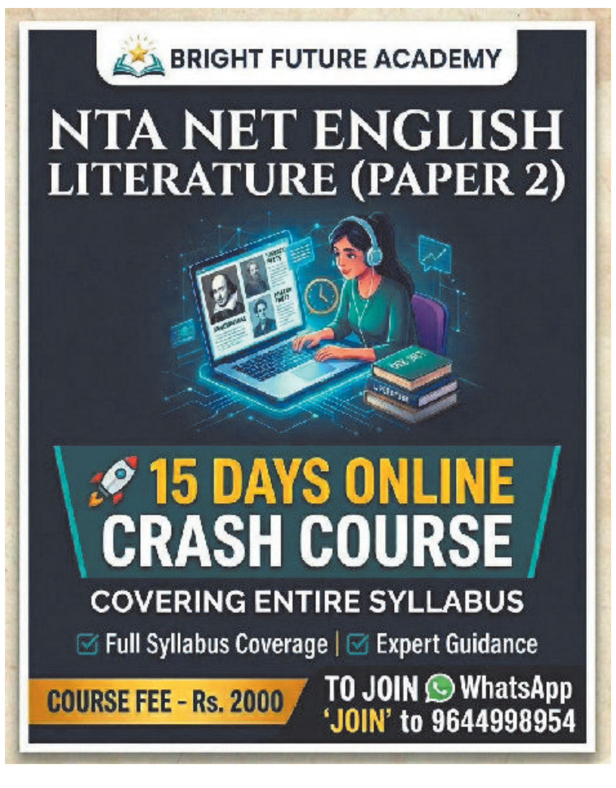

पिछले कुछ सालों में भारत में पेपर लीक की घटनाएं एक गंभीर राष्ट्रीय समस्या बनकर उभरी हैं। इसने न सिर्फ लाखों युवाओं के करियर पर सवाल खड़े किए हैं, बल्कि पूरी शिक्षा और भर्ती प्रणाली के भरोसे को भी गहरा धक्का पहुंचाया है। एक अदद सरकारी नौकरी या प्रतिष्ठित संस्थान में दाखिले के लिए दिन-रात एक करने वाले करोड़ों विद्यार्थियों के लिए यह स्थिति एक मानसिक विभीषिका जैसी है। तकनीक के बेहतर इस्तेमाल के बड़े-बड़े दावों के बीच आखिर चूक हो गई। इसके लिए सीबीएसई को परीक्षकों के लिए एक अनिवार्य और व्यापक डिजिटल प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू करना होगा, ताकि वे स्क्रीन पर भी न्यायपूर्ण मूल्यांकन कर सकें। पेपर लीक की समस्या का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि प्रतियोगी परीक्षाओं को लगातार अत्यधिक कठिन बनाया जा रहा है। जेईई एडवांस्ड और नीट जैसी परीक्षाओं में कई प्रश्न ऐसे पूछे जाते हैं जो भले ही औपचारिक रूप से पाठ्यक्रम के अंतर्गत हों, लेकिन उनकी जटिलता सामान्य विद्यालयी शिक्षा के स्तर से कहीं अधिक होती है। शिक्षा व्यवस्था का लक्ष्य प्रतिभा को पहचानना होना चाहिए, उसे अनावश्यक दबाव और असमानताओं के जाल में फंसाना नहीं। अब समय आ गया है कि एक पारदर्शी, सुरक्षित और अचूक परीक्षा प्रणाली का निर्माण किया जाए। *इन्हीं हालातों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...*

पेपर लीक : सिस्टम को इलाज की जरूरत

विश्लेषण
चरणजीत चरण
स्वतंत्र स्तंभकार

सीबीएसई एवं नीट की परीक्षाओं ने देश के युवा को निराश किया है। इस तरह की घटनाएं जब भी होती हैं तो देश के युवा मन में निराशा और अवसाद का एक बीज उपजने लगता है, जिससे उस युवा का समूचा परिवार प्रभावित होता है। सरकार नीतियां निर्धारित करती है, लेकिन उन नीतिओं का क्रियान्वयन करने वाले प्रशासनिक अधिकारी, पेपर बनाने वाले एक्सपर्ट वो लोग जिन पर उस पेपर को संभालने और उसकी गोपनीयता कायम रखने की जिम्मेदारी होती है या कोई बड़ा राजनीतिक व्यक्ति जब किसी लालच का शिकार हो जाता है तो पेपर लीक जैसी घटनाएं समाज में घटती हैं। इस तरह की घटनाओं को किसी एक व्यक्ति की गलती के तौर पर देखना पूरे सिस्टम की गंदगी पर पर्दा डालने जैसा होगा।

किसी भी देश को आत्मनिर्भर बनाने और उसके सांस्कृतिक, धार्मिक, तकनीकी एवं नैतिक उत्थान को उसके वैभव तक ले जाने में उस देश की शिक्षा का बहुत ही महत्वपूर्ण स्थान होता है। अगर किसी कारण से शिक्षा व्यवस्था में कोई सेंधमारी होती है तो यह निश्चित रूप से उस देश के भविष्य के लिए चिंता का विषय है। पिछले कई वर्षों से भारत की कई महत्वपूर्ण परीक्षाएं इस समस्या से जूझ रही हैं। सामान्य परीक्षाओं से लेकर भर्ती परीक्षाएं भी पेपर लीक की शिकार हुई हैं। अगर हालिया वर्ष की बात करें तो सीबीएसई एवं नीट की परीक्षाओं ने देश के युवा को निराश किया है। इस तरह की घटनाएं जब भी होती हैं तो देश के युवा मन में निराशा और अवसाद का एक बीज उपजने लगता है, जिससे उस युवा का समूचा परिवार प्रभावित होता है। सरकार नीतियां निर्धारित करती है, लेकिन उन नीतिओं का क्रियान्वयन करने वाले प्रशासनिक अधिकारी, पेपर बनाने वाले एक्सपर्ट वो लोग जिन पर उस पेपर को संभालने और उसकी गोपनीयता कायम रखने की जिम्मेदारी होती है या कोई बड़ा राजनीतिक व्यक्ति जब किसी लालच का शिकार हो जाता है तो पेपर लीक जैसी घटनाएं समाज में घटती हैं। इस तरह की घटनाओं को किसी एक व्यक्ति की गलती के तौर पर देखना पूरे सिस्टम की गंदगी पर पर्दा डालने जैसा होगा। सिस्टम में बैठे लोगों की लापरवाही कोई तकनीकी खामी या किसी व्यक्ति का नैतिक पतन किसी भी परीक्षा के लीक के लिए जिम्मेदार हो सकता है, लेकिन इसके लिए भी सबसे अधिक जिम्मेदारी सरकार की ही बनती है। पेपर लीक का यह मामला पहला नहीं है। कई वर्षों से इस तरह के मामले निरंतर आ रहे है, लेकिन उसके लिए कोई ठोस नेटवर्क तैयार न कर पाना दोषी लोगों को कड़ी सजा का प्रावधान न होना, एक निचले स्तर के कर्मचारी से लेकर किसी बड़े अधिकारी तक जिम्मेदारी तय न करना और उसका उल्लंघन होने पर कड़ी सजा का प्रावधान न होना इस सारे घटनाक्रम का कारण बनता है।

संगठित अपराध बना पेपर लीक

लीक होने वाली इन परीक्षाओं के लिए सरकार, प्रशासन और विशेषज्ञ ही जिम्मेदार हों, ऐसा नहीं है। बात अब इससे बहुत आगे बढ़ चुकी है। पेपर लीक अब एक संगठित अपराध का रूप ले चुका है। इसमें मोटा पैसा, रसूक और माफिया तंत्र का कॉकटेल बन चुका है। समाज के मध्यवर्ग में बैठे कुछ बड़े अधिकारी, उद्योगपति और कोचिंग संचालक इस पूरी प्रक्रिया से मोटा पैसा खींच रहे हैं। एक तरफ जहां लोगों पर सामाजिक दबाव है, बच्चों को किसी अच्छे कोर्स में डालने का और उन्हें कामयाब होते हुए देखने का, तो दूसरी तरफ अपनी सामाजिक और आर्थिक सत्ता को बचाने का भी दबाव है। इसके चलते पेपर लीक जैसे शॉर्टकट के माध्यम से नालायक बच्चों को भी कामयाब बनाने की कोशिश की जा रही है।

पैसे वाले माता-पिता की इसी मज़बूरी और महत्वाकांक्षा का फायदा पेपर लीक माफिया उठा रहा है। लीक पेपर के लाखों रुपये पेरेंट्स से वसूले जाते हैं। लीक पेपर से बना डॉक्टर इंजीनियर या अन्य किसी पद पर बैठा व्यक्ति समाज में कभी नैतिकता के पैमाने पर खरा नहीं उतर सकता। आज बहुत से इंस्टिट्यूट ये दावा करते हैं कि उनके यहां से कोचिंग लेने पर परीक्षा पास करने की सौ प्रतिशत गारंटी है।

भ्रामक विज्ञापन पर रोक लगे

पेपर लीक की बुनियाद यही गारंटी है। इसको बस ऐसे समझ लीजिए कि कोई तरबूज बेचने वाला अगर सौ प्रतिशत लाल और मीठे की गारंटी लेता है तो निश्चित मानना चाहिए कि वहां तरबूज में किसी केमिकल का इस्तेमाल हुआ है। भारत में भी पेपर लीक का एक बड़ा सोर्स इसी तरह के संस्थान हैं, जिन पर पूर्णतया रोक लगाने या इस तरह के भ्रामक विज्ञापन बंद करने की आवश्यकता है। आज सरकार और स्वयं पेरेंट्स को यह तय करना होगा कि हम देश में कैसा तंत्र चाहते हैं। क्या हम एक ऐसे डॉक्टर से इलाज कराना चाहते हैं तो पेपर लीक से डॉक्टर बना है।

पेपर लीक : मुख्य कारण

- ठोस नेटवर्क तैयार न कर पाना पेपर लीक का मुख्य कारण
- दोषी लोगों को कड़ी सजा का प्रावधान न होना शामिल
- निचले स्तर से बड़े अधिकारी तक जिम्मेदारी तय न करना
- कड़ी सजा का प्रावधान न होना

सुधरनी चाहिए व्यवस्था

क्या हम किसी ऐसे इंजीनियर के मानकों पर खरे उतरे पुल से गुजरना चाहते हैं जो पेपर लीक सका सहारा लेकर यहां तक पहुंचा है, यह समस्या आज विकराल रूप लेती जा रही है। बार-बार पेपर लीक होना बताता है कि सिस्टम का एक बड़ा हिस्सा सड़ चुका है। उसे एक सतत इलाज की ज़रूरत है। जब तक सिस्टम में बैठे लोगों की जिम्मेदारी तय नहीं होती और जिम्मेदार लोगों को कड़ी सजा का प्रावधान नहीं होता, तब तक इस समस्या से निपटना आसान नहीं है।

साथ ही हमें बच्चों को बेसिक शिक्षा से ही नैतिक मूल्यों की कसौटी पर इस परिपक्वता के साथ ढालना होगा कि वे स्वयं इस तरह के अनैतिक कार्य के विरुद्ध खड़े होकर अपनी आवाज मुखर कर सकें। अगर ये नहीं होता है तो भविष्य में इसके बहुत ही दुखद परिणाम देखने को मिलेंगे। क्योंकि सालों साल मेहनत करने वाला बच्चा जब यह देखता है कि जिस करियर के सपने को सजाकर वह वर्षों से मेहनत कर रहा था, वह परीक्षा लीक हो चुकी है तो उसके मन मस्तिष्क पर इसका ऐसा दुष्प्रभाव पड़ेगा कि वह पूरे जीवन देश की सरकार और सिस्टम पर विश्वास नहीं कर पाएगा। हो सकता है कि यह घटना उसके मानसिक अवसाद का कारण बन जाए।

समाज होता है प्रभावित

इसका एक और दुष्परिणाम यह होगा कि बहुत सारे योग्य बच्चों की जगह अयोग्य बच्चे उन महत्वपूर्ण पदों पर बैठ जाएंगे, जहां से पूरा समाज प्रभावित होता है। यह ऐसी स्थिति होती है जैसे किसी स्वस्थ शरीर में एक अंग का खराब हो जाना, जो आज नहीं तो कल पूरे शरीर के लिए घातक साबित होगा।

स्कूली शिक्षा के अनुरूप हों प्रतियोगी परीक्षाएं

व्यवस्था
विनीत पाण्डेय
वरिष्ठ पत्रकार

देश में प्रतियोगी परीक्षाओं की विश्वसनीयता पिछले कुछ वर्षों में गंभीर प्रश्नों के घेरे में आई है। विशेष रूप से मेडिकल प्रवेश परीक्षा जैसे नीट से जुड़े विवादों ने लाखों छात्रों और उनके अभिभावकों को चिंता में डाल दिया है। लाखों की संख्या मे छात्रों द्वारा दी गई इस परीक्षा में प्रश्नपत्र लीक होने, असामान्य रूप से बड़ी संख्या में छात्रों के अत्यधिक अंक प्राप्त करने तथा परीक्षा संचालन में अनियमितताओं के आरोप लगे। साथ ही विभिन्न राज्यों में शिक्षक भर्ती, पुलिस भर्ती, रेलवे भर्ती तथा अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं के पेपर लीक होने की घटनाएं सामने आती रही हैं। ऐसे मामलों ने न केवल युवाओं का विश्वास कमजोर किया है बल्कि परीक्षा प्रणाली की निष्पक्षता पर भी गंभीर सवाल खड़े किए हैं। पेपर लीक की समस्या का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि प्रतियोगी परीक्षाओं को लगातार अत्यधिक कठिन बनाया जा रहा है। जेईई एडवांस्ड और नीट जैसी परीक्षाओं में कई प्रश्न ऐसे पूछे जाते हैं जो भले ही औपचारिक रूप से पाठ्यक्रम के अंतर्गत हों, लेकिन उनकी जटिलता सामान्य विद्यालयी शिक्षा के स्तर से कहीं अधिक होती है। राष्ट्रीय शिक्षा अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद की पुस्तकों पर आधारित होने का दावा करने वाली परीक्षाओं में भी अनेक ऐसे प्रश्न देखने को मिलते हैं, जिनके समाधान के लिए विशेष कोचिंग की आवश्यकता पड़ती है। इस संदर्भ में यह प्रश्न प्रासंगिक हो जाता है कि जब चयन प्रक्रिया का अंतिम आधार मेरिट ही है, तब प्रश्नपत्रों की कठिनाई का स्तर इतना अधिक रखने की आवश्यकता क्यों महसूस की जाती है? यदि किसी परीक्षा में दस लाख विद्यार्थी शामिल होते हैं और केवल पांच हजार का चयन होना है, तो अपेक्षाकृत संतुलित और पाठ्यक्रम आधारित प्रश्नपत्र में भी श्रेष्ठ विद्यार्थियों की पहचान की जा सकती है। कठिनाई बढ़ाने से चयन प्रक्रिया अधिक निष्पक्ष नहीं हो जाती, बल्कि यह उन छात्रों को अतिरिक्त लाभ देती है जिन्हें महंगे कोचिंग संस्थानों तक पहुंच उपलब्ध है। भारत में शायद इसीलिए भी कोचिंग उद्योग का आकार लगातार बढ़ रहा है। राजस्थान का कोटा, तेलंगाना का हैदराबाद तथा दिल्ली का मुखर्जी नगर जैसे क्षेत्र प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के बड़े केंद्र बन चुके हैं। अनेक परिवार अपने बच्चों की तैयारी पर लाखों रुपये खर्च करने के लिए विवश हो जाते हैं। दूसरी ओर ग्रामीण क्षेत्रों और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के छात्र इस प्रतिस्पर्धा में पीछे छूट जाते हैं। यह स्थिति शिक्षा में समान अवसर के सिद्धांत के विपरीत है। यदि किसी छात्र ने अपने विद्यालय में पूरी लगन से पढ़ाई की है और बोर्ड के निर्धारित पाठ्यक्रम में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है, तो उसे केवल इसलिए नुकसान नहीं होना चाहिए कि उसने किसी महंगे कोचिंग संस्थान में प्रवेश नहीं लिया। प्रतियोगी परीक्षाओं का उद्देश्य विद्यालयी शिक्षा की गुणवत्ता को प्रोत्साहित करना होना चाहिए, न कि उसे अप्रासंगिक बनाना। सरकार और परीक्षा संचालित करने वाली संस्थाओं को इस विषय पर गंभीरता से पुनर्विचार करना चाहिए। नीट और जेईई जैसी परीक्षाओं का पाठ्यक्रम देश के विभिन्न शिक्षा बोर्डों के पाठ्यक्रमों के अनुरूप होना चाहिए। प्रश्नों का स्तर ऐसा हो जो अवधारणात्मक समझ की जांच करे, लेकिन विद्यालयों में पढ़ाए जाने वाले विषयों की सीमा से बाहर न जाए। यदि किसी प्रश्न को हल करने के लिए छात्र को अतिरिक्त कोचिंग सामग्री या विशेष प्रशिक्षण की आवश्यकता पड़ती है, तो यह परीक्षा की मूल भावना के विरुद्ध माना जाना चाहिए। इसके साथ ही परीक्षा प्रणाली की सुरक्षा को भी मजबूत करना आवश्यक है। प्रश्नपत्रों की डिजिटल सुरक्षा, एनक्रिप्टेड वितरण प्रणाली, परीक्षा केंद्रों की निगरानी, दोषियों के विरुद्ध त्वरित कड़ी कार्रवाई तथा पारदर्शी जांच व्यवस्था को और सशक्त बनाया जाना चाहिए। पेपर लीक केवल एक प्रशासनिक विफलता नहीं है, बल्कि यह लाखों मेहनती छात्रों के सपनों पर चोट है। एक छात्र वर्षों तक कठिन परिश्रम करता है, जबकि कुछ लोग अवैध तरीकों से उस मेहनत का मूल्य समाप्त कर देते हैं। आज आवश्यकता इस बात की है कि प्रतियोगी परीक्षाओं को कठिन बनाने की बजाय निष्पक्ष, पारदर्शी और विद्यालयी शिक्षा के अनुरूप बनाया जाए। यदि प्रश्नपत्र देश के विभिन्न बोर्डों में पढ़ाए जाने वाले पाठ्यक्रम पर आधारित होंगे, तो छात्रों का कोचिंग संस्थानों पर निर्भरता कम होगी, आर्थिक असमानता घटेगी और विद्यालयी शिक्षा का महत्व बढ़ेगा। साथ ही, यदि परीक्षा प्रणाली सुरक्षित और विश्वसनीय होगी तो युवाओं का विश्वास भी मजबूत होगा। भारत जैसे युवा देश के लिए यह अत्यंत महत्वपूर्ण है कि प्रतिभा का चयन अवसरों की समानता और ईमानदार प्रतिस्पर्धा के आधार पर हो, न कि कोचिंग की उपलब्धता, आर्थिक क्षमता या पेपर लीक जैसी विकृतियों के आधार पर। शिक्षा व्यवस्था का लक्ष्य प्रतिभा को पहचानना होना चाहिए, उसे अनावश्यक दबाव और असमानताओं के जाल में फंसाना नहीं।

भारत जैसे युवा देश के लिए यह अत्यंत महत्वपूर्ण है कि प्रतिभा का चयन अवसरों की समानता और ईमानदार प्रतिस्पर्धा के आधार पर हो, न कि कोचिंग की उपलब्धता, आर्थिक क्षमता या पेपर लीक जैसी विकृतियों के आधार पर।

तकनीक की चमक में गायब हुई गुणवत्ता

मंथन
डॉ. सुरेंद्र कुमार
स्वतंत्र स्तंभकार

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने परीक्षा मूल्यांकन प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, तेज और निष्पक्ष बनाने के लिए तकनीक का दामन थामा। डिजिटल मूल्यांकन, ऑन-स्क्रीन मार्किंग, बारकोड आधारित उत्तर पुस्तिकाएं और ऑनलाइन मॉडरेशन जैसी आधुनिक व्यवस्थाओं का उद्देश्य सिर्फ एक था, मानवीय भूलों को कम करना और पूरे देश में एक समान मानक स्थापित करना। साल 2026 के 12वीं बोर्ड के नतीजों ने इस पूरी चमक-दमक के पीछे छिपी एक गंभीर वास्तविकता को उजागर कर दिया है। परीक्षा परिणाम आते ही जिस तरह देश भर के छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों ने मूल्यांकन प्रक्रिया पर तीखे सवाल उठाए, उसने एक नई बहस को जन्म दे दिया।

सवाल यह है कि तकनीक के बेहतर इस्तेमाल के बड़े-बड़े दावों के बीच आखिर चूक कहां हुई? सबसे जरूरी यह कि आने वाले समय में ऐसी स्थिति दोबारा न बने, इसके लिए सरकार को क्या कदम उठाने चाहिए? सीबीएसई की ऑन-स्क्रीन मार्किंग प्रणाली का मूल विचार बहुत प्रगतिशील था, जिसमें शिक्षक कंप्यूटर स्क्रीन पर कॉपियां जांचते हैं ताकि कॉपियों का विवरण आसानी से रखा जा सके और समय पर परिणाम घोषित हों। मगर इस बार के नतीजों ने इस पूरी व्यवस्था पर ही एक बड़ा प्रश्नचिह्न लगा दिया है। हजारों मेधावी छात्रों ने यह शिकायत की है कि उन्होंने सभी प्रश्नों के पर्याप्त और सही उत्तर लिखे थे फिर भी उन्हें उम्मीद से बहुत कम अंक मिले। सबसे चौंकाने वाली स्थिति कुछ खास विषयों, जैसे फिजिक्स में देखने को मिली, जहां लगभग 58 % छात्रों को फेल या 'रिपीट' की श्रेणी में डाल दिया गया। इतनी बड़ी संख्या में छात्रों का पिछड़ना सीधे तौर पर इस तकनीकी मूल्यांकन की विश्वसनीयता को कटघरे में खड़ा करता है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस विफलता का कारण स्वयं तकनीक नहीं है, बल्कि उसके क्रियान्वयन का तरीका और मशीनों पर हमारी जरूरत से ज्यादा निर्भरता है। इसमें पहली और सबसे बड़ी चूक शिक्षकों के प्रशिक्षण से जुड़ी रही। कंप्यूटर स्क्रीन पर लंबे-लंबे उत्तरों को पढ़ना, उन्हें समझना और मार्किंग टूल्स का इस्तेमाल करना, पारंपरिक रूप से कागज पर कॉपी जांचने से बिल्कुल अलग अनुभव है। चूंकि शिक्षकों को इसके लिए व्यावहारिक रूप से तैयार नहीं किया गया, इसलिए वे स्क्रीन पर उत्तरों के गहरे भाव और गुणवत्ता को समझने में चूक गए। तकनीक ने गति तो दी, लेकिन मजबूत 'क्वालिटी चेक' न होने के कारण यह गति अंततः भारी त्रुटियों में बदल गई। इसके अलावा, मॉडरेशन और री-वेरिफिकेशन की व्यवस्था भी इस बार बेहद कमजोर साबित हुई। आधुनिक सॉफ्टवेयर होने के बावजूद यह सुनिश्चित नहीं किया जा सका कि हर कॉपी को तय मानकों के अनुसार जांचा जा रहा है या नहीं। परिणाम यह हुआ कि शुरुआती स्तर पर हुई गलतियां बिना किसी रोक-टोक के सीधे फाइनल रिजल्ट तक पहुंच गईं। कॉपियों के डिजिटल होने के बावजूद छात्रों को कोई ऐसा विस्तृत फीडबैक या स्पष्टीकरण नहीं मिला जिससे वे समझ सकें कि उनके अंक आखिर कहां और क्यों कटे।

इस पारदर्शिता की कमी ने छात्रों के असंतोष को गहरे अविश्वास में बदल दिया है। अब सवाल उठता है कि भविष्य में ऐसी परिस्थितियों से बचने के लिए क्या किया जाना चाहिए। तकनीक आज की जरूरत है और इससे पीछे लौटना कोई समाधान नहीं हो सकता; समाधान केवल तकनीक और मानवीय विशेषज्ञता के बीच एक सही संतुलन बनाने में है। इसके लिए सीबीएसई को परीक्षकों के लिए एक अनिवार्य और व्यापक डिजिटल प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू करना होगा ताकि वे स्क्रीन पर भी न्यायपूर्ण मूल्यांकन कर सकें। दूसरा, ए आई और डेटा एनालिटिक्स का उपयोग केवल 'ऑडिट' और निगरानी के लिए होना चाहिए। यदि किसी छात्र को बहुत असामान्य अंक मिलते हैं तो एआई सिस्टम को उसे स्वतः चिन्हित कर देना चाहिए ताकि वरिष्ठ शिक्षक उस कॉपी को दोबारा देख सकें।

बोर्ड को मार्किंग स्कीम और कॉपियों को देखने की प्रक्रिया में पूर्ण पारदर्शिता अपनानी होगी, तभी छात्रों का भरोसा वापस जीता जा सकेगा। परीक्षा परिणाम के चलते प्रभावित हुए छात्रों के संकट का तत्काल निवारण करना भी बहुत आवश्यक है। यह अनुभव एक बड़ी चेतावनी है कि शिक्षा में आधुनिकता का स्वागत तो है, लेकिन किसी भी तकनीक को छात्रों के भविष्य की कीमत पर लागू नहीं किया जा सकता।

बोर्ड को मार्किंग स्कीम और कॉपियों को देखने की प्रक्रिया में पूर्ण पारदर्शिता अपनानी होगी, तभी छात्रों का भरोसा वापस जीता जा सकेगा। परीक्षा परिणाम के चलते प्रभावित हुए छात्रों के संकट का तत्काल निवारण करना भी बहुत आवश्यक है।

योग्यता पर प्रहार, भविष्य पर वार

परीक्षा
डॉ. पवन कुमार शर्मा
स्वतंत्र पत्रकार

भारत में 'पेपर लीक' की निरंतर बढ़ती घटनाएं केवल प्रशासनिक विफलता या वित्तीय भ्रष्टाचार का मामला नहीं है बल्कि यह देश के भविष्य के साथ होने वाला एक गंभीर क्रूर मज़ाक है। एक अदद सरकारी नौकरी या प्रतिष्ठित संस्थान में दाखिले के लिए दिन-रात एक करने वाले करोड़ों विद्यार्थियों के लिए यह स्थिति एक मानसिक विभीषिका जैसी है।

हर साल लाखों युवाओं की उम्मीदें, उनके माता-पिता की गाढ़ी कमाई और सालों की तपस्या एक झटके में पेपर लीक के काले बाज़ार की भेंट चढ़ जाती है। एक सुरक्षित परीक्षा प्रणाली का ढांचा तीन स्तंभों पर टिकता है- गोपनीयता, सत्यनिष्ठा और उपलब्धता। पेपर लीक की घटनाएं दर्शाती हैं कि हमारे तंत्र में इन तीनों ही स्तरों पर गंभीर कमियां हैं। प्रश्नपत्र तैयार होने से लेकर प्रिंटिंग प्रेस, लॉजिस्टिक्स (परिवहन) और परीक्षा केंद्रों तक पहुंचने के बीच कई ऐसे 'लीक प्वाइंटस' होते हैं, जहां सुरक्षा बेहद कमज़ोर है। स्थानीय स्तर पर अधिकारियों या निजी एजेंसियों की मिलीभगत से प्रश्नपत्र सोशल मीडिया पर तैरने लगते हैं। दूसरा, पेपर लीक मामले में मज़बूत कानून और त्वरित न्याय का अभाव है। राज्य स्तर के कानून इतने लचर हैं कि दोषी कुछ ही दिनों में ज़मानत पर बाहर आ जाते हैं और दोबारा इसी धंधे में लग जाते हैं। त्वरित और कठोर सज़ा न होना अपराधियों के हौसले बढ़ाता है। तीसरा परीक्षा लेने वाली एजेंसियों की निजी केंद्रों और आउटसोर्सिंग पर अत्यधिक निर्भरता भी इसका बड़ा कारण है। परीक्षा कराने वाली नोडल एजेंसियों में भी कर्मचारियों की भारी कमी है, जिससे वे बाहरी वेंडर्स पर निर्भर हो जाती हैं। मनोविज्ञान के नजरिए से देखें तो परीक्षा की तैयारी का दौर अपने आप में एक उच्च-तनाव की अवधि होती है। जब इस तनाव के बीच पेपर लीक या परीक्षा रद्द होने की खबर आती है तो विद्यार्थी का मानसिक संतुलन बुरी तरह डगमगा जाता है। नीट पेपर लीक के बाद देशभर के राज्यों में जिस तरह से युवा-युवतियों के आत्महत्या करने की घटनाएं सामने आईं, वे मानसिक असंतुलन और दबाव का ही परिणाम हैं। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्र महीनों, सालों तक 'क्रॉनिक स्ट्रेस' यानी लगातार बने रहने वाले तनाव से गुज़रते हैं। जब परीक्षा रद्द हो जाती है तो छात्र 'बर्नआउट' की स्थिति में पहुंच जाते हैं। बर्नआउट का अर्थ है मानसिक, शारीरिक और भावनात्मक रूप से पूरी तरह टूट जाना, जिसके बाद दोबारा ऊर्जा जुटाना असंभव सा लगने लगता है। मनोविज्ञान में मार्टिन सेलिगमैन का 'लर्नड हेल्पलेसनेस' का सिद्धांत यहां सटीक बैठता है। जब छात्रों को लगता है कि उनकी कड़ी मेहनत, बुद्धिमत्ता और प्रयासों का परीक्षा के परिणाम से कोई लेना-देना नहीं है क्योंकि अंततः पेपर तो पैसे वाले ही खरीद लेंगे तो वे मान लेते हैं कि परिस्थितियां उनके नियंत्रण से बाहर हैं। यह सोच उन्हें गहरे डिप्रेशन की ओर धकेलती है और वे प्रयास करना ही छोड़ देते हैं। पेपर लीक होने पर जब सालों की मेहनत शून्य हो जाती है तो छात्रों में 'आईडेंटिटी क्राइसिस' पैदा होता है। इसके साथ ही रिश्तेदारों और समाज के ताने, 'इतने साल से क्या कर रहे हो?' जैसी बातें उनके आत्मसम्मान को पूरी तरह नष्ट कर देती हैं। यही कारण है कि कोटा से लेकर प्रयागराज तक, छात्रों में आत्महत्या की प्रवृत्ति डराने वाले स्तर तक बढ़ गई है। पेपर लीक होने पर सरकारें अकसर परीक्षा रद्द करके 'दोबारा परीक्षा' की घोषणा कर देती हैं। प्रशासनिक रूप से यह एक समाधान लग सकता है, लेकिन एक विद्यार्थी के धरातल पर यह एक नई प्रताड़ना की शुरुआत है। अधिकांश छात्र ग्रामीण या निम्न-मध्यम वर्गीय परिवारों से आते हैं जो शहरों में किराए के कमरों या लॉज में रहकर, कर्ज़ लेकर कोचिंग और रहने का खर्च उठाते हैं। कई परिवारों के पास दोबारा परीक्षा तक छात्र को बाहर रखने के पैसे ही नहीं होते। मानव मस्तिष्क किसी एक लक्ष्य के लिए एक निश्चित समय तक ही उच्चतम एकाग्रता बनाए रख सकता है। परीक्षा के दिन छात्र का मानसिक स्तर चरम पर होता है। परीक्षा टलने या रद्द होने पर वह मानसिक लय टूट जाती है। जब देश की मेधावी युवा शक्ति व्यवस्था से निराश होकर अवसाद और आक्रोश में डूबने लगेगी तो राष्ट्र निर्माण की नींव भी कमजोर होगी। अब समय आ गया है कि एक पारदर्शी, सुरक्षित और अचूक परीक्षा प्रणाली का निर्माण किया जाए ताकि किसी भी युवा की मेहनत पर भ्रष्टाचार का पानी न फिरे और 'योग्यता' का मान सुरक्षित रहे।

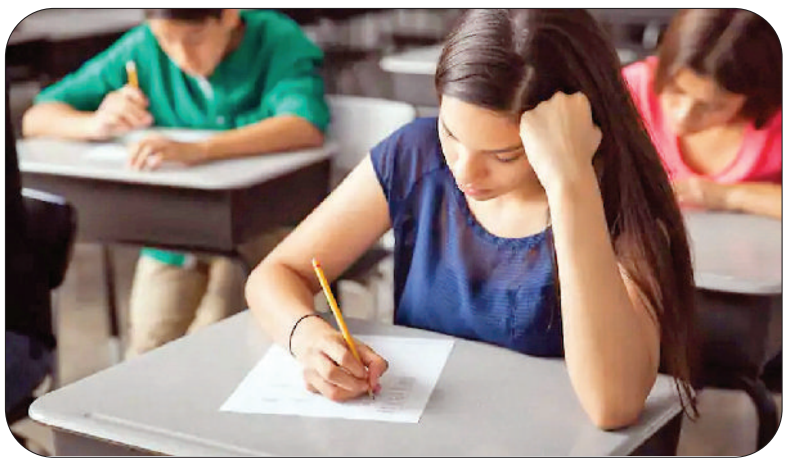

परीक्षा की तैयारी का दौर अपने आप में एक उच्च-तनाव की अवधि होती है। जब परीक्षा रद्द होने की खबर आती है तो विद्यार्थी का मानसिक संतुलन बुरी तरह डगमगा जाता है। नीट पेपर लीक के बाद जिस तरह से युवाओं के आत्महत्या करने की घटनाएं सामने आईं, वे मानसिक असंतुलन का ही परिणाम हैं।

पे-रोल लिंक्ड एसआईपी

वेतन से सीधे निवेश करने का नया रास्ता

कर्मचारियों के लिए धन सृजन का सबसे आसान फॉर्मूला

सेबी का प्रस्ताव बचत व निवेश की आदत को मजबूत करेगा

जोखिमभरी ट्रेडिंग से दूर होकर दीर्घकालिक संपत्ति बना सकेंगे

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

भारत में म्यूचुअल फंड निवेश लगातार लोकप्रिय हो रहा है और करोड़ों लोग सिस्टमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के माध्यम से अपने भविष्य को सुरक्षित बनाने का प्रयास कर रहे हैं। अब भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने निवेश को और सरल तथा अनुशासित बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रस्ताव रखा है। इसके तहत वेतनभोगी कर्मचारियों की सैलरी से सीधे म्यूचुअल फंड में निवेश की व्यवस्था की जा सकती है। इस व्यवस्था को पे-रोल-लिंक्ड एसआईपी कहा जा रहा है। इसका उद्देश्य कर्मचारियों में नियमित निवेश की आदत विकसित करना, उन्हें जोखिमपूर्ण फ्यूचर्स एंड ऑप्शंस (एफएंओ) ट्रेडिंग से दूर रखना और शेयर बाजार में स्थिर घरेलू पूंजी का प्रवाह बढ़ाना है। यदि यह योजना लागू होती है तो कर्मचारियों को हर महीने अलग से निवेश करने की चिंता नहीं रहेगी, बल्कि वेतन मिलने के साथ ही तय राशि स्वतः म्यूचुअल फंड में निवेश हो जाएगी। विशेषज्ञ इसे भारत में निवेश संस्कृति को नई दिशा देने वाला कदम मान रहे हैं। सेबी के परामर्श पत्र के अनुसार सूचीबद्ध कंपनियां और कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) से पंजीकृत नियोक्ता अपने कर्मचारियों की सैलरी से एक निश्चित राशि काटकर सीधे म्यूचुअल फंड योजनाओं में निवेश कर सकेंगे। कर्मचारी स्वयं यह तय करेंगे कि उन्हें किस फंड में और कितनी राशि निवेश करनी है। यह प्रक्रिया उसी प्रकार होगी जैसे कर्मचारी भविष्य निधि (पीएफ) या कर्मचारी राज्य बीमा (ईएसआई) के लिए वेतन से राशि काटी जाती है। अंतर केवल इतना होगा कि यह राशि कर्मचारी के चुने हुए म्यूचुअल फंड में निवेश होगी और उसकी यूनिट्स कर्मचारी के डीमैट खाते में जमा हो जाएंगी।

सफलता अगले स्तर पर ले जाने की कोशिश

एसआईपी की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह निवेश को नियमित और स्वचालित बनाती है। निवेशक को हर महीने अलग से निर्णय लेने की आवश्यकता नहीं होती। यही कारण है कि देश में **SIP** के माध्यम से हर महीने हजारों करोड़ रुपये का निवेश हो रहा है। पेरोल-लिंक्ड एसआईपी इस अवधारणा को और आगे बढ़ाता है। इसमें कर्मचारी को निवेश शुरू करने या हर महीने भुगतान की चिंता नहीं करनी होगी। वेतन जारी होते ही निर्धारित राशि निवेश हो जाएगी। इससे निवेश की निरंतरता बनी रहेगी और धन सृजन की प्रक्रिया स्वतः चलती रहेगी।

पहले बचत, फिर खर्च की आदत

अधिकांश लोग वेतन मिलने के बाद पहले खर्च करते हैं और बाद में बची राशि निवेश करने की सोचते हैं। कई बार महीने के अंत तक निवेश के लिए पैसा ही नहीं बचता। पेरोल एसआईपी इस समस्या का समाधान प्रस्तुत करता है। निवेश की राशि पहले ही कट जाएगी, जिससे बचत और निवेश को प्राथमिकता मिलेगी।

निवेश में अनुशासन

निवेश का सबसे कठिन हिस्सा नियमितता बनाए रखना होता है। नौकरी, घरेलू खर्च और अन्य जिम्मेदारियों के कारण लोग एसआईपी बंद कर देते हैं या किस्तें छोड़ देते हैं। पेरोल आधारित व्यवस्था निवेश को स्वचालित बनाकर इस समस्या को काफी हद तक समाप्त कर सकती है।

लंबी अवधि में बड़ा फंड

नियमित निवेश और चक्रवृद्धि (कंपाउंडिंग) का लाभ मिलकर समय के साथ बड़ी संपत्ति तैयार कर सकते हैं। यदि कोई कर्मचारी लंबे समय तक हर महीने छोटी राशि भी निवेश करता है तो वह भविष्य में बड़ा कोष तैयार कर सकता है। यही कारण है कि वित्तीय विशेषज्ञ लंबे समय तक **SIP** जारी रखने पर जोर देते हैं।

एफएंडओ ट्रेडिंग में नुकसान

हाल के वर्षों में फ्यूचर्स एंड ऑप्शंस ट्रेडिंग में खुदरा निवेशकों की भागीदारी तेजी से बढ़ी है। हालांकि आंकड़े बताते हैं कि अधिकांश निवेशकों को इसमें नुकसान उठाना पड़ रहा है। सेबी के अनुसार वित्त वर्ष 2025 में लगभग 91 प्रतिशत व्यक्तिगत डेरिवेटिव ट्रेडर्स को नुकसान हुआ और कुल नुकसान एक लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा।

घरेलू पूंजी को मजबूत करना

भारतीय शेयर बाजार में विदेशी निवेशकों की भूमिका महत्वपूर्ण रही है, लेकिन वैश्विक परिस्थितियों के कारण विदेशी निवेश में उतार-चढ़ाव आता रहता है। इसके विपरीत घरेलू संस्थागत निवेशक और SIP निवेश लगातार बाजार को सहारा देते हैं। पेरोल-लिंक्ड SIP के माध्यम से घरेलू निवेश का आधार और मजबूत हो सकता है।

व्यवहारिक मनोविज्ञान का उपयोग

इस प्रस्ताव की खास बात यह है कि यह लोगों की वित्तीय आदतों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। पहला, पैसा निवेश होने के बाद ही कर्मचारी के हाथ में पहुंचेगा, इसलिए उसे खर्च करने या जोखिमपूर्ण ट्रेडिंग में लगाने की संभावना कम होगी। दूसरा, अधिकांश लोग किसी डिफॉल्ट व्यवस्था को बदलना पसंद नहीं करते। यदि डिफॉल्ट विकल्प निवेश है तो लोग नियमित निवेश जारी रखेंगे। तीसरा, हर महीने बढ़ती निवेश राशि कर्मचारियों को अपने वित्तीय लक्ष्यों के प्रति अधिक जागरूक बनाएगी और उनमें निवेशक की सोच विकसित होगी।

योजना की सफलता के लिए क्या जरूरी है

विशेषज्ञों का मानना है कि म्यूचुअल फंड से निकासी की प्रक्रिया को और तेज बनाना होगा। वर्तमान में इक्विटी म्यूचुअल फंड से पैसा निकालने पर आमतौर पर एक से दो दिन का समय लगता है। जबकि बैंक फिक्स्ड डिपॉजिट तोड़ने पर राशि अपेक्षाकृत जल्दी मिल जाती है। यदि निवेशकों को जरूरत पड़ने पर जल्द पैसा उपलब्ध हो जाए तो उनका भरोसा बढ़ेगा और वे अधिक उत्साह से इस योजना में भाग लेंगे। डिजिटल भुगतान और यूपीआई के दौर में निवेशकों की अपेक्षा भी तेज और सुविधाजनक सेवाओं की है।

पैसों को लेकर अपनाएं सही आदतें, भविष्य होगा सुरक्षित

सुझाव
बिजनेस डेस्क

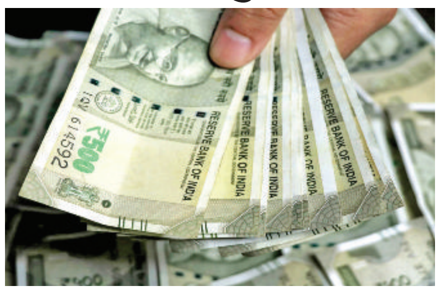

20 साल की उम्र जिंदगी का वह पड़ाव है, जब पहली नौकरी, अपनी कमाई और आर्थिक स्वतंत्रता का एहसास एक साथ मिलता है। यही वह समय भी होता है जब वित्तीय आदतों की नींव पड़ती है। यदि इस दौर में पैसों को लेकर सही फैसले लिए जाएं तो भविष्य आर्थिक रूप से सुरक्षित और मजबूत बन सकता है। वहीं कुछ सामान्य गलतियां लंबे समय में आर्थिक लक्ष्यों को प्रभावित कर सकती हैं। इसलिए जरूरी है कि कम उम्र से ही बचत, निवेश और खर्च के बीच संतुलन बनाना सीखा जाए। कमाई शुरू होने के बाद अक्सर युवा अपने जीवन स्तर को बेहतर बनाने में जुट जाते हैं। महंगे रेस्टोरेंट, ऑनलाइन शॉपिंग, छुट्टियां और नए गैजेट्स पर खर्च बढ़ जाता है। जीवन का आनंद लेना गलत नहीं है, लेकिन यदि आय बढ़ने के साथ बचत और निवेश नहीं बढ़ते तो भविष्य में आर्थिक चुनौतियां खड़ी हो सकती हैं। विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि हर वेतन वृद्धि का एक हिस्सा सीधे बचत या निवेश में लगाया जाए। इससे धीरे-धीरे मजबूत वित्तीय आधार तैयार होता है और बड़े लक्ष्यों को हासिल करना आसान हो जाता है।

जल्दी निवेश से बड़ा फायदा

निवेश की दुनिया में समय सबसे बड़ा साथी माना जाता है। कई युवा यह सोचकर निवेश टालते रहते हैं कि अभी उम्र कम है और बाद में शुरुआत कर लेंगे। लेकिन जितनी जल्दी निवेश शुरू किया जाता है, उतना अधिक फायदा चक्रवृद्धि यानी कंपाउंडिंग का मिलता है। छोटी-छोटी रकम का नियमित निवेश भी लंबे समय में बड़ा फंड तैयार कर सकता है। इसलिए पहली नौकरी के साथ ही निवेश की आदत विकसित करना भविष्य के लिए लाभदायक साबित हो सकता है।

क्रेडिट कार्ड का प्रयोग समझदारी से करें

क्रेडिट कार्ड सुविधा जरूर देता है, लेकिन इसे अतिरिक्त आय समझना बड़ी गलती हो सकती है। कई युवा जरूरत से ज्यादा खर्च कर लेते हैं और बाद में भुगतान करने में परेशानी का सामना करते हैं। समय पर भुगतान न होने पर भारी ब्याज देना पड़ सकता है, जिससे आर्थिक बोझ बढ़ जाता है। इसलिए क्रेडिट कार्ड का उपयोग केवल उतना ही करना चाहिए, जितना आसानी से चुकाया जा सके। जिम्मेदारी से इस्तेमाल करने पर यह अच्छा वित्तीय साधन साबित हो सकता है।

निवेश के उद्देश्य अलग-अलग हैं

कम उम्र में कई लोग ऐसे उत्पाद चुन लेते हैं जो बीमा और निवेश दोनों का दावा करते हैं। हालांकि वित्तीय विशेषज्ञों का मानना है कि बीमा का उद्देश्य सुरक्षा देना है, जबकि निवेश का उद्देश्य संपत्ति बनाना होता है। इसलिए पर्याप्त बीमा सुरक्षा के लिए अलग योजना और निवेश के लिए अलग विकल्प चुनना अधिक बेहतर माना जाता है। इससे दोनों लक्ष्यों को प्रभावी तरीके से पूरा किया जा सकता है।

इमरजेंसी फंड देता है आर्थिक सुरक्षा

जीवन में कब कोई अप्रत्याशित स्थिति आ जाए, इसका अनुमान लगाना मुश्किल है। नौकरी छूटना, अचानक स्वास्थ्य संबंधी खर्च या किसी अन्य आपात स्थिति में आर्थिक संकट पैदा हो सकता है। ऐसे समय में आपातकालीन फंड बड़ी राहत देता है। विशेषज्ञ कम से कम छह महीने के खर्च के बराबर राशि अलग रखने की सलाह देते हैं। यह फंड मुश्किल समय में कर्ज लेने की जरूरत को कम कर सकता है।

वित्तीय लक्ष्य तय करना भी है जरूरी

सिर्फ कमाना और निवेश करना ही पर्याप्त नहीं है। यह भी जरूरी है कि निवेश का उद्देश्य स्पष्ट हो। घर खरीदना, बच्चों की शिक्षा, व्यवसाय शुरू करना या रिटायरमेंट जैसे लक्ष्यों के लिए अलग-अलग योजना बनानी चाहिए। स्पष्ट लक्ष्य होने से सही निवेश विकल्प चुनने और वित्तीय अनुशासन बनाए रखने में मदद मिलती है। लक्ष्य आधारित निवेश लंबे समय में बेहतर परिणाम दे सकता है।

सही आदतें बनाती हैं मजबूत भविष्य

20 की उम्र में अपनाई गई अच्छी वित्तीय आदतें भविष्य की आर्थिक सफलता का आधार बनती हैं। नियमित बचत, समय पर निवेश, नियंत्रित खर्च, पर्याप्त बीमा और आपातकालीन फंड जैसी आदतें आर्थिक सुरक्षा को मजबूत करती हैं। युवावस्था में लिया गया हर समझदारी भरा वित्तीय फैसला आने वाले वर्षों में आर्थिक स्वतंत्रता और स्थिरता का मार्ग प्रशस्त कर सकता है। इसलिए आज बनाई गई अच्छी आदतें ही कल के सुरक्षित और समृद्ध भविष्य की नींव बनती हैं।

अब बिना सैलरी वाले भी ले सकते हैं किराए पर टैक्स छूट

- फ्रीलांसर, बिजनेसमैन और सेल्फ-एंप्लॉयड लोगों के लिए राहत
- एचआरए के बिना भी उपलब्ध है टैक्स छूट, जाने सेक्शन 80जीजी नियम
- छूट का दावा करने से पहले कुछ शर्तों को भी पूरा करना जरूरी
- छोटी-सी चूक पड़ सकती है भारी, इन सामान्य गलतियों से बचें

बचत मंत्र
बिजनेस डेस्क

आयकर रिटर्न (आईटीआर) दाखिल करने का मौसम शुरू हो चुका है और अधिकांश लोग टैक्स बचाने के विकल्प तलाश रहे हैं। आम धारणा यह है कि मकान किराए पर टैक्स छूट यानी हाउस रेंट अलाउंस (एचआरए) का लाभ केवल नौकरीपेशा लोगों को मिलता है, क्योंकि यह उनके वेतन पैकेज का हिस्सा होता है, लेकिन वास्तविकता इससे अलग है। यदि आप नौकरीपेशा नहीं हैं, फ्रीलांसर हैं, स्वरोजगार करते हैं, व्यवसायी हैं या आपकी कंपनी आपको एचआरए उपलब्ध नहीं कराती, तब भी आप घर के किराए पर टैक्स छूट का दावा कर सकते हैं। आयकर अधिनियम की धारा 80जीजी तथा नए आयकर कानून 2025 की धारा 134 के तहत ऐसे करदाताओं को किराए पर टैक्स राहत प्रदान की जाती है। हालांकि इसका लाभ लेने के लिए कुछ निर्धारित शर्तों का पालन करना आवश्यक है। साथ ही यह छूट केवल पुरानी कर व्यवस्था चुनने वाले करदाताओं को ही उपलब्ध होती है।

क्या है सेक्शन 80जीजी

सेक्शन 80जीजी उन लोगों के लिए बनाया गया है जिन्हें किसी भी रूप में एचआरए नहीं मिलता, लेकिन वे किराए के मकान में रहते हैं और नियमित रूप से किराया अदा करते हैं। यह प्रावधान विशेष रूप से फ्रीलांसर, डॉक्टर, वकील, चार्टर्ड अकाउंटेंट, छोटे व्यापारी, सलाहकार और अन्य स्वरोजगार से जुड़े लोगों के लिए उपयोगी साबित हो सकता है। हालांकि इस छूट का लाभ लेने के लिए कुछ महत्वपूर्ण शर्तें पूरी करनी होती हैं।

जरूरी पात्रता शर्तें

करदाता को नौकरी या व्यवसाय से किसी प्रकार का एचआरए प्राप्त नहीं होना चाहिए। वह वास्तव में किराए के मकान में रह रहा हो और किराया चुका रहा हो। जिस शहर में वह रहता या काम करता है, वहां उसके नाम, उसके जीवनसाथी, नाबालिग बच्चों या हिंदू अविभाजित परिवार (एचयूएफ) के नाम कोई आवासीय मकान नहीं होना चाहिए। आयकर रिटर्न दाखिल करने से पहले या उसके साथ ऑनलाइन फॉर्म 10बीए जमा करना अनिवार्य है। करदाता को पुरानी टैक्स व्यवस्था का चयन करना होगा। यदि इनमें से किसी भी शर्त का उल्लंघन होता है तो टैक्स विभाग छूट के दावे को अस्वीकार कर सकता है।

एचआरए और सेक्शन 80जीजी में अंतर

कई लोग एचआरए और सेक्शन 80जीजी को एक जैसा समझते हैं, जबकि दोनों में महत्वपूर्ण अंतर है।नौकरीपेशा कर्मचारियों को मिलने वाली एचआरए छूट उनके वेतन, शहर और वास्तविक किराए के आधार पर निर्धारित होती है। इसमें किसी निश्चित अधिकतम सीमा का प्रावधान नहीं है। इसलिए उच्च वेतन वाले कर्मचारियों को बड़ी टैक्स छूट मिल सकती है। वहीं, सेक्शन 80जीजी के तहत मिलने वाली छूट की एक निर्धारित अधिकतम सीमा है। चाहे कोई व्यक्ति सालभर में कितना भी अधिक किराया क्यों न चुका रहा हो, उसे एक निश्चित सीमा से अधिक टैक्स लाभ नहीं मिल सकता। वर्तमान नियमों के अनुसार सेक्शन 80जीजी के तहत अधिकतम 60,000 रुपये वार्षिक यानी 5,000 रुपये प्रतिमाह तक की ही छूट उपलब्ध है।

ऐसे होता है टैक्स छूट का कैलकुलेशन

धारा 80 जीजी के तहत मिलने वाली टैक्स छूट तीन अलग-अलग गणनाओं के आधार पर तय की जाती है। इनमें से जो राशि सबसे कम होती है, वही अंतिम डिडक्शन के रूप में स्वीकार की जाती है।

- **पहला फॉर्मूला** : 5,000 रुपये प्रति माह या 60,000 रुपये प्रति वर्ष
- **दूसरा फॉर्मूला** : समायोजित कुल आय का 25 प्रतिशत
- **तीसरा फॉर्मूला** : पूरे वर्ष में दिया गया वास्तविक किराया
- माइनस कुल आय का 10 प्रतिशत
- इन तीनों में जो सबसे कम राशि होगी, वही टैक्स छूट के रूप में मिलेगी।

पीपीएफ में निवेश का सही समय भी बढ़ा सकता है आपका रिटर्न

छोटी-सी सावधानी बरतने से ही मिल जाएगा बड़ा फायदा

जानकारी
बिजनेस डेस्क

पब्लिक प्रोविडेंट फंड (पीपीएफ) देश की सबसे भरोसेमंद और लोकप्रिय बचत योजनाओं में से एक है। सरकारी गारंटी, टैक्स छूट और लंबी अवधि में स्थिर रिटर्न के कारण यह निवेशकों की पहली पसंद बना हुआ है। अधिकांश लोग इसे केवल टैक्स बचाने का साधन मानते हैं, लेकिन सही रणनीति अपनाकर इससे बेहतर रिटर्न भी हासिल किया जा सकता है। खास बात यह है कि पीपीएफ में केवल निवेश की राशि ही नहीं, बल्कि निवेश की तारीख भी आपके रिटर्न को प्रभावित करती है। यदि निवेशक हर महीने सही समय पर पैसा जमा करें तो उन्हें अतिरिक्त ब्याज का लाभ मिल सकता है, जो लंबे समय में बड़ी रकम में बदल सकता है।

हर महीने 5 तारीख क्यों मानी जाती है महत्वपूर्ण

पीपीएफ खाते में ब्याज की गणना एक खास नियम के तहत की जाती है। प्रत्येक महीने की 5 तारीख और महीने के अंतिम दिन के बीच खाते में मौजूद न्यूनतम बैलेंस पर ब्याज तय किया जाता है। इसका मतलब है कि यदि कोई निवेशक किसी महीने की 5 तारीख या उससे पहले पैसा जमा करता है, तो उस रकम पर उसी महीने से ब्याज मिलना शुरू हो जाता है। इसके विपरीत यदि पैसा 5 तारीख के बाद जमा किया जाता है, तो उस पर ब्याज अगले महीने से लागू होता है। देखने में यह अंतर छोटा लग सकता है, लेकिन 15 वर्षों जैसी लंबी अवधि में यही अतिरिक्त ब्याज निवेशक की कुल संपत्ति को काफी बढ़ा सकता है।

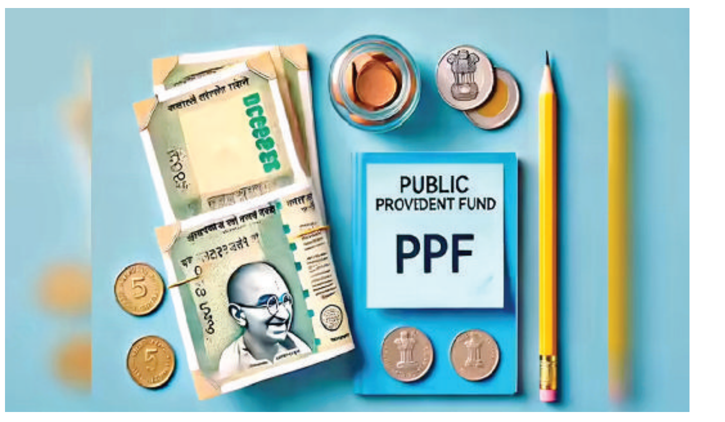

नियमित निवेश के साथ बढ़ता है कंपाउंडिंग का फायदा

पीपीएफ की सबसे बड़ी ताकत कंपाउंडिंग यानी चक्रवृद्धि ब्याज है। निवेश पर मिलने वाला ब्याज भी आगे चलकर ब्याज कमाने लगता है। यही कारण है कि लंबे समय तक नियमित निवेश करने वाले निवेशकों को बड़ा लाभ मिलता है। यदि निवेशक हर महीने की 5 तारीख से पहले निर्धारित राशि जमा करते हैं तो उनके खाते में अधिक समय तक ब्याज जुड़ता रहता है। इससे मैच्योरिटी के समय मिलने वाली राशि में सकारात्मक अंतर देखने को मिलता है।

अप्रैल में निवेश करने वालों को अतिरिक्त लाभ

पीपीएफ में एक वित्त वर्ष के दौरान अधिकतम 1.5 लाख रुपये तक निवेश किया जा सकता है। जिन निवेशकों के पास पर्याप्त धन उपलब्ध है, वे वित्त वर्ष की शुरुआत यानी अप्रैल में ही पूरी राशि जमा कर सकते हैं। ऐसा करने पर पूरी रकम पूरे वर्ष के लिए ब्याज अर्जित करती है, जिससे कुल रिटर्न बढ़ जाता है। हालांकि अधिकांश वेतनभोगी निवेशकों के लिए एकमुश्त निवेश करना संभव नहीं होता। ऐसे में मासिक निवेश एक बेहतर विकल्प माना जाता है।

निवेशक अक्सर कर बैठते हैं ये सामान्य गलतियां

वित्तीय विशेषज्ञों के अनुसार कई निवेशक कुछ छोटी-छोटी गलतियों के कारण पीपीएफ का पूरा लाभ नहीं उठा पाते। सबसे आम गलती 5 तारीख के बाद पैसा जमा करना है। इससे उस महीने का ब्याज नहीं मिल पाता और लंबे समय में रिटर्न प्रभावित होता है। इसके अलावा कुछ निवेशक सालाना न्यूनतम निवेश की शर्त भूल जाते हैं। पीपीएफ खाते को सक्रिय बनाए रखने के लिए हर वित्त वर्ष में कम से कम 500 रुपये जमा करना जरूरी होता है। वहीं कई लोगों को यह भ्रम रहता है कि पीपीएफ की ब्याज दर 15 वर्षों तक एक जैसी बनी रहती है, जबकि ऐसा नहीं है।

ब्याज दरों में समय-समय पर हो सकता है बदलाव

वर्तमान में पीपीएफ पर 7.1 प्रतिशत वार्षिक ब्याज मिल रहा है। हालांकि यह दर स्थायी नहीं होती। केंद्र सरकार हर तिमाही इसकी समीक्षा करती है और आर्थिक परिस्थितियों के अनुसार इसमें बदलाव कर सकती है। इसलिए निवेशकों को यह समझना चाहिए कि भविष्य में मिलने वाला वास्तविक रिटर्न ब्याज दरों में होने वाले संभावित बदलावों पर भी निर्भर करेगा। फिर भी सरकारी सुरक्षा और टैक्स लाभ के कारण पीपीएफ को कम जोखिम वाला निवेश विकल्प माना जाता है।

15 वर्षों में कितना फंड बनेगा

यदि कोई निवेशक 15 वर्षों तक हर महीने 5,000 रुपये का निवेश करता है, तो मौजूदा ब्याज दरों के आधार पर मैच्योरिटी पर उसके पास लगभग 15 से 16 लाख रुपये का टैक्स फ्री फंड तैयार हो सकता है। वहीं यदि मासिक निवेश 10,000 रुपये हो, तो यह राशि 30 लाख रुपये से अधिक तक पहुंच सकती है। जो निवेशक हर वर्ष अधिकतम 1.5 लाख रुपये की सीमा तक निवेश करते हैं, उनके लिए 15 वर्षों में 40 लाख रुपये से अधिक का कोष तैयार होने की संभावना रहती है। हालांकि वास्तविक राशि उस दौरान लागू ब्याज दरों पर निर्भर करेगी।

जारी रख सकते हैं निवेश

पीपीएफ की एक महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि 15 वर्षों की मूल अवधि पूरी होने के बाद भी खाता बंद करना अनिवार्य नहीं है। निवेशक इसे पांच-पांच वर्षों के ब्लॉक में आगे बढ़ा सकते हैं। वे चाहें तो नए निवेश के साथ खाते को जारी रख सकते हैं या बिना अतिरिक्त निवेश के भी जमा राशि पर ब्याज प्राप्त करते रह सकते हैं। इससे कंपाउंडिंग का लाभ और अधिक समय तक मिलता रहता है तथा रिटायरमेंट जैसी दीर्घकालिक जरूरतों के लिए बड़ा कोष तैयार किया जा सकता है।

सुरक्षित और भरोसेमंद विकल्प

म्यूचुअल फंड, शेयर बाजार और कई अन्य निवेश विकल्प उपलब्ध हैं। इनमें अधिक रिटर्न की संभावना होती है, लेकिन जोखिम भी अधिक होता है। इसके विपरीत पीपीएफ बाजार की अस्थिरता से प्रभावित नहीं होता और सरकारी गारंटी के साथ सुरक्षित निवेश का अवसर प्रदान करता है। साथ ही इसमें निवेश की गई राशि, अर्जित ब्याज और मैच्योरिटी पर मिलने वाली रकम तीनों टैक्स फ्री होती हैं।

गलत एसेट एलोकेशन और जल्दबाजी से बिगड़ती है निवेश की रणनीति

एसआईपी में पैसा लगाने के बाद भी क्यों नहीं बन पाती दौलत?

अक्सर ये गलतियां कर बैठते हैं निवेशक

बिजनेस डेस्क

देश में म्यूचुअल फंड और एसआईपी निवेश तेजी से बढ़ रहा है। हर महीने लाखों लोग भविष्य की आर्थिक सुरक्षा और बड़ा फंड बनाने के उद्देश्य से एसआईपी शुरू कर रहे हैं। आंकड़े बताते हैं कि मार्च 2026 में एसआईपी के जरिए निवेश 32 हजार करोड़ रुपये के पार पहुंच गया, जो पिछले साल की तुलना में काफी ज्यादा है। इसके बावजूद कई निवेशक लंबे समय तक निवेश करने के बाद भी उम्मीद के मुताबिक संपत्ति नहीं बना पाते। इसकी सबसे बड़ी वजह गलत एसेट एलोकेशन यानी निवेश का सही बंटवारा न होना है। अधिकतर लोग "सबसे अच्छा फंड" चुनने में समय लगाते हैं, लेकिन यह तय नहीं करते कि पैसा इक्विटी, डेट, गोल्ड या लिक्विड फंड में कितना बांटना चाहिए। विशेषज्ञों का कहना है कि केवल अच्छा फंड चुनना काफी नहीं होता, बल्कि सही एसेट एलोकेशन ही लंबे समय में संपत्ति बनाने की असली कुंजी है।

क्या होता है एसेट एलोकेशन?

एसेट एलोकेशन का मतलब है अपने निवेश को अलग-अलग एसेट क्लास में बांटना। इसमें इक्विटी म्यूचुअल फंड, डेट फंड, गोल्ड, लिक्विड फंड और इंटरनेशनल निवेश शामिल हो सकते हैं।

गलती नंबर 1 : जोखिम उठाने की क्षमता और इच्छा में भ्रम

कई निवेशक सोचते हैं कि वे ज्यादा जोखिम उठा सकते हैं, इसलिए पूरा पैसा इक्विटी में लगा देते हैं। लेकिन बाजार गिरते ही घबरा कर निवेश निकाल लेते हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक जोखिम उठाने की इच्छा और वास्तविक वित्तीय क्षमता अलग-अलग चीजें हैं। यदि किसी व्यक्ति पर होम लोन, परिवार की जिम्मेदारी या नौकरी की अनिश्चितता है तो उसके लिए 100 प्रतिशत इक्विटी निवेश सही नहीं माना जाता। बाजार में बड़ी गिरावट आने पर ऐसे निवेशक अक्सर नुकसान में पैसा निकाल लेते हैं।

गलती नंबर 2 : डेट फंड को पूरी तरह नजरअंदाज करना

आजकल अधिकतर निवेशक केवल इक्विटी एसआईपी पर फोकस कर रहे हैं। डेट फंड को कई लोग बेकार समझते हैं। जबकि विशेषज्ञों का कहना है कि डेट निवेश पोर्टफोलियो का "शॉक एब्जॉर्बर" होता है। जब बाजार गिरता है तो डेट फंड पोर्टफोलियो को स्थिर रखने में मदद करते हैं। साथ ही निवेशकों को कम कीमत पर इक्विटी खरीदने का मौका भी मिलता है। यदि पूरा पैसा इक्विटी में हो तो बाजार गिरावट के समय नुकसान ज्यादा दिखाई देता है और निवेशक घबरा सकते हैं।

गलती नंबर 3 : हालिया टॉप परफॉर्मर फंड के पीछे भागना

कई निवेशक हर साल सबसे ज्यादा रिटर्न देने वाले फंड में पैसा डालने लगते हैं। इससे उनका मूल एसेट एलोकेशन बिगड़ जाता है। उदाहरण के तौर पर यदि किसी निवेशक ने शुरुआत में 70:30 का इक्विटी-डेट अनुपात तय किया था, लेकिन बाद में केवल तेजी वाले इक्विटी फंड में निवेश करता रहा, तो धीरे-धीरे उसका पोर्टफोलियो 90:10 बन सकता है। यह असंतुलन भविष्य में बड़ा जोखिम पैदा कर सकता है।

गलती नंबर 4 : जरूरत से ज्यादा फंड खरीद लेना

कुछ लोग मानते हैं कि ज्यादा फंड लेने से जोखिम कम हो जाएगा। इसी सोच में वे 10-12 इक्विटी फंड खरीद लेते हैं, लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि कई फंड्स में एक जैसे शेयर होते हैं। यानी निवेशक अलग-अलग फंड लेकर भी वही कंपनियां खरीद रहे होते हैं। इससे पोर्टफोलियो जटिल हो जाता है और ट्रैक करना मुश्किल हो जाता है। असली विविधता अलग-अलग एसेट क्लास में निवेश से आती है, न कि बहुत सारे फंड रखने से।

गलती नंबर 5 : लिक्विडिटी को नजरअंदाज करना

अधिकतर निवेशक अपना पूरा पैसा लंबी अवधि के निवेश में लगा देते हैं। लेकिन आपात स्थिति में तुरंत नकदी की जरूरत पड़ सकती है। यदि मेडिकल इमरजेंसी, नौकरी छूटने या किसी पारिवारिक जरूरत के समय पैसा उपलब्ध न हो, तो निवेशक मजबूरी में बाजार गिरावट के दौरान इक्विटी बेच देते हैं। इससे बड़ा नुकसान हो सकता है। विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि पोर्टफोलियो का कुछ हिस्सा हमेशा लिक्विड फंड या इमरजेंसी फंड में रखना चाहिए।

गलती नंबर 6 : समय-समय पर पोर्टफोलियो की समीक्षा न करना

कई लोग एक बार एसआईपी शुरू करने के बाद वर्षों तक पोर्टफोलियो की समीक्षा नहीं करते। जबकि उम्र और जिम्मेदारियों के साथ निवेश रणनीति भी बदलनी चाहिए। शादी, बच्चों की पढ़ाई, घर खरीदना या रिटायरमेंट जैसे बड़े जीवन बदलावों के अनुसार एसेट एलोकेशन बदलना जरूरी होता है। विशेषज्ञों के मुताबिक साल में कम से कम एक बार पोर्टफोलियो की समीक्षा और रीबैलेंसिंग करनी चाहिए।

सही एसेट एलोकेशन जरूरी

विशेषज्ञों का मानना है कि लंबे समय में निवेश का परिणाम केवल अच्छे फंड चुनने पर निर्भर नहीं करता। असली फर्क सही एसेट एलोकेशन बनाता है। एक संतुलित पोर्टफोलियो बाजार की गिरावट में भी स्थिर रहता है और निवेशक को घबराने से बचाता है। वहीं गलत एसेट एलोकेशन वाला पोर्टफोलियो तेजी के समय अच्छा दिख सकता है, लेकिन गिरावट में भारी नुकसान दे सकता है।

अनुशासन और संतुलन ही सफलता का मंत्र

एसआईपी के जरिए संपत्ति बनाने के लिए केवल नियमित निवेश काफी नहीं है। निवेशकों को अपने लक्ष्य, जोखिम क्षमता और जरूरतों के अनुसार सही एसेट एलोकेशन बनाना चाहिए। विशेषज्ञों का कहना है कि सफल निवेशक वही होते हैं जो बाजार की चमक-दमक से प्रभावित हुए बिना अनुशासन बनाए रखते हैं।

KARNATAKA POWER CORPORATION LIMITED

(A Government of Karnataka Enterprise)

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि भारत सरकार के कोयला मंत्रालय द्वारा कर्नाटक पॉवर कारपोरेशन लिमिटेड (कर्नाटक सरकार का उपक्रम) KPCL को छत्तीसगढ़ राज्य के रायगढ़ जिले के धरमजयगढ़ तहसील में आबंटित दुर्गापुर II, सरया/ तराईमार कोयला ब्लॉक में स्थित सात ग्रामों यथा तराईमार, मेडरमार, बयासी, बयासी कॉलोनी, धरमजयगढ़, धरमजयगढ़ कॉलोनी एवं रुपुंगा की समाहित कुल 1610.75 Ha भूमि का अधिग्रहण कोल बेरिंग एक्ट (CBA), 1957 के अंतर्गत किया जा रहा है।

इसी तारतम्य में केंद्र शासन के कोयला मंत्रालय द्वारा भारत सरकार के राजपत्र में धारा-7 अधिसूचना का प्रकाशन (हिंदी एवं अंग्रेजी) में किया गया है, जिसे समाचार पत्र के माध्यम से प्रकाशित कर समस्त जन को सूचित किया जा रहा हैं।

KPCL

रजिस्ट्री सं. डी.एल.- 33004/99 REGD. No. D. L.-33004/99

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

सी.जी.-डी.एल.-अ.-22052026-272796
CG-DL-E-22052026-272796

असाधारण
EXTRAORDINARY
भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii) PART II—Section 3—Sub-section (ii)
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 2468] नई दिल्ली, मंगलवार, मई 19, 2026/ वैशाख 29, 1948
No. 2468] NEW DELHI, TUESDAY, MAY 19, 2026/VAISAKHA 29, 1948

कोयला मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 18 मई, 2026

का.आ. 2560(अ.) :- केन्द्रीय सरकार ने कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 4 की उप-धारा (1) के अधीन भारत सरकार ने कोयला मंत्रालय द्वारा जारी की गई अधिसूचना संखयांक का. आ. 123(अ), तारीख 08 जनवरी, 2026, जो भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग 2, खण्ड 3, उपखण्ड (ii), तारीख 30 सितंबर , 2024 में प्रकाशित की गई थी, उक्त अधिसूचना से उपाबदध् अनुसूची में विनिर्दिष्ट परिक्षेत्र की भूमि में जिसका माप 1610.75 हेक्टेयर (लगभग) या 3980.2438 एकड़ (लगभग) है, कोयले का पूर्वेक्षण करने के अपने आशय की सूचना दी थी;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि इस अधिसूचना से उपाबदध् अनुसूची में विनिर्दिष्ट की गई उक्त भूमि के किसी भाग में कोयला अभिप्राप्त है;

अतः अब केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 7 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये केन्द्रीय सरकार इससे संलग्न अनुसूची में वर्णित 1610.75 हेक्टेयर (लगभग) या **3980.2438** एकड़ (लगभग) भूमि और इसके साथ संलग्न अनुसूची में वर्णित उक्त भूमि के भीतर या उस पर के सभी अधिकार के अर्जन करने के अपने आशय की सूचना देती है।

टिप्पण 1: इस अधिसूचना के अधीन आने वाले क्षेत्र के रेखांक संख्या **केपीसीएल/ डीजीआर-II/2025-26/02**, तारीख **26 जनवरी 2026**, का **निरीक्षण उपायुक्त/ जिला कलेक्टर , जिला- रायगढ़ (छत्तीसगढ़)** के कार्यालय में कोयला नियंत्रक, कोयला नियंत्रक का संगठन, कोयला मंत्रालय, स्कोप मीनार, 5th फ्लोर, कोर II, लक्ष्मी नगर, दिल्ली 110092 के कार्यालय में या **मुख्य इंजीनियर — माईन्स, कर्नाटक पावर कार्पोरेशन लिमिटेड (कर्नाटक सरकार का उपक्रम), नंबर 82, शक्ति भवन, रेस कोर्स रोड़, बेंगलुरु- 560001** के कार्यालय में किया जा सकता है।

टिप्पण 2: उपरोक्त अधिनियम की उपधारा 8 के उपबंधों की ओर ध्यान आकृष्ट किया जाता है, जिसमें निम्नलिखित उपबंध है:

"8 . **अर्जन की बाबत् आपत्तियां- (1) कोई व्यक्ति जो किसी भूमि में, जिसकी बाबत् धारा 7 के अधीन अधिसूचना जारी की गई है, हितबद्ध है, अधिसूचना के जारी किए जाने से तीस दिन के भीतर सम्पूर्ण भूमि या उसके किसी भाग या ऐसी भूमि में या उस पर के किन्हीं अधिकारों का अर्जन किये जाने के बारे में आपत्ति कर सकेगा।**

स्पष्टीकरण: इस धारा के अधीन यह आपत्ति नही मानी जाएगी, कि कोई व्यक्ति किसी भूमि में कोयला उत्पादन के लिए स्वयं खनन संक्रियाएं करना चाहता है और ऐसी संक्रियाएं केन्द्रीय सरकार या किसी अन्य व्यक्ति को नहीं करनी चाहिए।

(2) उपधारा (1) के अधीन प्रत्येक आपत्ति सक्षम अधिकारी को लिखित रूप में की जाएगी और सक्षम अधिकारी, आपत्तिकर्ता को स्वयं सुने जाने या किसी विधि व्यवसायी द्वारा सुनवाई का अवसर देगा और ऐसी सभी आपत्तियों को सुनने के पश्चात् और ऐसी अतिरिक्त जांच, यदि कोई हो, करने के पश्चात् जो वह आवश्यक समझता है, वह या तो धारा 7 की उपधारा (1) के अधीन अधिसूचित भूमि के या ऐसी भूमि में या उस पर के अधिकारों के संबंध में एक रिपोर्ट या ऐसी भूमि के विभिन्न टुकड़ों या ऐसी भूमि में या उस पर के अधिकारों के संबंध में आपत्तियों पर अपनी सिफारिशों और उसके द्वारा की गई कार्यवाही के अभिलेख सहित विभिन्न रिपोर्ट केन्द्रीय सरकार को उसके विनिश्चय के लिए देगा।

(3) इस धारा के प्रयोजनों के लिए वह व्यक्ति किसी भूमि में हितबद्ध समझा जाएगा जो प्रतिकर में किसी हित का दावा करने का हकदार हो, यदि भूमि या किसी ऐसी भूमि में या उस पर के अधिकार इस अधिनियम के अधीन अर्जित कर लिए जाते हैं।

टिप्पण 3: केन्द्रीय सरकार ने कोयला नियंत्रक, कोयला नियंत्रक का संगठन, कोयला मंत्रालय, स्कोप मीनार, 5th फ्लोर, कोर II, लक्ष्मी नगर, दिल्ली 110092 को केन्द्रीय सरकार द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 3 के अधीन अधिसूचना सं. का. आ. 5562 (अ) **02 दिसम्बर 2025** जो भारत के राजपत्र के भाग II खण्ड 3, उप-खण्ड (ii) में प्रकाशित की गई थी, द्वारा सक्षम प्रधिकारी नियुक्त किया गया है।

अनुसूची
अन्य
रायगढ़

दुर्गापुर-II/तराईमार और दुर्गापुर-II / सरिया कोयला ब्लॉक
दुर्गापुर-II/तराईमार और दुर्गापुर-II / सरिया कोयला ब्लॉक

[रेखांक धारक संख्या केपीसीएल/ डीजीआर-II/2025-26/02, तारीख 26 जनवरी 2026]

A. दुर्गापुर-II/सरिया कोयला ब्लॉक, जिला रायगढ़, छत्तीसगढ राज्य का भूमि का प्रकार वार विवरण

क्रम संख्या	गांव का नाम	तहसील	वन क्षेत्रफल		जीएम क्षेत्रफल		रैयती क्षेत्रफल		कुल क्षेत्रफल	
			(हेक्टेयर)	एकड़	(हेक्टेयर)	एकड़	(हेक्टेयर)	एकड़	(हेक्टेयर)	एकड़
1	तराईमार	धर्मजयगढ़	14.783	36.52	2.523	6.23	17.468	43.16	34.774	85.92
2	बयासी	धर्मजयगढ़	52.40	129.48	0	0	0	0	52.40	129.48
3	मेडारमार	धर्मजयगढ़	47.24	116.73	1.336	3.30	24.337	60.13	72.913	180.17
4	धर्मजयगढ़	धर्मजयगढ़	115.143	284.52	0	0	23.15	57.20	138.293	341.72
5	धर्मजयगढ़ कॉलोनी	धर्मजयगढ़	0	0	6.239	15.41	100.764	248.90	107.003	264.40
6	बयासी कॉलोनी	धर्मजयगढ़	0	0	3.899	9.63	70.635	174.50	74.534	184.17
7	संरक्षित वन भूमि	धर्मजयगढ़	60.833	150.32	0	0	0	0	60.833	150.32
कुल क्षेत्रफल हेक्टेयर			**290.39**	**717.59**	**13.997**	**34.58**	**236.35**	**584.04**	**540.750**	**1336.22**

दुर्गापुर-II/सरिया कोयला ब्लॉक, जिला- रायगढ़, छत्तीसगढ राज्य का भूमि का विवरण

क्रम संख्या	गांव का नाम	थाना संख्या	अंचल का नाम	जिले का नाम	कुल क्षेत्रफल (हेक्टेयर)	टिप्पणी
1	तराईमार	33	धर्मजयगढ़	रायगढ़	34.774	कुल अधिकार
2	बयासी	36	धर्मजयगढ़	रायगढ़	52.40	कुल आधिकार
3	मेडारमार	36	धर्मजयगढ़	रायगढ़	72.913	कुल अधिकार
4	धर्मजयगढ़	56	धर्मजयगढ़	रायगढ़	138.293	कुल अधिकार
5	धर्मजयगढ़ कॉलोनी	33	धर्मजयगढ़	रायगढ़	107.003	कुल अधिकार
6	बयासी कॉलोनी	36	धर्मजयगढ़	रायगढ़	74.534	कुल अधिकार
7	संरक्षित वनभूमि		धर्मजयगढ़	रायगढ़	60.833	कुल अधिकार

कुल क्षेत्रफल 540.75 हेक्टेयर (लगभग) या 1336.22 एकड़ (लगभग)

B. दुर्गापुर -II / तराईमार कोयला ब्लॉक, ज़िला- रायगढ़, छत्तीसगढ राज्य का भूमि का प्रकारवार विवरण

क्रम संख्या	गांव का नाम	तहसील	वन क्षेत्रफल		जीएम क्षेत्रफल		रैयती क्षेत्रफल		कुल क्षेत्रफल	
			(हेक्टेयर)	एकड़	(हेक्टेयर)	एकड़	(हेक्टेयर)	एकड़	(हेक्टेयर)	एकड़
1	तराईमार	धर्मजयगढ़	47.484	117.33	11.913	29.43	84.445	208.66	143.842	355.44
2	बयासी	धर्मजयगढ़	306.844	758.22	13.840	34.19	212.723	525.64	533.407	1318.0
3	बयासी कॉलोनी	धर्मजयगढ़	0.00	0.00	49.869	123.22	249.868	617.43	299.737	740.66
4	धर्मजयगढ़ कॉलोनी	धर्मजयगढ़	0.00	0.00	29.143	72.01	53.143	131.31	82.286	203.33
5	रूपुंगा	धर्मजयगढ़	10.728	26.50	0.00	0.00	0.00	0.00	10.728	26.50
कुल क्षेत्रफल (हेक्टेयर)			**365.056**	**902.07**	**104.765**	**258.87**	**600.179**	**1483.0**	**1070.00**	**2644.02**

दुर्गापुर -II/ तराईमार कोयला ब्लॉक, ज़िला- रायगढ़, छत्तीसगढ राज्य का भूमि का विवरण

क्रम संख्या	गांव का नाम	थाना संख्या	अंचल का नाम	जिले का नाम	कुल क्षेत्रफल (हेक्टेयर)	टिप्पणी
1	तराईमार	33	धर्मजयगढ़	रायगढ़	143.842	कुल अधिकार
2	बयासी	36	धर्मजयगढ़	रायगढ़	533.407	कुल अधिकार
3	बयासी कॉलोनी	36	धर्मजयगढ़	रायगढ़	299.737	कुल अधिकार
4	धर्मजयगढ़ कॉलोनी	33	धर्मजयगढ़	रायगढ़	82.286	कुल अधिकार
5	रूपुंगा	10	धर्मजयगढ़	रायगढ़	10.728	कुल अधिकार

कुल क्षेत्रफल 1070.00 हेक्टेयर (लगभग) या 2644.02 एकड़ (लगभग)

कुल क्षेत्रफल: दुर्गापुर -II सरिया / दुर्गापुर -II तराईमार कोयला खदान ब्लॉक की सीमा (लगभग)1610.75 हेक्टेयर या 3980.2438 एकड़

प्राप्त किए जाने वाले भूखंड क्रम संख्या:

ब्लॉक का नाम	गांव का नाम	भूखंड संख्या
दुर्गापुर -II/ तराईमार और दुर्गापुर -II/ सरिया कोयला ब्लॉक	बैसी कॉलोनी	1/1, 1/2, 2/1, 2/2, 2/3, 3, 4, 7/1, 7/3, 8/1, 8/2, 9, 10, 11/1, 11/2, 12/1, 12/2, 13/1, 13/2, 13/3, 14, 17, 18/1, 18/2, 19/1, 20, 21/1, 21/2, 21/3, 23, 26, 27, 28/1, 29/1, 29/3, 30/1, 30/2, 30/3, 31/1, 31/3, 33/2, 34, 37, 38, 39, 40, 41, 43, 44/1, 46, 47, 49/1, 49/2, 50, 52, 53/1, 53/2, 53/3, 53/4, 54/1, 54/2, 54/3, 55, 56, 57, 58/1, 58/2, 61, 62, 63/1, 63/2, 66, 67, 68, 70, 71, 72, 73, 74, 76/1, 76/2, 76/3, 78, 79, 80, 81/1, 81/2, 84, 85/1, 85/2, 86/1, 86/2, 87/1, 87/2, 87/3, 88/1, 88/2, 89/1, 89/2, 89/3, 91, 92, 93/1, 93/2, 95/1, 95/2, 95/3, 96/1, 96/2, 96/3, 96/4, 98, 99/1, 99/2, 99/3, 101, 102, 103, 104, 105, 106/1, 106/2, 107/1, 107/2, 107/3, 107/4, 108/1, 108/2, 109/1, 109/2, 111, 114/1, 114/2, 114/3, 116/1, 116/2, 116/3, 118, 120, 121, 122, 123, 124/1, 124/2, 125, 127/1, 127/2, 127/3, 127/4, 127/5, 127/7, 127/8, 127/9, 127/10, 128/1, 128/2, 128/3, 129, 130, 131, 132, 134, 135/1, 135/2, 135/4, 135/5, 136/1, 136/2, 137, 138, 139/1, 139/2, 141, 157/2, 158/2, 160/2, 161/1, 161/2, 161/3, 161/4, 162, 163/1, 165/1, 165/2, 166/1, 166/2, 167/1, 167/2, 169, 170/1, 170/2, 183/1, 183/2, 185/1, 185/2, 203, 208/1, 208/2, 208/3, 208/4, 208/5, 208/6, 208/7, 208/8, 309, 310/2, 310/4, 313/1, 313/2, 313/3, 314, 315, 316, 317, 318, 319/1, 319/2, 320/1, 320/2, 320/3, 320/4, 320/5, 15/1, 15/2, 19/2, 19/3, 24, 25, 28/2, 31/2, 32, 33/1, 35, 36, 42, 44/2, 48/1, 48/2, 48/3, 51, 69, 82, 83, 90, 94, 110, 113, 115, 117, 128, 159, 163/2, 308, 401, 402, 403/1, 164/1, 176, 180/1, 180/2, 180/3, 180/4, 181, 182/1, 182/2, 182/3, 183/1, 184, 185/1, 189, 190/1, 190/2, 191/1, 191/2, 191/3, 192, 193/1, 194/1, 194/2, 195/1, 196/1, 196/2, 197, 198, 199, 200, 203, 204, 205/1, 205/2, 207, 209, 210, 211, 212, 213, 214, 215/1, 216/2, 217, 218/1, 218/2, 220, 223, 224/1, 224/2, 241/1, 241/2, 242/1, 242/2, 242/3, 244/1, 244/2, 245/1, 245/2, 246/1, 246/2, 247, 248, 249, 251, 252/1, 252/2, 252/3, 252/4, 252/5, 253/1, 254/1, 254/2, 254/3, 255/1, 255/2, 257, 258, 259/1, 259/2, 259/3, 259/4, 261/1, 261/2, 261/3, 262, 264, 265/1, 265/2, 266, 267, 269/1, 269/2, 270, 271/1, 273/1, 273/2, 274, 275/1, 276/1, 276/2, 276/3, 278/1, 279/1, 280, 281/1, 282, 283/1, 283/2, 283/3, 284, 285, 286, 287/1, 287/2, 287/3, 290, 291, 292, 296/1, 296/2, 296/3, 296/4, 297, 298, 300/1, 300/2, 301/1, 301/2, 301/3, 301/4, 302/1, 302/2, 302/3, 303/1, 303/2, 303/3, 304/1, 304/2, 304/3, 304/4, 305/1, 305/2, 306/1, 310/1, 310/3, 310/5, 311, 164/2, 168, 183/2, 185/2, 193/2, 195/2, 221, 222, 240, 250, 256, 260, 271/2, 275/2, 278/2, 281/2, 288, 289, 299, 306/2, 307, 312
दुर्गापुर -II/ तराईमार और दुर्गापुर -II/ सरिया कोयला ब्लॉक	बैसी गांव	1/1, 1/2, 1/3, 2, 3, 4, 5, 6/1, 6/2, 6/3, 6/4, 6/5, 6/6, 6/7, 6/8, 6/9, 6/10, 6/11, 6/12, 7, 8/1, 8/2/K, 8/2/KH, 8/2/GA, 9/1, 9/2, 10/1/K, 10/1/KH, 10/1/GA, 10/1/GH, 10/2, 10/3, 10/4, 11/1/K, 11/1/KH, 11/2, 12/1, 12/2, 13/1, 13/2, 14/1, 14/2, 15, 16, 17, 18/1, 18/2, 19/1, 19/2, 19/3, 19/4, 20/1, 20/2, 21/1, 21/2, 22/1/K, 22/1/KH/1, 22/1/KH/2, 22/2, 23, 24, 25/1, 25/2, 25/3, 26/1, 26/2, 27/1, 27/2, 27/3, 27/4, 28, 29/1, 29/2, 29/3, 29/4, 29/5, 30, 31/1, 31/2, 32/1, 32/2, 32/3, 32/4, 33/1, 33/2, 34/1, 34/2, 35, 36/1, 36/2, 36/3, 37/1, 37/2, 37/3, 37/4, 38/1, 38/2, 38/3, 39/1, 39/2, 39/3, 40/1, 40/ 2, 41, 42, 43/1, 43/2, 44, 45, 46, 47, 48/1/ka, 48/1/kh, 48/2, 49/1/ka, 49/1/kh, 49/3, 50, 51/1, 51/2, 52, 53, 54/1, 54/2, 54/3, 55, 56, 57, 58, 59, 60, 61, 62, 63, 64, 65, 66, 67, 68, 69/1, 69/2, 70, 71/1, 71/2, 72, 73/1, 73/2/ka, 73/2/kh, 74/1, 74/2, 75, 76/1, 76/2, 77/1/ka, 77/1/kh, 77/2, 78, 79, 80/1/K/2, 80/1/K/3, 80/1/K/4, 80/1/K/5, 80/1/ka/6, 80/1/Ka/7, 80/1/ka/8, 80/1/ka/9, 80/1/ka/10, 80/1/K/11, 80/1/K/13, 80/1/K/14, 80/1/K/15, 80/1/ka/16, 80/1/ka/17, 80/1/ka/18, 80/1/ka/19, 80/1/ka/20, 80/1/ka/21, 80/1/ka/22, 80/1/ka/23, 80/1/K/24, 80/1/ka/25, 80/1/K/26, 80/1/KH, 80/1/GA, 80/1/GH, 80/2, 80/3, 80/4, 80/5/K, 80/5/KH, 80/5/GA, 80/5/GH, 80/6/K, 80/6/KH, 80/7, 80/8, 80/9, 80/10, 80/11, 80/12, 80/13, 80/14, 80/15, 80/16/Ka, 80/16/KH, 80/16/GA, 80/16/GH, 80/17, 80/18/K, 80/18/KH, 80/19/K a, 80/19/KH, 80/20, 80/21, 80/22, 80/23, 80/24, 80/25, 80/26/Ka/1, 80/26/Ka/2, 80/26/Ka/3, 80/26/Ka/4, 80/26/Kha, 80/27/Ka, 80/27/KH, 80/28/Ka, 80/28/Kha/1, 80/28/Kha/2, 80/28/Kha/3, 80/2 8/Kha/4, 80/29, 80/30, 80/32, 80/33, 80/34, 80/35, 80/36, 80/37, 80/38/K, 80/38/KH, 80/38/GA, 80/39, 80/40, 80/41, 80/42, 80/43/Ka, 80/43/KH, 80/43/GA, 80/43/Gha, 80/44, 80/45, 80/46, 80/47, 8 0/48, 80/49, 80/50, 80/51, 80/52/k, 80/52/kh, 80/53, 80/54/K/1, 80/54/k/2, 80/54/kh, 80/55, 80/56, 80/57/Ka, 80/57/Kha/1, 80/57/Kha/2, 80/57/Kha/3, 80/57/Kha/4, 80/58, 80/59/Ka, 80/59/Kha, 80/59/Ga, 80/59/Gha, 80/60/Ka, 80/60/KH, 80/61/K, 80/61/KH, 80/61/GA, 80/61/GH, 80/62, 80/63, 80/64/Ka/1, 80/64/Ka/2, 80/64/Ka/3, 80/64/Ka/4, 80/64/KH, 80/65/Ka, 80/65/Kha, 80/65/Ga, 80/65/Gha, 80/66, 80/67, 80/68, 80/69, 80/70, 80/73, 80/75, 80/76, 80/77, 80/78, 80/79, 80/80, 80/81, 80/82, 80/83, 80/84, 80/85, 80/86, 81/1, 81/2, 81/3, 82/1, 82/2, 82/3, 83, 84/1, 84/2, 84/3, 85, 86, 87, 88/1, 88/2, 89/1, 89/2, 90, 91, 92/1, 92/2, 157, 159, 160/1, 160/2, 161/1, 161/2, 161/3, 161/4, 161/5, 161/6, 161/7, 162, 163, 164/1, 164/2, 165/1/Ka, 165/1/Kha, 165/2, 166/2, 167, 168/1, 169, 248/1, 248/2, 250, 251/1, 251/2/K, 251/2/KH, 251/3, 251/4, 251/5, 251/6, 251/7, 251/8, 251/9, 251/10, 25 3, 254, 255/1, 255/2, 255/3, 256, 257/1/K, 257/1/KH, 257/1/GA, 257/2, 258/1, 258/2, 258/3, 259/1, 259/2, 259/3, 259/4, 259/5, 260/1, 260/2/K, 260/2/KH, 260/3, 261, 262/1/K, 262/1/KH, 262/2, 262/3, 262/4, 263, 269, 270, 290/1, 291, 300/1/KH, 300/1/GA, 300/1/CH, 300/1/JA, 300/2, 300/3/KH, 300/6, 300/7, 300/8, 300/9, 300/13, 300/14, 300/15, 300/16, 300/17/K, 300/17/KH, 300/18/K, 300/18/GH, 300/20, 300/21/K, 300/21/KH, 300/22/K, 300/22/KH/1, 300/22/KH/2, 300/23/Kh, 300/24/ Ka, 300/24/KH, 300/26, 300/28, 300/29/K, 300/29/KH, 300/30/Ka, 300/30/KH, 300/31/Ka, 300/3 1/KH, 300/31/GA, 300/32/Ka, 300/32/KH, 300/32/GA, 300/33, 300/34/Ka, 300/34/KH, 300/34/G a, 300/34/Gha, 300/35/K, 300/35/Kh, 300/35/Ga, 300/36, 300/37/Ka, 300/37/Kh, 300/40, 300/41 /Ka, 300/41/Kha, 300/41/Ga, 300/42, 300/43, 300/44, , 300/46, 300/47, 300/48, 300/49, 300/50, 3 00/51/Ka, 300/51/Kha, 300/52, 300/53, 300/54, 300/55/Ka, 300/55/Kha, 300/56, 300/57, 300/58, 300/59, 300/60, 300/61/K, 300/61/KH, 300/61/GA, 300/62, 300/63, 300/64, 300/65, 300/68, 300/ 69, 300/70, 300/71, 300/72/K, 300/72/KH, 300/72GA, 300/73, 300/74, 300/75, 300/76, 300/77/K a, 300/77/Kha, 300/77/Ga, 300/78, 300/79, 300/80, 300/81, 300/82/Ka, 300/82/Kha, 300/83, 300/84, 300/85, 300/86, 300/87, 300/88, 300/89, 300/92, 300/111, 300/113, 300/114, 300/115, 300/1 16, 300/117, 300/118, 300/119, 300/120, 300/121, 301/1, 301/2, 302/1, 302/2, 302/3, 303, 305, 306, 307, 308/1, 308/2/K, 308/2/KH, 308/2/GA, 308/3, 308/4, 308/5, 309, 310/1, 310/2, 310/3, 311/1, 311/2, 311/3, 313/1, 313/2, 313/3, 313/4, 314/1, 314/2, 315/1, 315/2/K, 315/2/KH, 316, 317, 318, 319, 321, 322, 323, 324, 325, 326, 327/1, 327/2, 328/1, 328/2, 328/3, 328/4, 329/1, 329/2, 330, 331, 332/1/K, 332/1/KH, 332/2, 332/3/K, 332/3/KH, 332/4, 332/5, 333, 334/1, 334/2, 334/3/K, 334/3/KH, 335/1, 335/2, 335/3, 336, 337, 338, 339, 340, 341, 342/1/K, 342/1/ KH, 342/2, 342/3, 342/4, 344/1, 344/2, 344/3, 344/4, 345, 346, 349, 350, 351, 352, 353, 354, 355/1/K, 355/1/KH, 355/1/GA, 355/1/G H, 355/1/AN, 355/1/CH, 355/2, 356, 358/1/Ka, 358/1/Kh, 358/2, 359/1, 359/2, 361/3, 362/1, 362/2/ Ka, 362/2/KH, 362/3, 362/4, 362/5, 362/6, 362/7, 362/8, 363/2, 693/2, 693/3, 695/1, 695/2, 696, 69 7/1, 698/1, 698/2, 698/3, 698/4, 698/5, 701, 702/1, 702/2, 703/1, 704, 705/1/KH, 705/2, 735, 736/1, 736/2, 737, 738, 739, 741, 742, 743, 744, 745/1, 745/2/KH, 745/4, 746/1, 746/2, 746/3, 751/1, 751/2, 751/3, 752, 753, 754, 757/1, 757/2, 757/3, 757/4, 757/5, 758, 759/1, 759/2, 759/3, 760, 761, 762, 763, 764/1, 764/2, 765/1, 765/2, 766/1, 766/2, 766/3, 766/4, 766/5, 766/6, 766/7, 767/1, 767/2, 767/3, 767/4, 768/1, 768/2, 768/3/K, 768/3/KH, 768/4, 769/1, 769/2, 770, 771/1, 771/2/K, 771/2/KH, 7 71/3/KH, 771/3/K, 773/1, 773/2, 773/3, 773/4, 774, 775/1, 775/2, 775/3, 776, 777, 778/1/K, 778/1/ KH, 778/1/GA, 778/1/GH, 778/2, 778/3, 778/4, 780/1, 780/2, 781/1, 781/2, 781/3, 782, 783, 784/1/ K/1, 784/1/K/2, 784/1/KH/1, 784/1/KH/2, 784/2, 784/3/K, 784/3/KH, 784/3/GA, 784/3/GH, 785/1/ K, 785/1/KH, 786/1, 786/2, 786/3, 786/4, 786/5, 787, 789/1, 789/2/K, 789/2/KH, 789/2/GA, 789/2/ GH, 789/2/Ang, 790/1/K, 790/1/KH, 790/1/GA, 790/1/GH, 790/2, 791, 792, 793, 794, 795/1, 795/2, 795/3, 796, 797, 798/1, 798/2, 799/1, 799/2, 799/3, 799/4, 799/5, 800/1, 800/2, 801/1, 801/2/Ka, 8 01/2/KH, 801/3, 802/1, 802/2, 803/1/K/1, 803/1/K/2, 803/1/K/3, 803/1/K/4, 803/1/KH, 803/2/K, 803/2/KH, 804, 805, 806, 807/1, 807/2, 807/3, 808/1/1, 808/1/2, 808/2, 808/3, 809, 810, 811/1/K, 811/1/Kh, 811/2/K, 811/2/KH, 811/3, 811/4, 811/5, 811/6, 812, 813, 814, 816, 817/1, 817/2, 817/3, 817/4, 817/5, 817/6, 817/7, 817/8, 817/9, 818/2/K/1, 818/2/K/2, 818/2/KH/2, 818/2/Ga/3, 818/3, 818/4, 818/5/K, 818/5/KH, 818/5/GA, 818/6, 818/8, 818/9/K/1, 818/9/K/2, 818/9/KH, 819/1, 819/2, 820, 821/1, 821/2, 821/3, 821/4, 822/1, 822/2, 822/3, 822/4, 822/5, 822/6, 822/7, 822/8, 822/9, 823/1, 823/2, 823/3/K, 823/3/KH, 823/3/GA, 823/4, 823/5, 823/6, 823/7, 823/8, 824/1, 824/2, 824/3, 824/4, 825, 826/1, 826/2, 826/3, 826/4, 826/5, 827, 828/1, 828/2, 829, 830/1, 831/1, 831/2, 831/3, 831/4, 832, 833/1, 833/2, 834/1, 834/2, 835/1, 835/2, 836/1, 836/2, 836/3, 836/4, 837/2, 838, 839, 840/1, 840/2, 841/1, 841/2, 841/3, 842, 843/1, 843/2, 844/1, 844/2, 845/1, 845/2, 846/1, 846/2, 846/3, 847/1, 8 47/2, 847/3, 847/4, 847/5, 847/6, 848/1, 848/2, 848/3, 849/2, 852/1, 852/2, 852/3, 852/4, 852/5, 852/6, 852/7, 852/8, 853/1, 853/2, 854/1, 854/2, 863, 865, 872, 873, 875, 876/1, 876/3, 877/1, 877/2, 878/1, 878/2, 879/1, 879/2, 879/3, 879/4, 879/5, 879/6, 880/1/K, 880/1/KH, 880/3, 880/4, 881, 882/1, 882/2, 882/3, 883/1, 883/2, 884, 885/1, 885/2, 886/1, 886/2, 888/1, 888/2, 889, 890, 891/1, 891/2, 891/3, 891/4, 892, 893/1, 893/2, 893/3, 893/4, 894, 895/1, 895/2, 895/3, 896, 897/1, 897/2, 897/3, 898, 899, 900, 901, 902, 903, 904, 905, 906, 907, 908/1, 908/2, 908/3, 909/1, 909/2, 910, 911, 912, 913, 914, 915, 916, 917, 918/1, 918/2/K, 918/2/KH, 918/2/GA, 918/3, 919, 920/1, 920/2, 921, 922/1, 922/2, 923/1, 923/2, 923/3, 923/4, 923/5, 924/1, 930/1, 930/3, 930/4, 930/5, 930/6, 931/1, 931/2, 932, 933, 934, 935, 936, 937/1, 937/2, 937/3, 937/4, 937/5, 937/6, 937/7, 938/1/KH, 938/1/GA/1, 938/1/GA/2, 938/1/GA/3, 938/1/Gha, 938/2, 938/3, 938/4, 938/5, 938/6, 938/7, 938/8, 938/9, 938/10/K, 938/10/KH, 938/10/GA, 938/11, 938/12/Ka, 938/12/Kha, 938/13/K, 938/13/KH, 938/14, 938/15, 938/16, 938/17, 938/18, 938/19, 938/20, 938/21, 938/22, 938/23, 938/24, 938/25, 938/26, 938/27, 938/28, 938/29, 938/30, 938/31, 938/32/1, 938/32/2, 938/34, 938/35, 938/36, 938/39, 938/40, 93 8/41, 938/42, 938/43, 938/44, 938/45, 938/46, 938/47, 938/48, 938/49/1, 938/49/2/Ka, 938/49/2/ KH, 938/51, 938/52, 938/53, 938/54, 938/55, 938/56, 938/57, 938/58, 938/59/K, 938/59/KH, 938/ 60, 938/61/K, 938/61/KH, 938/61/GA, 938/62, 938/63, 938/64, 938/65, 938/66, 938/67, 938/68, 938/69, 938/70, 938/71, 938/72, 938/73, 938/75, 938/76, 938/77, 938/78, 938/79, 938/80, 938/81, 938/82, 938/83, 938/84/K/1, 938/84/K/2, 938/84/KH, 938/85/K, 938/85/KH, 938/85/Ga, 938/86/K, 938/86/KH, 938/86/GA, 938/87, 938/88, 938/91, 938/94, 938/95, 938/96, 938/97, 938/98, 938/ 99, 938/100, 938/102, 938/103, 938/104, 938/105, 938/106, 938/107, 938/108, 938/109, 939, 940, 941, 942, 943, 945/1, 945/2, 946/1/K, 946/1/Kh, 946/1/GA, 946/1/GH, 946/1/ANG, 946/1/CH, 946/1/CHH, 946/3, 947, 948, 949, 950/1, 950/2, 951/1, 951/2, 951/3, 951/4, 951/5, 951/6, 951/7, 952/1, 952/2, 952/3, 952/4, 952/5, 953/1, 953/2, 954, 955/1, 955/2, 956, 957, 958/1, 958/2, 958/3, 958/4, 959, 960/1, 960/2/K, 960/2/KH, 960/3, 960/4, 961/1, 961/2, 962/1, 1382, 80/1/K/12, 80 /1/ Ka/27, 80/1/Ka/28, 80/1/Ka/29, 80/1/Ka/30, 80/1/Ka/31, 80/1/Ka/32, 80/31, 80/71, 80/72, 80/74, 166/1, 241/K/1, 300/1/KA/2, 300/1/K/9, 300/1/K/11, 300/1/K/13, 300/1/KA/14, 300/1/KA/15, 300/1/K/17, 300/1/KA/18, 300/1/K/19, 300/1/K/22, 300/93, 300/94, 300/95, 300/96, 300/97, 300/98, 300/99, 300/100, 300/101, 300/102, 300/103, 300/104, 300/105, 300/106, 300/107, 300/108, 300/109, 300/110, 300/112, 320, 347, 357, 361/1, 755, 756, 779, 788, 815, 818/1, 849/1, 849/3, 849/4, 850, 851, 856, 880/2, 887, 924/2, 925, 926, 927, 928, 929, 930/2, 938/1/K/2, 938/37, 938/50, 938/74, 938/89, 938/90, 938/92, 938/93, 938/110, 946/2, 965/6, 965/64, 80/1/K/1, 154/1, 154/8, 158, 252, 300/1/K/1, 300/45, 300/90, 300/91, 304, 312, 343, 348, 361/2, 361/4, 692, 818/7, 837/1, 938/1/K/1, 938/93, 965/1
दुर्गापुर -II/ तराईमार और दुर्गापुर -II/ सरिया कोयला ब्लॉक	धर्मजयगढ़	1113/1(P), 1113/2(P), 1114/1, 1114/2, 1114/3, 1115/1/K/1/3(P), 1115/1/K/1/6, 1115/1/ang(P), 1115/1/YN, 1115/1/Ta, 1115/1/Da(P), 1115/1/Tha, 1115/1/N, 1115/1/Ma, 1115/1/Ya, 1115/1/Ra, 1115/50, 1115/51/Ka, 1115/51/Kha, 1115/52, 1115/71, 1115/72, 1115/73, 1115/74, 1116, 1117/1/Kha/1/ka, 1117/1/Kha/1/Kha/1, 1117/1/Kha/1/Kha/2, 1117/1/Kha/2, 1117/1/Kha/3, 1117/1/Kha/4/Ka, 1117/1/Kha/4/Kha, 1117/1/Kha/1/Ga, 1117/1/Kha/1/Gha, 1117/1/Kha/1/Ang, 1117/1/Ga, 1117/2/Ka/1, 1117/2/Ka/2/1, 1117/2/Ka/2/2, 1117/2/Kha, 1117/3/Ka, 1117/3/Kha, 1117/4, 1117/5, 1117/6/Ka, 1117/6/Kha, 1117/7, 1118, 1119/1/YN, 1119/4/Ka, 1119/4/Kha, 1120/2, 1133/2(P), 1135/1, 1135/2, 1135/3, 1135/4, 1135/5, 1135/6, 1135/7, 1135/8, 1135/9, 1135/10, 1135/11, 1135/12, 1135/13, 1135/14, 1135/15, 1135/16, 1135/17, 1139/1/Ka/1, 1139/1/Ka/2/Ka, 1139/1/Ka/2/Kh, 1139/1/Kha, 1139/2, 1139/3, 1139/5, 1140/1/Ka, 1140/1/Kha/1, 1140/1/Kha/2, 1140/1/Ga, 1140/2, 1143/1, 1143/2, 1144/1, 1144/2, 1145/1, 1145/2, 1145/3/Ka, 1145/3/Kha, 1146/1, 1146/2, 1147, 1148/1, 1148/2, 1148/3, 1149, 1150/1, 1150/2, 1151, 1152, 1153/1, 1153/2, 1153/3/Ka, 1153/3/Kha, 1154/1, 1154/2, 1154/3/Ka, 1154/3/Kha, 1155/1, 1155/2/Ka, 1155/2/Kha, 1155/3/Ka, 1156/1, 1156/2, 1157/1(P), 1157/3(P), 1159/3, 1159/9, 1159/10, 1159/11, 1159/12/Ka, 1159/12/Kha, 1159/13, 1159/14, 1159/22, 1114/4, 1115/1/Dh, 1117/1/Gha, 1117/8, 1139/4, 1115/1/K/1/1, 1117/1/ka(P), 1120/1(P), 1134(P), 1139/4
दुर्गापुर -II/ तराईमार और दुर्गापुर -II/ सरिया कोयला ब्लॉक	धर्मजयगढ़ कॉलोनी	346, 347, 350, 351, 352/1, 352/2, 352/3, 354, 355, 356/1, 356/2, 357/1, 357/2, 357/3, 358, 359, 360/1, 362, 364, 365, 366/1, 366/ 2, 366/3, 367, 368/1, 368/2, 368/3, 369/1, 369/2, 369/3, 370, 372/1, 372/2, 374, 375, 376/2, 376/3, 377/1, 377/2, 377/3, 379, 380/1, 380/2, 381/1, 381/2, 382/1, 382/2, 383/1, 383/2, 383/3, 384/1, 385/1, 385/2, 385/3, 385/4, 385/6, 385/8, 386/1, 386/2, 386/3, 388, 391/1, 3 91/2, 391/3, 391/4, 391/5, 391/6, 391/7, 391/8, 391/9, 391/10, 391/11, 391/12, 391/13, 391/14, 391/15, 391/16, 391/17, 391/18, 391/19, 391/20, 391/21, 393, 394/1, 394/2, 394/3, 395/1, 395/2, 395/3, 395/6, 397/1, 397/3, 398/1, 398/2, 398/3, 398/4, 398/5, 398/6, 398/7, 398/8, 398/9, 400/1, 400/2, 400/3, 401/1, 401/2, 401/3, 401/4, 402/1, 348, 349, 353, 360/2, 361, 363, 371, 373, 376/1, 378, 382/3, 382/4, 383/4, 384/2, 385/5, 385/7, 385/9, 386/4, 386/5, 386/6, 387, 389, 392, 395/4, 395/5, 396, 397/2, 399, 402/2, 403, 152/3 (P), 152/4 (P), , 153/2 (P), 155/2 (P), 156(P), 157/1, 157/2, 157/3, 157/4, 158, 159, 160/1, 160/2, 161, 163, 164/1, 164/2, 164/3, 165, 167/1, 167/2, 168, 169/1(P), 175, 177/1, 177/2(P), , 184/2, 185/1, 185/2, 187, 188/1, 188/2, 188/3, 189/4 (P), 221/2 (P), 221/3 (P), 221/4 (P), 221/5 (P), 221/6 (P), 222/1, 222/2, 223, 224, 307, 308, 309/1, 309/2, 309/3, 309/4, 310/2, 310/3, 310/4, 311, 316/1(P), 324/1, 324/2, 324/3, 325, 326, 338, 162, 166, 172, 173/1, 173/2, 174, 176, 178, 191, 219, 300, 318, 323/1, 332
दुर्गापुर -II/ तराईमार और दुर्गापुर -II/ सरिया कोयला ब्लॉक	मेधरमार	1/3, 1/4, 2/1, 2/2, 3/1, 3/2, 4/1/K, 4/1/Kha, 4/2, 5/1, 5/2, 6/1/Ka, 6/1/Kha, 6/2/K, 6/2/Kh, 7/1, 7/2, 8/1, 8/2, 8/3, 9, 10, 11, 12, 13/1, 13/2, 14/1/K, 14/1/Kh, 14/2/K, 14/2/Kh, 14/2/G, 14/3, 14/4/K, 14/4/Kh, 15/1, 15/2, 15/3, 16/1/Ka, 16/1/Kh, 16/2, 17/1, 17/2, 25/1/Ka/2, 25/1/ka/3, 25/1/Ka/4, 25/1/Ka/5, 25/1/K a/6, 25/1/Ka/7, 25/1/Ka/9(P), 25/1/Ka/20, 25/1/Ka/23(P), 25/19, 49/1/Ka/5, 49/1/Ka/6, 49/1/Ka/7, 49/1/Ka/8, 49/1/Ka/16, 49/1/Jha/1, 49/1/Jha/2, 49/1/Ba, 49/1/Sha, 50, 51/1, 51/2, 52, 53/1, 53/2, 54/1, 54/2, 55/1, 55/2, 56/1, 56/2, 56/3, 57/1/Ka/3, 57/1/Ka/4, 57/1/Ka/5, 57/1/Ka/6, 57/1/Ka/7, 57/1/Ka/8, 57/1/Kha, 57/1/Ga, 57/2, 57/3, 57/4/Ka, 57/4/Kha, 57/5/Ka, 57/5/Kha, 57/6, 57/7, 57/8, 57/9, 58/1, 58/2, 58/3, 59, 60, 61/1, 61/2, 62, 63, 64, 65, 66, 67/1, 67/2, 68, 69, 70, 71, 72, 73, 74, 75, 77/1, 77/2, 78/1 (P), 94/1/ANG, 94/1/CHA, 94/1/CHHA, 94/1/JA, 94/1/JHA, 94/1/IYA/1, 94/1/IYA2, 94/1/TA, 94/1/tha (P), 94/1/Dha, 94/1/Na/1, 94/1/Na/2, 94/2/ka, 94/2/kha, 94/3, 94/4, 94/5, 94/6, 49/1/Ka/, 49/1/Ra, 57/1/Ka/1, 57/1/Ka/2, 57/1/Gha, 1/1, 94/1/K/1(P)
दुर्गापुर -II/ तराईमार और दुर्गापुर -II/ सरिया कोयला ब्लॉक	रूपुंगा	417/1, 417/2, 417/3, 417/4, 418/2, 418/3, 418/4, 418/5, 418/6, 418/7, 418/8, 418/9, 418/10, 418/11, 418/12, 418/13, 418/14, 434, 435/7, 418/1(P), 435/1(P), 435/10, 435/11, 435/12, 435/13, 435/14
दुर्गापुर -II/ तराईमार और दुर्गापुर -II/ सरिया कोयला ब्लॉक	तराईमार	63/2/Dha(P), 63/2/Tra(P), 84/1(P), 84/2(P), 85/1(P), 85/2, 92/2(P), 93/2(P), 93/3(P), 93/4(P), 100/2/Ja, 100/2/Jha, 100/2/Tha, 100/2/Da/1(P), 100/2/Da/2, 100/2/Da/3, 100/2/Da/4, 100/2/Da/5(P), 100/2/Da/14, 100/2/Ta, 100/2/Da, 100/2/Na, 100/2/Pha, 100/2/Ba/1, 100/2/Ba/2, 100/2/Ba/3, 100/2/Ma, 100/2/Ya, 100/2/R, 100/2/Wa, 100/6(P), 119/1/Ka/1/1, 119/1/Ka/1/2, 119/1/Ka/1/3, 119/1/Ka/1/4, 119/1/Ka/1/5, 119/1/Ka/1/6, 119/1/Ka/1/7, 119/2, 119/3, 119/4, 120/1/Ka, 120/1/Kha/1, 120/1/Kha/2, 120/1/Ga/1, 120/1/Ga/2, 120/1/Ga/3, 120/3/Ka, 120/3/Kha, 120/4/Ka, 120/4/Kh/1, 120/4/Kha/2, 120/4/Ga/1, 120/4/Ga/2, 120/4/Ga/3, 120/4/Gha, 120/4/NG, 120/4/Cha/1, 120/4/Cha/2, 120/4/Cha/3, 120/5/Ka, 120/5/Kh, 120/5/Ga/1, 120/5/Ga/2, 120/5/Ga/3, 120/5/Ga/4, 120/5/Ga/5, 120/5/Gha, 120/5/ANG, 120/5/Cha/1, 120/5/Cha/2, , 120/5/Chha, 120/5/Ja, 120/5/Jha, 120/5/YN, 120//5/Th, 120/5/Da/1, 120/5/Da/2, 120/5/Da/3, 120/5/Da/4, 120/5/Da/5, 120/5/Dha, 120/5/N, 120/5/Ta/1, 120/5/Ta/2, 120/5/Ta/3, 120/6, 120/7, 120/8, 120/9, 120/10, 120/11, 121/1/Ka, 121/1/Kha, 121/1/Ga, 121/1/Gha, 121/1/Ng, , 121/3/Ka, 121/3/Kha, 121/3/Ga, 121/3/Gha, 121/3/NG, 122/1, 122/2, 122/3, 122/4, 122/5, 122/6, 122/7, 122/8, 122/9, 122/10, 122/11, 63/2/Cha(P), 100/2/Ka/1(P), 100/2/Ka/2, 118/2, 121/2(P), 1/1/Ka, 1/1/Kha, 1/1/Ga, 1/2/GA, 1/2/GH/1, 1/2/GH/2, 1/2/GH/3, 1/3, 1/4, 1/5, 1/6, 1/7, 2/1/K, 2/1/KH, 2/1/GA, 2/1/GH, 3/1, 4, 5/1, 5/2, 5/3, 13/1, 13/2/KH, 13/2/GHA, 13/2/ANG, 13/2/CH, 13/2/CHH/1, 13/2/CHH/2, 13/2/CHH/3, 13/2/CHH/4, 13/2/JA/1, 13/2/JA/2, 13/2/JA/3, 13/2/JA/4, 13/2/JA/5, 13/2/Jha, 13/2/IYA, 13/2/T, 13/2/TH, 13/2/D/1, 13/2/D/2, 13/2/D/3, 13/2/D/4, 13/2/Dh, 13/2/N, 13/2/Ta/1, 13/2/Ta/2, 13/2/Ta/3, 13/2/Ta/4, 13/2/Ta/5, 13/2/Tha, 13/2/Da, 13/2/DHA, 13/2/NA, 13/2/PA, 13/2/BHA, 13/3, 14/1, 14/2/Ka, 14/2/Gha, 14/2/ANG/1, 14/2/ANG/2, 14/2/ANG/3, 14/2/CH/1, 14/2/CH/2, 14/2/CH/3, 14/2/Chha, 14/2/Ja, 14/2/Jha, 14/2/Yn/1, 14/2/Yn/2, 14/2/Yn/3, 14/2/TA/1, 14/2/TA/2, 14/2/TA/3, 14/2/TA/4, 14/2/TA/5, 14/2/Th, 14/2/D, 14/2/Dh, 14/2/N, 14/2/Dha, 14/2/Na, 14/2/Pa, 14/2/Pha, 14/3/K, 14/3/Kha, 14/4/K, 14/4/Kha, 14/4/Ga, 14/5, 14/6, 14/7, 14/8, 14/9/Ka, 14/9/Kh, 14/10/Ka, 14/10/Kha, 14/11/Ka/1, 14/11/Ka/2, 14/11/Kha, 14/12/Ka, 14/12/Kha, 14/13/K, 14/13/KH, 14/14, 14/15, 14/16, 14/17, 15/1, 15/2/K/1, 15/2/K/2, 15/2/K/3, 15/2/K/4, 15/2/Kh, 15/2/G, 15/2/Gh, 15/2/ANG, 15/2/Cha, 15/2/ Chha, 15/3, 15/4, 15/5, 15/6, 16/1/K/1, 16/1/k/2, 16/1/K/3, 16/1/K/4, 16/1/Kh, 16/1/Ga, 16/2, 17/1, 17/2, 17/3, 18/1, 18/2, 18/3, 18/4, 19, 20/1, 20/2/Kha, 20/2/Ga, 20/2/Gha, 20/2/NG/1, 20/2/NG/2, 20/2/NG/3, 20/2/NG/4, 20/2/NG/5, 20/2/Cha, 20/2/Chha, 20/3, 20/4, 21/1, 21/2, 21/3, 22/1/Ka/1, 22/1/Ka/2, 22/1/Ka/3/K, 22/1/Ka/3/Kha, 22/1/Ka/3/ga, 22/1/Ka/3/Gha, 22/1/Ka/4, 22/1/Ka/5, 22/1/Ka/6, 22/1/Ka/7, 22/1/Ka/8, 22/1/Kha, 22/1/Ga, 23/1, 23/2, 24, 25/1, 25/2, 26, 27/1, 27/2, 27/3, 28, 29/1, 29/2, 30/1, 30/2, 30/3, 30/4, 31/1, 31/2, 32/1, 32/2/K, 32/2/KH, 32/2/GA, 32/3, 33/1, 33/2, 33/3, 34/1, 34/2, 34/3, 34/4, 34/5, 35/1, 35/2, 36/1/K/1, 36/1/K/2, 36/1/K/3, 36/1/KH, 36/2, 36/3/K, 36/3/K H, 36/3/GA, 36/4, 37, 38, 39, 40/1, 40/2, 40/3, 40/4, 40/5, 41/1, 41/2, 41/3, 42/1/K, 42/1/KH, 42/1/GA, 42/1/GH, 42/1/ANG, 42/1/CHH, 42/2, 43/1, 43/2/GA, 43/2/GHA, 43/2/ANG, 43/2/CH, 43/2/CHH, 43/2/JA, 43/2/JHA, 43/2/IYA, 43/2/T, 43/2/TH, 43/2/D, 43/2/Dh, 43/2/N, 43/2/TA, 43/2/THA, 43/2/DA, 43/3/K, 43/3/Kh, 44/1, 44/2/Ka, 44/2/Kha, 44/2/Ga, 44/2/Gha, 44/2/ANG, 44/3, 44/4, 44/5, 44/ 6, 44/7, 45, 46/1, 46/2, 46/3, 46/4, 46/5, 46/6, 46/7, 46/8, 46/9, 46/10, 46/11, 46/12, 46/13, 46/14, 47/1, 47/2, 47/3, 48, 49/1, 50/1, 50/2, 51/1, 51/2, 51/3, 52/1, 52/2, 52/3, 53/1/Ka, 53/1/Kha/1, 53/1/Kha/2, 53/2/Ka, 53/2/Kha, 54/1, 54/2/Ka, 54/2/Kh, 54/3/Ka, 54/3/Kha, 54/3/Ga, 55/1, 55/2/Ka, 55/2/Kh a, 55/3, 55/4, 55/5, 55/6, 55/7, 56/1, 56/2, 56/3/Ka, 56/3/Kha, 56/4, 56/5, 57/1, 57/2, 57/3, 58/1/Ka, 58/1/Kha, 58/1/Ga, 58/2, 59/1/Ka, 59/1/Kha, 59/1/Ga, 59/2/Ka, 59/2/Kha, 59/2/Ga, 60/1, 60/2, 60/3, 60/4, 60/5, 61/1, 61/2, 61/3, 62, 63/1, 63/2/ka, 63/2/Ja, 63/2/YN, 63/2/Ta, 63/2/Tha, 63/2/D, 63/2/d ha, 63/2/tra, 63/3, 63/5/Ka, 64/1, 64/2, 64/3, 64/4, 64/5, 64/6, 64/7, 64/8, 65/1/Ka/1, 65/1/Ka/2, 65/1/Kha, 65/2/Kh, 65/4/K/1, 65/4/K/2, 65/4/K/3, 65/5/1, 65/5/2, 66/1, 66/2, 67/1/Ka, 67/2/Kha, 67/2, 6 7/3, 67/4, 68/1, 68/2, 68/3, 68/4, 69/1, 69/2, 70/1, 70/2, 71, 72/1/k, 72/1/ga, 72/1/gha, 72/2, 72/3, 72/4, 73, 74, 75/1, 75/2, 76/1, 76/2, 77/1, 77/2/ka, 77/2/kha, 78/1, 78/2, 78/3, 78/4, 78/5, 78/7, 78/6, 78/8, 79/1, 79/3, 79/4, 80, 81/1, 81/2, 81/3, 81/4, 82/1, 83, 84/1(P), 84/2(P), 85/1(P), 86/1, 86/2, 87/1, 87/ 2, 87/3, 87/4, 88, 89/1, 89/2, 90/1, 90/3, 91/1, 91/2, 91/3, 92/1, 92/2(P), 92/3(P), 93/4(P), 93/5, 94/2/Kha, 94/2/Ga, 94/2/Gha, 94/2/ANG, 94/2/Ch, 94/2/Chha, 94/2/Ja, 94/3, 94/4, 94/5, 94/6, 100/2/D/ 6, 100/2/D/7, 100/2/D/8, 100/2/D/9, 100/2/D/10, 100/2/D/11, 100/2/D/12, 13/2/Ka/2, 13/2/Ga, 14/2/Kha/2, 14/2/Kha/3, 14/2/Ga, 20/2/Ka/1, 20/2/Ka/2, 20/2/Ka/3, 20/6, 43/2/Ka, 43/2/Kha, 49/2, 6 3/2/Kha/2, 63/2/Ga, 63/2/Gha, 63/2/NG, 63/2/Cha, 63/2/Chha, 63/2/Jha, 63/11, 65/6, 72/1/Kha, 79/2, 82/2, 90/2, 1/2/Ka, 1/2/Kha, 13/2/Ka/1, 14/2/Kha/1, 20/5, 63/2/Kha/1, 65/2/Ka, 94/2/Ka

सीमा विवरण :

सीमा संख्या	विवरण
1-2-3-4-5	तराईमार सीमा बयासी गाँव के दक्षिण-पश्चिम में स्थित बिंदु संख्या 1 (मुख्य बिंदु P578) से प्रारंभ होती है और बयासी गाँव में उत्तर दिशा की ओर बिंदु संख्या 2 (मुख्य बिंदु P585) होते हुए बिंदु संख्या 3 (मुख्य बिंदु P604) के आगे तक जाती है तथा रुपुंगा गाँव में प्रवेश करती है। इसके बाद यह रुपुंगा गाँव में बिंदु संख्या 4 (P683) से बिंदु संख्या 5 (मुख्य बिंदु P738) तक गुजरती है।
5-6-7-8-9	बिंदु संख्या 5 (मुख्य बिंदु P738) से रेखा रुपुंगा गाँव से होकर धर्मजयगढ़ कॉलोनी में प्रवेश करती है तथा बिंदु संख्या 6 मुख्य बिंदु P484) और बिंदु संख्या 7 (मुख्य बिंदु P492) से गुजरती है। इसके बाद यह बयासी गाँव को पार करते हुए धर्मजयगढ़ कॉलोनी में प्रवेश करती है तथा पुनः बयासी गाँव को पार कर धर्मजयगढ़ कॉलोनी में प्रवेश करती हुई बिंदु संख्या 8 (मुख्य बिंदु P508) तक जाती है। तत्पश्चात यह तराईमार गाँव एवं धर्मजयगढ़ कॉलोनी को पार करते हुए तराईमार गाँव में प्रवेश करती है और बिंदु संख्या 9 (मुख्य बिंदु P516) तक गुजरती है।

9-10	बिंदु संख्या 9 (मुख्य बिंदु P516) से सीमा रेखा तराईमार गाँव में उत्तर दिशा की ओर बढ़ती हुई बिंदु संख्या 10 (मुख्य बिंदु P295) तक जाती है। बिंदु संख्या 9 (मुख्य बिंदु P516) से बिंदु संख्या 10 (मुख्य बिंदु P295) तक की रेखा तराईमार एवं सरिया कोल ब्लॉक की साझा सीमा है।
10-11-12	बिंदु संख्या 10 (मुख्य बिंदु P295) से सीमा रेखा तराईमार गाँव में दक्षिण-पूर्व दिशा की ओर बढ़ती हुई बयासी कॉलोनी में प्रवेश करती है तथा बिंदु संख्या 11 (मुख्य बिंदु P303) तक जाती है। इसके बाद यह बयासी कॉलोनी में उत्तर-पूर्व दिशा की ओर बढ़ते हुए तराईमार गाँव एवं धर्मजयगढ़ कॉलोनी से होकर बिंदु संख्या 12 (मुख्य बिंदु P383) तक गुजरती है।
12-13-14-15-16-17	बिंदु संख्या 12 (मुख्य बिंदु P379) से सीमा रेखा दक्षिण-पूर्व दिशा की ओर बढ़ते हुए धर्मजयगढ़ कॉलोनी में बिंदु संख्या 13 (मुख्य बिंदु NB-1) तक जाती है तथा वहाँ से उत्तर-पूर्व दिशा की ओर बढ़ते हुए धर्मजयगढ़ कॉलोनी में बिंदु संख्या 14 (मुख्य बिंदु NB-2) तक पहुँचती है। इसके बाद यह दक्षिण-पूर्व दिशा की ओर मुड़ते हुए धर्मजयगढ़ कॉलोनी एवं धर्मजयगढ़ में बिंदु संख्या 15 (मुख्य बिंदु NB-3) एवं बिंदु संख्या 16 (मुख्य बिंदु NB-4) से होकर गुजरती है। तत्पश्चात बिंदु संख्या 16 (मुख्य बिंदु NB-4) से रेखा दक्षिण दिशा की ओर जाती है और फिर दक्षिण-पूर्व दिशा की ओर मुड़ते हुए धर्मजयगढ़ में बिंदु संख्या 17 (मुख्य बिंदु NB-5) तक पहुँचती है।
17-18-19-20-21-22-23-24	बिंदु संख्या 17 (मुख्य बिंदु NB-5) से सीमा रेखा उत्तर दिशा की ओर बढ़ते हुए वन भूमि में बिंदु संख्या 18 (मुख्य बिंदु P99) तक जाती है तथा वहाँ से पूर्व दिशा की ओर मुड़ते हुए बिंदु संख्या 19 (मुख्य बिंदु P108) तक पहुँचती है। इसके बाद यह दक्षिण-पूर्व दिशा की ओर मुड़ते हुए वन भूमि में बिंदु संख्या 20 (मुख्य बिंदु P145) एवं बिंदु संख्या 21 (मुख्य बिंदु P175) से होकर बिंदु संख्या 22 (मुख्य बिंदु P198) तक जाती है। तत्पश्चात यह दक्षिण-पश्चिम दिशा की ओर मुड़ते हुए बिंदु संख्या 23 (मुख्य बिंदु P230) तक पहुँचती है और फिर मुड़कर वन भूमि से होकर बिंदु संख्या 24 (मुख्य बिंदु P248) तक गुजरती है।
24-25-26-9	बिंदु संख्या 24 (मुख्य बिंदु P248) से सीमा रेखा पश्चिम दिशा की ओर मुड़ते हुए धर्मजयगढ़, वन भूमि एवं मेदारमार गाँव से होकर बिंदु संख्या 25 (मुख्य बिंदु P278) तक जाती है। इसके बाद बिंदु संख्या 25 (मुख्य बिंदु P278) से रेखा उत्तर दिशा की ओर मुड़ते हुए बिंदु संख्या 26 (मुख्य बिंदु P525) तक जाती है तथा वहाँ से बिंदु संख्या 9 (मुख्य बिंदु P516) तक बयासी कॉलोनी एवं तराईमार गाँव से होकर गुजरती है। बिंदु संख्या 25 (मुख्य बिंदु P278) से बिंदु संख्या 26 (मुख्य बिंदु P525) होते हुए बिंदु संख्या 9 (मुख्य बिंदु P516) तक की रेखा केपीसीएल को आवंटित दो कोल ब्लॉकों की साझा सीमा है।
25-27-28-1	बिंदु संख्या 25 (मुख्य बिंदु P278) से सीमा रेखा उत्तर-पश्चिम दिशा की ओर बढ़ते हुए बिंदु संख्या 27 (मुख्य बिंदु P534) तक जाती है तथा वहाँ से पश्चिम दिशा की ओर मुड़ते हुए बिंदु संख्या 28 (मुख्य बिंदु P555) से होकर प्रारंभिक बिंदु संख्या 1 (मुख्य बिंदु P578) पर समाप्त होती है। यह रेखा तराईमार गाँव, बयासी कॉलोनी एवं बयासी गाँव से होकर गुजरती है।

[फा. सं. 43015/16/2025–एलएआईआर]

ह./- डॉ. माणिक चंद्र पंडित, आर्थिक सलाहकार

MINISTRY OF COAL
NOTIFICATION

New Delhi, the 18th May, 2026

S.O. 2560(E).- Whereas, a draft the notification was published in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (ii), of the Government of India in the Ministry of Coal number S.O. 123(E), dated the 8h January, 2026, issued under sub-section (1) of section 4 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957) (hereinafter referred to as the said Act), whereby the Central Government gave notice of its intention to prospect for coal in 1610.75Ha (approximately) or 3980.2438 Acres(approximately) of the land in the locality specified in the Schedule annexed to that notification;

And, whereas, the Central Government is satisfied that coal is obtainable in a part of the said lands prescribed in the Schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 7 of the said Act, the Central Government hereby gives notice of its intention to acquire the land, measuring **1610.75 Ha** (approximately) or **3980.2438 acres** (approximately) and in or over the said land specified in the Schedule appended to this notification;

Note 1: The plan bearing number **KPCL/DGR-II/2025-26/02**, dated the **26th January, 2026**, comprising the area covered by this notification may be inspected in the office of the **Deputy Commissioner or District Collector**, **Raigarh District**, **Chhattisgarh** or in the office of the Coal Controller, Coal Controller's Organization, Ministry of Coal, Scope Minar, 5th floor, Core II, Laxmi Nagar, Delhi 110092 or in the **Chief Engineer-Mines, Karnataka Power Corporation Limited (A Karnataka Government Undertaking), No.82, Race Course Road Bangalore-1.**

Note 2: Attention is hereby invited to the provisions of section 8 of the aforesaid Act which provides as follows: -

"8. **Objections to acquisition**. - (1)**Any person interested in any land in respect of which a notification under section 7 has been issued may, within thirty days of the issue of the notification, object to the acquisition of the whole or any part of the land or of any rights in or over such land.**

Explanation:- It shall not be an objection within the meaning of this section for any person to say that he himself desires to undertake mining operations in the land for the production of coal and that such operations should not be undertaken by the Central Government or by any other person.

(2) Every objection under sub-section (1) shall be made to the competent authority in writing, and the competent authority shall give the objector an opportunity of being heard either in person or by a legal practitioner and shall, after hearing all such objections and after making such further inquiry, if any, as he thinks necessary, either make a report in respect of the land which has been notified under sub-section (1) of section 7 or of rights in or over such land, or make different reports in respect of different parcels of such land or of rights in or over such land, to the Central Government, containing his recommendations on the objections, together with the record of proceedings held by him, for the decision of that Government.

(3) For the purpose of this section, a person shall be deemed to be interested in land who would be entitled to claim an interest in compensation if the land or any rights in or over such land were acquired under this Act."

Note 3. The Coal Controller, Coal Controller's Organisation, Ministry of Coal, Scope Minar, 5th floor, Core II, Laxmi Nagar, Delhi-110092 has been appointed by the Central Government as the competent authority under section 3 of the said Act, **vide** notification number S.O 5562(E) dated the 02 **December** 2025, published in of the Gazette of India, dated **2nd December**, 2025

SCHEDULE
OTH
RAIGARH

DURGAPUR-II/TARAIMAR AND DURGAPUR-II/SARIYA COAL BLOCK DURGAPUR-II/TARAIMAR AND DURGAPUR-II/SARIYA COAL BLOCK

[Plan bearing number KPCL/DGR-II/2025-26/02, dated the 26th January, 2026.]

A. Type wise land details of Durgapur-II/Sariya Coal Block, Raigarh District, Chhattisgarh State

Serial Number	Name of the Village	Tehsil	Forest Area		GM Area (Ha)		Rayati Area (Ha)		Total Area	
			(Ha)	(Acres)	(Ha)	(Acres)	(Ha)	(Acres)	(Ha)	(Acres)
1	Taraimar	Dharamjaigarh	14.783	36.52	2.523	6.23	17.468	43.16	34.774	85.92
2	Bayasi	Dharamjaigarh	52.40	129.48	0	0	0	0	52.40	129.48
3	Medarmar	Dharamjaigarh	47.24	116.73	1.336	3.30	24.337	60.13	72.913	180.17
4	Dharmajaigar	Dharamjaigarh	115.143	284.52	0	0	23.15	57.20	138.293	341.72
5	Dharam Colony	Dharamjaigarh	0	0	6.239	15.41	100.764	248.90	107.003	264.40
6	Bayasi Colony	Dharamjaigarh	0	0	3.899	9.63	70.635	174.50	74.534	184.17
7	Protected Forest Land	Dharamjaigarh	60.833	150.32	0	0	0	0	60.833	150.32
Total Area			290.39	717.59	13.997	34.58	236.35	584.04	540.750	1336.22

Type wise land details of Durgapur-II/Sariya Coal Block, Raigarh District, Chhattisgarh State.

Serial Number	Name of the Village	Patwari Circle/ Thana Number	Tehsil	District	Area (Ha.) Approximately	Remarks
1	Taraimar	33	Dharamjaigarh	Raigarh	34.774	All Rights
2	Bayasi	36	Dharamjaigarh	Raigarh	52.40	All Rights
3	Medarmar	36	Dharamjaigarh	Raigarh	72.913	All Rights
4	Dharmajaygarh	56	Dharamjaigarh	Raigarh	138.293	All Rights
5	Dharam Colony	33	Dharamjaigarh	Raigarh	107.003	All Rights
6	Bayasi Colony	36	Dharamjaigarh	Raigarh	74.534	All Rights
7	Protected Forest Land		Dharamjaigarh	Raigarh	60.833	All Rights
Total Area 540.75 **Hectares (Approximately) or** 1336.22 **Acres (Approximately)**						

B. Type wise land details of Durgapur-II/Taraimar Coal Block, Raigarh District, Chhattisgarh State

Serial Number	Name of the Village	Tehsil	Forest Land		GM Land (Ha)		Raiti Area (Ha)		Total Area	
			(Ha.)	(Acres)	(Ha.)	(Acres)	(Ha.)	(Acres)	(Ha.)	(Acres)
1	Taraimar	Dharamjaigarh	47.484	117.33	11.913	29.43	84.445	208.66	143.842	355.44
2	Bayasi	Dharamjaigarh	306.844	758.22	13.840	34.19	212.723	525.64	533.407	1318.0
3	Bayasi Colony	Dharamjaigarh	0.00	0.00	49.869	123.22	249.868	617.43	299.737	740.66
4	Dharam Colony	Dharamjaigarh	0.00	0.00	29.143	72.01	53.143	131.31	82.286	203.33
5	Rupunga	Dharamjaigarh	10.728	26.50	0.00	0.00	0.00	0.00	10.728	26.50
Total Area (Ha)			365.056	902.07	104.765	258.87	600.179	1483.0	1070.00	2644.02

Type of land details of Durgapur-II/Taraimar Coal Block, Raigarh District, Chhattisgarh State.

Serial Number	Name of the Village	Patwari Circle/ Thana Number	Tehsil	District	Area (Ha.) Approximately	Remarks
1	Taraimar	33	Dharamjaigarh	Raigarh	143.842	All Rights
2	Bayasi	36	Dharamjaigarh	Raigarh	533.407	All Rights
3	Bayasi Colony	36	Dharamjaigarh	Raigarh	299.737	All Rights
4	Dharam Colony	33	Dharamjaigarh	Raigarh	82.286	All Rights
5	Rupunga	10	Dharamjaigarh	Raigarh	10.728	All Rights
Total Area 1070.00 **Hectares (Approximately) or** 2644.02 **Acres (Approximately)**						

Total Area of DurgapurII/ Sariya and Durgapur II/Taraimar: 1610.75 hectares (approximately) or 3980.2438 acres (approximately)

PLOT NUMBERS TO BE ACQUIRED:

Name OF BLOCK	VILLAGE NAME	PLOT NUMBERS
DURGAPUR-II/TARAIMAR & DURGAPUR-II/SARIYA COAL BLOCK	BAISY COLONY	1/1, 1/2, 2/1, 2/2, 2/3, 3, 4, 7/1, 7/3, 8/1, 8/2, 9, 10, 11/1, 11/2, 12/1, 12/2, 13/1, 13/2, 13/3, 14, 17, 18/1, 18/2, 19/1, 20, 21/1, 21/2, 21/3, 23, 26, 27, 28/1, 29/1, 29/3, 30/1, 30/2, 30/3, 31/1, 31/3, 33/2, 34, 37, 38, 39, 40, 41, 43, 44/1, 46, 47, 49/1, 49/2, 50, 52, 53/1, 53/2, 53/3, 53/4, 54/1, 54/2, 54/3, 55, 56, 57, 58/1, 58/2, 61, 62, 63/1, 63/2, 66, 67, 68, 70, 71, 72, 73, 74, 76/1, 76/2, 76/3, 78, 79, 80, 81/1, 81/2, 84, 85/1, 85/2, 86/1, 86/2, 87/1, 87/2, 87/3, 88/1, 88/2, 89/1, 89/2, 89/3, 91, 92, 93/1, 93/2, 95/1, 95/2, 95/3, 96/1, 96/2, 96/3, 96/4, 98, 99/1, 99/2, 99/3, 101, 102, 103, 104, 105, 106/1, 106/2, 107/1, 107/2, 107/3, 107/4, 108/1, 108/2, 109/1, 109/2, 111, 114/1, 114/2, 114/3, 116/1, 116/2, 116/3, 118, 120, 121, 122, 123, 124/1, 124/2, 125, 127/1, 127/2, 127/3, 127/4, 127/5, 127/7, 127/8, 127/9, 127/10, 128/1, 128/2, 128/3, 129, 130, 131, 132, 134, 135/1, 135/2, 135/4, 135/5, 136/1, 136/2, 137, 138, 139/1, 139/2, 141, 157/2, 158/2, 160/2, 161/1, 161/2, 161/3, 161/4, 162, 163/1, 165/1, 165/2, 166/1, 166/2, 167/1, 167/2, 169, 170/1, 170/2, 183/1, 183/2, 185/1, 185/2, 203, 208/1, 208/2, 208/3, 208/4, 208/5, 208/6, 208/7, 208/8, 309, 310/2, 310/4, 313/1, 313/2, 313/3, 314, 315, 316, 317, 318, 319/1, 319/2, 320/1, 320/2, 320/3, 320/4, 320/5, 15/1, 15/2, 19/2, 19/3, 24, 25, 28/2, 31/2, 32, 33/1, 35, 36, 42, 44/2, 48/1, 48/2, 48/3, 51, 69, 82, 83, 90, 94, 110, 113, 115, 117, 128, 159, 163/2, 308, 401, 402, 403/1, 164/1, 176, 180/1, 180/2, 180/3, 180/4, 181, 182/1, 182/2, 182/3, 183/1, 184, 185/1, 189, 190/1, 190/2, 191/1, 191/2, 191/3, 192, 193/1, 194/1, 194/2, 195/1, 196/1, 196/2, 197, 198, 199, 200, 203, 204, 205/1, 205/2, 207, 209, 210, 211, 212, 213, 214, 215/1, 216/2, 217, 218/1, 218/2, 220, 223, 224/1, 224/2, 241/1, 241/2, 242/1, 242/2, 242/3, 244/1, 244/2, 245/1, 245/2, 246/1, 246/2, 247, 248, 249, 251, 252/1, 252/2, 252/3, 252/4, 252/5, 253/1, 254/1, 254/2, 254/3, 255/1, 255/2, 257, 258, 259/1, 259/2, 259/3, 259/4, 261/1, 261/2, 261/3, 262, 264, 265/1, 265/2, 266, 267, 269/1, 269/2, 270, 271/1, 273/1, 273/2, 274, 275/1, 276/1, 276/2, 276/3, 278/1, 279/1, 280, 281/1, 282, 283/1, 283/2, 283/3, 284, 285, 286, 287/1, 287/2, 287/3, 290, 291, 292, 296/1, 296/2, 296/3, 296/4, 297, 298, 300/1, 300/2, 301/1, 301/2, 301/3, 301/4, 302/1, 302/2, 302/3, 303/1, 303/2, 303/3, 304/1, 304/2, 304/3, 304/4, 305/1, 305/2, 306/1, 310/1, 310/3, 310/5, 311, 164/2, 168, 183/2, 185/2, 193/2, 195/2, 221, 222, 240, 250, 256, 260, 271/2, 275/2, 278/2, 281/2, 288, 289, 299, 306/2, 307, 312
DURGAPUR-II/TARAIMAR & DURGAPUR-II/SARIYA COAL BLOCK	BAISY VILLAGE	1/1, 1/2, 1/3, 2, 3, 4, 5, 6/1, 6/2, 6/3, 6/4, 6/5, 6/6, 6/7, 6/8, 6/9, 6/10, 6/11, 6/12, 7, 8/1, 8/2/K, 8/2/KH, 8/2/GA, 9/1, 9/2, 10/1/K, 10/1/KH, 10/1/GA, 10/1/GH, 10/2, 10/3, 10/4, 11/1/K, 11/1/KH, 11/2, 12/1, 12/2, 13/1, 13/2, 14/1, 14/2, 15, 16, 17, 18/1, 18/2, 19/1, 19/2, 19/3, 19/4, 20/1, 20/2, 21/1, 21/2, 22/1/K, 22/1/KH/1, 22/1/KH/2, 22/2, 23, 24, 25/1, 25/2, 25/3, 26/1, 26/2, 27/1, 27/2, 27/3, 27/4, 28, 29/1, 29/2, 29/3, 29/4, 29/5, 30, 31/1, 31/2, 32/1, 32/2, 32/3, 32/4, 33/1, 33/2, 34/1, 34/2, 35, 36/1, 36/2, 36/3, 37/1, 37/2, 37/3, 37/4, 38/1, 38/2, 38/3, 39/1, 39/2, 39/3, 40/1, 40/ 2, 41, 42, 43/1, 43/2, 44, 45, 46, 47, 48/1/ka, 48/1/kh, 48/2, 49/1/ka, 49/1/kh, 49/3, 50, 51/1, 51/2, 52, 53, 54/1, 54/2, 54/3, 55, 56, 57, 58, 59, 60, 61, 62, 63, 64, 65, 66, 67, 68, 69/1, 69/2, 70, 71/1, 71/2, 72, 73/1, 73/2/ka, 73/2/kh, 74/1, 74/2, 75, 76/1, 76/2, 77/1/ka, 77/1/kh, 77/2, 78, 79, 80/1/K/2, 80/1/K/3, 80/1/K/4, 80/1/K/5, 80/1/ka/6, 80/1/Ka/7, 80/1/ka/8, 80/1/ka/9, 80/1/ka/10, 80/1/K/11, 80/1/K/13, 80/1/K/14, 80/1/K/15, 80/1/ka/16, 80/1/ka/17, 80/1/ka/18, 80/1/ka/19, 80/1/ka/20, 80/1/ka/21, 80/1/ka/22, 80/1/ka/23, 80/1/K/24, 80/1/ka/25, 80/1/K/26, 80/1/KH, 80/1/GA, 80/1/GH, 80/2, 80/3, 80/4, 80/5/K, 80/5/KH, 80/5/GA, 80/5/GH, 80/6/K, 80/6/KH, 80/7, 80/8, 80/9, 80/10, 80/11, 80/12, 80/13, 80/14, 80/15, 80/16/Ka, 80/16/KH, 80/16/GA, 80/16/GH, 80/17, 80/18/K, 80/18/KH, 80/19/K a, 80/19/KH, 80/20, 80/21, 80/22, 80/23, 80/24, 80/25, 80/26/Ka/1, 80/26/Ka/2, 80/26/Ka/3, 80/26/Ka/4, 80/26/Kha, 80/27/Ka, 80/27/KH, 80/28/Ka, 80/28/Kha/1, 80/28/Kha/2, 80/28/Kha/3, 80/2 8/Kha/4, 80/29, 80/30, 80/32, 80/33, 80/34, 80/35, 80/36, 80/37, 80/38/K, 80/38/KH, 80/38/GA, 80/39, 80/40, 80/41, 80/42, 80/43/Ka, 80/43/KH, 80/43/GA, 80/43/Gha, 80/44, 80/45, 80/46, 80/47, 8 0/48, 80/49, 80/50, 80/51, 80/52/k, 80/52/kh, 80/53, 80/54/K/1, 80/54/k/2, 80/54/kh, 80/55, 80/56, 80/57/Ka, 80/57/Kha/1, 80/57/Kha/2, 80/57/Kha/3, 80/57/Kha/4, 80/58, 80/59/Ka, 80/59/Kha, 80/59/Ga, 80/59/Gha, 80/60/Ka, 80/60/KH, 80/61/K, 80/61/KH, 80/61/GA, 80/61/GH, 80/62, 80/63, 80/64/Ka/1, 80/64/Ka/2, 80/64/Ka/3, 80/64/Ka/4, 80/64/KH, 80/65/Ka, 80/65/Kha, 80/65/Ga, 80/65/Gha, 80/66, 80/67, 80/68, 80/69, 80/70, 80/73, 80/75, 80/76, 80/77, 80/78, 80/79, 80/80, 80/81, 80/82, 80/83, 80/84, 80/85, 80/86, 81/1, 81/2, 81/3, 82/1, 82/2, 82/3, 83, 84/1, 84/2, 84/3, 85, 86, 87, 88/1, 88/2, 89/1, 89/2, 90, 91, 92/1, 92/2, 157, 159, 160/1, 160/2, 161/1, 161/2, 161/3, 161/4, 161/5, 161/6, 161/7, 162, 163, 164/1, 164/2, 165/1/Ka, 165/1/Kha, 165/2, 166/2, 167, 168/1, 169, 248/1, 248/2, 250, 251/1, 251/2/K, 251/2/KH, 251/3, 251/4, 251/5, 251/6, 251/7, 251/8, 251/9, 251/10, 25 3, 254, 255/1, 255/2, 255/3, 256, 257/1/K, 257/1/KH, 257/1/GA, 257/2, 258/1, 258/2, 258/3, 259/1, 259/2, 259/3, 259/4, 259/5, 260/1, 260/2/K, 260/2/KH, 260/3, 261, 262/1/K, 262/1/KH, 262/2, 262/3, 262/4, 263, 269, 270, 290/1, 291, 300/1/KH, 300/1/GA, 300/1/CH, 300/1/JA, 300/2, 300/3/KH, 300/6, 300/7, 300/8, 300/9, 300/13, 300/14, 300/15, 300/16, 300/17/K, 300/17/KH, 300/18/K, 300/18/GH, 300/20, 300/21/K, 300/21/KH, 300/22/K, 300/22/KH/1, 300/22/KH/2, 300/23/Kh, 300/24/ Ka, 300/24/KH, 300/26, 300/28, 300/29/K, 300/29/KH, 300/30/Ka, 300/30/KH, 300/31/Ka, 300/3 1/KH, 300/31/GA, 300/32/Ka, 300/32/KH, 300/32/GA, 300/33, 300/34/Ka, 300/34/KH, 300/34/G a, 300/34/Gha, 300/35/K, 300/35/Kh, 300/35/Ga, 300/36, 300/37/Ka, 300/37/Kh, 300/40, 300/41 /Ka, 300/41/Kha, 300/41/Ga, 300/42, 300/43, 300/44, , 300/46, 300/47, 300/48, 300/49, 300/50, 3 00/51/Ka, 300/51/Kha, 300/52, 300/53, 300/54, 300/55/Ka, 300/55/Kha, 300/56, 300/57, 300/58, 300/59, 300/60, 300/61/K, 300/61/KH, 300/61/GA, 300/62, 300/63, 300/64, 300/65, 300/68, 300/ 69, 300/70, 300/71, 300/72/K, 300/72/KH, 300/72GA, 300/73, 300/74, 300/75, 300/76, 300/77/K a, 300/77/Kha, 300/77/Ga, 300/78, 300/79, 300/80, 300/81, 300/82/Ka, 300/82/Kha, 300/83, 300/84, 300/85, 300/86, 300/87, 300/88, 300/89, 300/92, 300/111, 300/113, 300/114, 300/115, 300/1 16, 300/117, 300/118, 300/119, 300/120, 300/121, 301/1, 301/2, 302/1, 302/2, 302/3, 303, 305, 306, 307, 308/1, 308/2/K, 308/2/KH, 308/2/GA, 308/3, 308/4, 308/5, 309, 310/1, 310/2, 310/3, 311/1, 311/2, 311/3, 313/1, 313/2, 313/3, 313/4, 314/1, 314/2, 315/1, 315/2/K, 315/2/KH, 316, 317, 318, 319, 321, 322, 323, 324, 325, 326, 327/1, 327/2, 328/1, 328/2, 328/3, 328/4, 329/1, 329/2, 330, 331, 332/1/K, 332/1/KH, 332/2, 332/3/K, 332/3/KH, 332/4, 332/5, 333, 334/1, 334/2, 334/3/K, 334/3/KH, 335/1, 335/2, 335/3, 336, 337, 338, 339, 340, 341, 342/1/K, 342/1/ KH, 342/2, 342/3, 342/4, 344/1, 344/2, 344/3, 344/4, 345, 346, 349, 350, 351, 352, 353, 354, 355/1/K, 355/1/KH, 355/1/GA, 355/1/GH, 355/1/AN, 355/1/CH, 355/2, 356, 358/1/Ka, 358/1/Kh, 358/2, 359/1, 359/2, 361/3, 362/1, 362/2/ Ka, 362/2/KH, 362/3, 362/4, 362/5, 362/6, 362/7, 362/8, 363/2, 693/2, 693/3, 695/1, 695/2, 696, 69 7/1, 698/1, 698/2, 698/3, 698/4, 698/5, 701, 702/1, 702/2, 703/1, 704, 705/1/KH, 705/2, 735, 736/1, 736/2, 737, 738, 739, 741, 742, 743, 744, 745/1, 745/2/KH, 745/4, 746/1, 746/2, 746/3, 751/1, 751/2, 751/3, 752, 753, 754, 757/1, 757/2, 757/3, 757/4, 757/5, 758, 759/1, 759/2, 759/3, 760, 761, 762, 763, 764/1, 764/2, 765/1, 765/2, 766/1, 766/2, 766/3, 766/4, 766/5, 766/6, 766/7, 767/1, 767/2, 767/3, 767/4, 768/1, 768/2, 768/3/K, 768/3/KH, 768/4, 769/1, 769/2, 770, 771/1, 771/2/K, 771/2/KH, 7 71/3/KH, 771/3/K, 773/1, 773/2, 773/3, 773/4, 774, 775/1, 775/2, 775/3, 776, 777, 778/1/K, 778/1/ KH, 778/1/GA, 778/1/GH, 778/2, 778/3, 778/4, 780/1, 780/2, 781/1, 781/2, 781/3, 782, 783, 784/1/ K/1, 784/1/K/2, 784/1/KH/1, 784/1/KH/2, 784/2, 784/3/K, 784/3/KH, 784/3/GA, 784/3/GH, 785/1/ K, 785/1/KH, 786/1, 786/2, 786/3, 786/4, 786/5, 787, 789/1, 789/2/K, 789/2/KH, 789/2/GA, 789/2/ GH, 789/2/Ang, 790/1/K, 790/1/KH, 790/1/GA, 790/1/GH, 790/2, 791, 792, 793, 794, 795/1, 795/2, 795/3, 796, 797, 798/1, 798/2, 799/1, 799/2, 799/3, 799/4, 799/5, 800/1, 800/2, 801/1, 801/2/Ka, 8 01/2/KH, 801/3, 802/1, 802/2, 803/1/K/1, 803/1/K/2, 803/1/K/3, 803/1/K/4, 803/1/KH, 803/2/K, 803/2/KH, 804, 805, 806, 807/1, 807/2, 807/3, 808/1/1, 808/1/2, 808/2, 808/3, 809, 810, 811/1/K, 811/1/Kh, 811/2/K, 811/2/KH, 811/3, 811/4, 811/5, 811/6, 812, 813, 814, 816, 817/1, 817/2, 817/3, 817/4, 817/5, 817/6, 817/7, 817/8, 817/9, 818/2/K/1, 818/2/K/2, 818/2/KH/2, 818/2/Ga/3, 818/3, 818/4, 818/5/K, 818/5/KH, 818/5/GA, 818/6, 818/8, 818/9/K/1, 818/9/K/2, 818/9/KH, 819/1, 819/2, 820, 821/1, 821/2, 821/3, 821/4, 822/1, 822/2, 822/3, 822/4, 822/5, 822/6, 822/7, 822/8, 822/9, 823/1, 823/2, 823/3/K, 823/3/KH, 823/3/GA, 823/4, 823/5, 823/6, 823/7, 823/8, 824/1, 824/2, 824/3, 824/4, 825, 826/1, 826/2, 826/3, 826/4, 826/5, 827, 828/1, 828/2, 829, 830/1, 831/1, 831/2, 831/3, 831/4, 832, 833/1, 833/2, 834/1, 834/2, 835/1, 835/2, 836/1, 836/2, 836/3, 836/4, 837/2, 838, 839, 840/1, 840/2, 841/1, 841/2, 841/3, 842, 843/1, 843/2, 844/1, 844/2, 845/1, 845/2, 846/1, 846/2, 846/3, 847/1, 8 47/2, 847/3, 847/4, 847/5, 847/6, 848/1, 848/2, 848/3, 849/2, 852/1, 852/2, 852/3, 852/4, 852/5, 852/6, 852/7, 852/8, 853/1, 853/2, 854/1, 854/2, 863, 865, 872, 873, 875, 876/1, 876/3, 877/1, 877/2, 878/1, 878/2, 879/1, 879/2, 879/3, 879/4, 879/5, 879/6, 880/1/K, 880/1/KH, 880/3, 880/4, 881, 882/1, 882/2, 882/3, 883/1, 883/2, 884, 885/1, 885/2, 886/1, 886/2, 888/1, 888/2, 889, 890, 891/1, 891/2, 891/3, 891/4, 892, 893/1, 893/2, 893/3, 893/4, 894, 895/1, 895/2, 895/3, 896, 897/1, 897/2, 897/3, 898, 899, 900, 901, 902, 903, 904, 905, 906, 907, 908/1, 908/2, 908/3, 909/1, 909/2, 910, 911, 912, 913, 914, 915, 916, 917, 918/1, 918/2/K, 918/2/KH, 918/2/GA, 918/3, 919, 920/1, 920/2, 921, 922/1, 922/2, 923/1, 923/2, 923/3, 923/4, 923/5, 924/1, 930/1, 930/3, 930/4, 930/5, 930/6, 931/1, 931/2, 932, 933, 934, 935, 936, 937/1, 937/2, 937/3, 937/4, 937/5, 937/6, 937/7, 938/1/KH, 938/1/GA/1, 938/1/GA/2, 938/1/GA/3, 938/1/Gha, 938/2, 938/3, 938/4, 938/5, 938/6, 938/7, 938/8, 938/9, 938/10/K, 938/10/KH, 938/10/GA, 938/11, 938/12/Ka, 938/12/Kha, 938/13/K, 938/13/KH, 938/14, 938/15, 938/16, 938/17, 938/18, 938/19, 938/20, 938/21, 938/22, 938/23, 938/24, 938/25, 938/26, 938/27, 938/28, 938/29, 938/30, 938/31, 938/32/1, 938/32/2, 938/34, 938/35, 938/36, 938/39, 938/40, 93 8/41, 938/42, 938/43, 938/44, 938/45, 938/46, 938/47, 938/48, 938/49/1, 938/49/2/Ka, 938/49/2/KH, 938/51, 938/52, 938/53, 938/54, 938/55, 938/56, 938/57, 938/58, 938/59/K, 938/59/KH, 938/ 60, 938/61/K, 938/61/KH, 938/61/GA, 938/62, 938/63, 938/64, 938/65, 938/66, 938/67, 938/68, 938/69, 938/70, 938/71, 938/72, 938/73, 938/75, 938/76, 938/77, 938/78, 938/79, 938/80, 938/81, 938/82, 938/83, 938/84/K/1, 938/84/K/2, 938/84/KH, 938/85/K, 938/85/KH, 938/85/Ga, 938/86/ K, 938/86/KH, 938/86/GA, 938/87, 938/88, 938/91, 938/94, 938/95, 938/96, 938/97, 938/98, 938/99, 938/100, 938/102, 938/103, 938/104, 938/105, 938/106, 938/107, 938/108, 938/109, 939, 940, 941, 942, 943, 945/1, 945/2, 946/1/K, 946/1/Kh, 946/1/GA, 946/1/GH, 946/1/ANG, 946/1/CH, 946/1/CHH, 946/3, 947, 948, 949, 950/1, 950/2, 951/1, 951/2, 951/3, 951/4, 951/5, 951/6, 951/7, 952/1, 952/2, 952/3, 952/4, 952/5, 953/1, 953/2, 954, 955/1, 955/2, 956, 957, 958/1, 958/2, 958/3, 958/4, 959, 960/1, 960/2/K, 960/2/KH, 960/3, 960/4, 961/1, 961/2, 962/1, 1382, 80/1/K/12, 80 /1/Ka/27, 80/1/Ka/28, 80/1/Ka/29, 80/1/Ka/30, 80/1/Ka/31, 80/1/Ka/32, 80/31, 80/71, 80/72, 80/74, 166/1, 241/K/1, 300/1/KA/2, 300/1/K/9, 300/1/K/11, 300/1/K/13, 300/1/KA/14, 300/1/KA/15, 300/1/K/17, 300/1/KA/18, 300/1/K/19, 300/1/K/22, 300/93, 300/94, 300/95, 300/96, 300/97, 300/98, 300/99, 300/100, 300/101, 300/102, 300/103, 300/104, 300/105, 300/106, 300/107, 300/108, 300/109, 300/110, 300/112, 320, 347, 357, 361/1, 755, 756, 779, 788, 815, 818/1, 849/1, 849/3, 849/4, 850, 851, 856, 880/2, 887, 924/2, 925, 926, 927, 928, 929, 930/2, 938/1/K/2, 938/37, 938/50, 938/74, 938/89, 938/90, 938/92, 938/93, 938/110, 946/2, 965/6, 965/64, 80/1/K/1, 154/1, 154/8, 158, 252, 300/1/K/1, 300/45, 300/90, 300/91, 304, 312, 343, 348, 361/2, 361/4, 692, 818/7, 837/1, 938/1/K/1, 938/93, 965/1
DURGAPUR-II/TARAIMAR & DURGAPUR-II/SARIYA COAL BLOCK	DHARMAJAIGARH VILLAGE	1113/1(P), 1113/2(P), 1114/1, 1114/2, 1114/3, 1115/1/K/1/3(P), 1115/1/K/1/6, 1115/1/ang(P), 1115/1/YN, 1115/1/Ta, 1115/1/Da(P), 1115/1/Tha, 1115/1/N, 1115/1/Ma, 1115/1/Ya, 1115/1/Ra, 1115/50, 1115/51/Ka, 1115/51/Kha, 1115/52, 1115/71, 1115/72, 1115/73, 1115/74, 1116, 1117/1/Kha/1/ka, 1117/1/Kha/1/Kha/1, 1117/1/Kha/1/Kha/2, 1117/1/Kha/2, 1117/1/Kha/3, 1117/1/K ha/4/Ka, 1117/1/Kha/4/Kha, 1117/1/Kha/1/Ga, 1117/1/Kha/1/Gha, 1117/1/Kha/1/Ang, 1117/1/Ga, 1117/2/Ka/1, 1117/2/Ka/2/1, 1117/2/Ka/2/2, 1117/2/Kha, 1117/3/Ka, 1117/3/Kha, 1117/4, 1117/5, 1117/6/Ka, 1117/6/Kha, 1117/7, 1118, 1119/1/YN, 1119/4/Ka, 1119/4/Kha, 1120/2, 1133/2(P), 1135/1, 1135/2, 1135/3, 1135/4, 1135/5, 1135/6, 1135/7, 1135/8, 1135/9, 1135/10, 1135/11, 1135/12, 1135/13, 1135/14, 1135/15, 1135/16, 1135/17, 1139/1/Ka/1, 1139/1/Ka/2/Ka, 1139/1/Ka/2/Kh, 1139/1/Kha, 1139/2, 1139/3, 1139/5, 1140/1/Ka, 1140/1/Kha/1, 1140/1/Kha/2, 1140/1/Ga, 1140/2, 1143/1, 1143/2, 1144/1, 1144/2, 1145/1, 1145/2, 1145/3/Ka, 1145/3/Kha, 1146/1, 1146/2, 1147, 1148/1, 1148/2, 1148/3, 1149, 1150/1, 1150/2, 1151, 1152, 1153/1, 1153/2, 1153/3/Ka, 1153/3/Kha, 1154/1, 1154/2, 1154/3/Ka, 1154/3/Kha, 1155/1, 1155/2/Ka, 1155/2/Kha, 1155/3/Ka, 1156/1, 1156/2, 1157/1(P), 1157/3(P), 1159/3, 1159/9, 1159/10, 1159/11, 1159/12/Ka, 1159/12/Kha, 1159/13, 1159/14, 1159/22, 1114/4, 1115/1/Dh, 1117/1/Gha, 1117/8, 1139/4, 1115/1/K/1/1, 1117/1/ka(P), 1120/1(P), 1134(P), 1139/4
DURGAPUR-II/TARAIMAR & DURGAPUR-II/SARIYA COAL BLOCK	DHARAMJAIGARH COLONY	346, 347, 350, 351, 352/1, 352/2, 352/3, 354, 355, 356/1, 356/2, 357/1, 357/2, 357/3, 358, 359, 360/1, 362, 364, 365, 366/1, 366/ 2, 366/3, 367, 368/1, 368/2, 368/3, 369/1, 369/2, 369/3, 370, 372/1, 372/2, 374, 375, 376/2, 376/3, 377/1, 377/2, 377/3, 379, 380/1, 380/2, 381/1, 381/2, 382/1, 382/2, 383/1, 383/2, 383/3, 384/1, 385/1, 385/2, 385/3, 385/4, 385/6, 385/8, 386/1, 386/2, 386/3, 388, 391/1, 3 91/2, 391/3, 391/4, 391/5, 391/6, 391/7, 391/8, 391/9, 391/10, 391/11, 391/12, 391/13, 391/14, 391/15, 391/16, 391/17, 391/18, 391/19, 391/20, 391/21, 393, 394/1, 394/2, 394/3, 395/1, 395/2, 395/3, 395/6, 397/1, 397/3, 398/1, 398/2, 398/3, 398/4, 398/5, 398/6, 398/7, 398/8, 398/9, 400/1, 400/2, 400/3, 401/1, 401/2, 401/3, 401/4, 402/1, 348, 349, 353, 360/2, 361, 363, 371, 373, 376/1, 378, 382/3, 382/4, 383/4, 384/2, 385/5, 385/7, 385/9, 386/4, 386/5, 386/6, 387, 389, 392, 395/4, 395/5, 396, 397/2, 399, 402/2, 403, 152/3 (P), 152/4 (P), , 153/2 (P), 155/2 (P), 156(P), 157/1, 157/2, 157/3, 157/4, 158, 159, 160/1, 160/2, 161, 163, 164/1, 164/2, 164/3, 165, 167/1, 167/2, 168, 169/1(P), 175, 177/1, 177/2(P), , 184/2, 185/1, 185/2, 187, 188/1, 188/2, 188/3, 189/4 (P), 221/2 (P), 221/3 (P), 221/4 (P), 221/5 (P), 221/6 (P), 222/1, 222/2, 223, 224, 307, 308, 309/1, 309/2, 309/3, 309/4, 310/2, 310/3, 310/4, 311, 316/1(P), 324/1, 324/2, 324/3, 325, 326, 338, 162, 166, 172, 173/1, 173/2, 174, 176, 178, 191, 219, 300, 318, 323/1, 332
DURGAPUR-II/TARAIMAR & DURGAPUR-II/SARIYA COAL BLOCK	MEDARMMAR	1/3, 1/4, 2/1, 2/2, 3/1, 3/2, 4/1/K, 4/1/Kha, 4/2, 5/1, 5/2, 6/1/Ka, 6/1/Kha, 6/2/K, 6/2/Kh, 7/1, 7/2, 8/1, 8/2, 8/3, 9, 10, 11, 12, 13/1, 13/2, 14/1/K, 14/1/Kh, 14/2/K, 14/2/Kh, 14/2/G, 14/3, 14/4/K, 14/4/Kh, 15/1, 15/2, 15/3, 16/1/Ka, 16/1/Kh, 16/2, 17/1, 17/2, 25/1/Ka/2, 25/1/ka/3, 25/1/Ka/4, 25/1/Ka/5, 25/1/K a/6, 25/1/Ka/7, 25/1/Ka/9(P), 25/1/Ka/20, 25/1/Ka/23(P), 25/19, 49/1/Ka/5, 49/1/Ka/6, 49/1/Ka/7, 49/1/Ka/8, 49/1/Ka/16, 49/1/Jha/1, 49/1/Jha/2, 49/1/Ba, 49/1/Sha, 50, 51/1, 51/2, 52, 53/1, 53/2, 54/1, 54/2, 55/1, 55/2, 56/1, 56/2, 56/3, 57/1/Ka/3, 57/1/Ka/4, 57/1/Ka/5, 57/1/Ka/6, 57/1/Ka/7, 57/1/Ka/8, 57/1/Kha, 57/1/Ga, 57/2, 57/3, 57/4/Ka, 57/4/Kha, 57/5/Ka, 57/5/Kha, 57/6, 57/7, 57/8, 57/9, 58/1, 58/2, 58/3, 59, 60, 61/1, 61/2, 62, 63, 64, 65, 66, 67/1, 67/2, 68, 69, 70, 71, 72, 73, 74, 75, 77/1, 77/2, 78/1 (P), 94/1/ANG, 94/1/CHA, 94/1/CHHA, 94/1/JA, 94/1/JHA, 94/1/IYA/1, 94/1/IYA2, 94/1/TA, 94/1/tha (P), 94/1/Dha, 94/1/Na/1, 94/1/Na/2, 94/2/ka, 94/2/kha, 94/3, 94/4, 94/5, 94/6, 49/1/Ka/, 49/1/Ra, 57/1/Ka/1, 57/1/Ka/2, 57/1/Gha, 1/1, 94/1/K/1(P)
DURGAPUR-II/TARAIMAR & DURGAPUR-II/SARIYA COAL BLOCK	RUPUNGA	417/1, 417/2, 417/3, 417/4, 418/2, 418/3, 418/4, 418/5, 418/6, 418/7, 418/8, 418/9, 418/10, 418/11, 418/12, 418/13, 418/14, 434, 435/7, 418/1(P), 435/1(P), 435/10, 435/11, 435/12, 435/13, 435/14
DURGAPUR-II/TARAIMAR & DURGAPUR-II/SARIYA COAL BLOCK	TARAIMAR	63/2/Dha(P), 63/2/Tra(P), 84/1(P), 84/2(P), 85/1(P), 85/2, 92/2(P), 93/2(P), 93/3(P), 93/4(P), 100/2/Ja, 100/2/Jha, 100/2/Tha, 100/2/Da/1(P), 100/2/Da/2, 100/2/Da/3, 100/2/Da/4, 100/2/Da/5(P), 100/2/Da/14, 100/2/Ta, 100/2/Da, 100/2/Na, 100/2/Pha, 100/2/Ba/1, 100/2/Ba/2, 100/2/Ba/3, 100/2/Ma, 100/2/Ya, 100/2/R, 100/2/Wa, 100/6(P), 119/1/Ka/1/1, 119/1/Ka/1/2, 119/1/Ka/1/3, 119/1/Ka/1/4, 119/1/Ka/1/5, 119/1/Ka/1/6, 119/1/Ka/1/7, 119/2, 119/3, 119/4, 120/1/Ka, 120/1/Kha/1, 120/1/Kha/2, 120/1/Ga/1, 120/1/Ga/2, 120/1/Ga/3, 120/3/Ka, 120/3/Kha, 120/4/Ka, 120/4/Kh/1, 120/4/Kha/2, 120/4/Ga/1, 120/4/Ga/2, 120/4/Ga/3, 120/4/Gha, 120/4/NG, 120/4/Cha/1, 120/4/Cha/2, 120/4/Cha/3, 120/5/Ka, 120/5/Kh, 120/5/Ga/1, 120/5/Ga/2, 120/5/Ga/3, 120/5/Ga/4, 120/5/Ga/5, 120/5/Gha, 120/5/ANG, 120/5/Cha/1, 120/5/Cha/2, , 120/5/Chha, 120/5/Ja, 120/5/Jha, 120/5/YN, 120//5/Th, 120/5/Da/1, 120/5/Da/2, 120/5/Da/3, 120/5/Da/4, 120/5/Da/5, 120/5/Dha, 120/5/N, 120/5/Ta/1, 120/5/Ta/2, 120/5/Ta/3, 120/6, 120/7, 120/8, 120/9, 120/10, 120/11, 121/1/Ka, 121/1/Kha, 121/1/Ga, 121/1/Gha, 121/1/Ng, , 121/3/Ka, 121/3/Kha, 121/3/Ga, 121/3/Gha, 121/3/NG, 122/1, 122/2, 122/3, 122/4, 122/5, 122/6, 122/7, 122/8, 122/9, 122/10, 122/11, 63/2/Cha(P), 100/2/Ka/1(P), 100/2/Ka/2, 118/2, 121/2(P), 1/1/Ka, 1/1/Kha, 1/1/Ga, 1/2/GA, 1/2/GH/1, 1/2/GH/2, 1/2/GH/3, 1/3, 1/4, 1/5, 1/6, 1/7, 2/1/K, 2/1/KH, 2/1/GA, 2/1/GH, 3/1, 4, 5/1, 5/2, 5/3, 13/1, 13/2/KH, 13/2/GHA, 13/2/ANG, 13/2/CH, 13/2/CHH/1, 13/2/CHH/2, 13/2/CHH/3, 13/2/CHH/4, 13/2/JA/1, 13/2/JA/2, 13/2/JA/3, 13/2/JA/4, 13/2/JA/5, 13/2/Jha, 13/2/IYA, 13/2/T, 13/2/TH, 13/2/D/1, 13/2/D/2, 13/2/D/3, 13/2/D/4, 13/2/Dh, 13/2/N, 13/2/Ta/1, 13/2/Ta/2, 13/2/Ta/3, 13/2/Ta/4, 13/2/ Ta/5, 13/2/Tha, 13/2/Da, 13/2/DHA, 13/2/NA, 13/2/PA, 13/2/BHA, 13/3, 14/1, 14/2/Ka, 14/2/Gha, 14/2/ANG/1, 14/2/ANG/2, 14/2/ANG/3, 14/2/CH/1, 14/2/CH/2, 14/2/CH/3, 14/2/Chha, 14/2/Ja, 14/2/Jha, 14/2/Yn/1, 14/2/Yn/2, 14/2/Yn/3, 14/2/TA/1, 14/2/TA/2, 14/2/TA/3, 14/2/TA/4, 14/2/TA/5, 14/2/Th, 14/2/D, 14/2/Dh, 14/2/N, 14/2/Dha, 14/2/Na, 14/2/Pa, 14/2/Pha, 14/3/K, 14/3/Kha, 14/4/K, 14/4/Kha, 14/4/Ga, 14/5, 14/6, 14/7, 14/8, 14/9/Ka, 14/9/Kh, 14/10/Ka, 14/10/Kha, 14/11/Ka/1, 14/11/Ka/2, 14/11/Kha, 14/12/Ka, 14/12/Kha, 14/13/K, 14/13/KH, 14/14, 14/15, 14/16, 14/17, 15/1, 15/2/K/1, 15/2/K/2, 15/2/K/3, 15/2/K/4, 15/2/Kh, 15/2/G, 15/2/Gh, 15/2/ANG, 15/2/Cha, 15/2/ Chha, 15/3, 15/4, 15/5, 15/6, 16/1/K/1, 16/1/k/2, 16/1/K/3, 16/1/K/4, 16/1/Kh, 16/1/Ga, 16/2, 17/1, 17/2, 17/3, 18/1, 18/2, 18/3, 18/4, 19, 20/1, 20/2/Kha, 20/2/Ga, 20/2/Gha, 20/2/NG/1, 20/2/NG/2, 20/2/NG/3, 20/2/NG/4, 20/2/NG/5, 20/2/Cha, 20/2/Chha, 20/3, 20/4, 21/1, 21/2, 21/3, 22/1/Ka/1, 22/1/Ka/2, 22/1/Ka/3/K, 22/1/Ka/3/Kha, 22/1/Ka/3/ga, 22/1/Ka/3/Gha, 22/1/Ka/4, 22/1/Ka/5, 22/1/Ka/6, 22/1/Ka/7, 22/1/Ka/8, 22/1/Kha, 22/1/Ga, 23/1, 23/2, 24, 25/1, 25/2, 26, 27/1, 27/2, 27/3, 28, 29/1, 29/2, 30/1, 30/2, 30/3, 30/4, 31/1, 31/2, 32/1, 32/2/K, 32/2/KH, 32/2/GA, 32/3, 33/1, 33/2, 33/3, 34/1, 34/2, 34/3, 34/4, 34/5, 35/1, 35/2, 36/1/K/1, 36/1/K/2, 36/1/K/3, 36/1/KH, 36/2, 36/3/K, 36/3/K H, 36/3/GA, 36/4, 37, 38, 39, 40/1, 40/2, 40/3, 40/4, 40/5, 41/1, 41/2, 41/3, 42/1/K, 42/1/KH, 42/1/GA, 42/1/GH, 42/1/ANG, 42/1/CHH, 42/2, 43/1, 43/2/GA, 43/2/GHA, 43/2/ANG, 43/2/CH, 43/2/CHH, 43/2/JA, 43/2/JHA, 43/2/IYA, 43/2/T, 43/2/TH, 43/2/D, 43/2/Dh, 43/2/N, 43/2/TA, 43/2/THA, 43/2/DA, 43/3/K, 43/3/Kh, 44/1, 44/2/Ka, 44/2/Kha, 44/2/Ga, 44/2/Gha, 44/2/ANG, 44/3, 44/4, 44/5, 44/ 6, 44/7, 45, 46/1, 46/2, 46/3, 46/4, 46/5, 46/6, 46/7, 46/8, 46/9, 46/10, 46/11, 46/12, 46/13, 46/14, 47/1, 47/2, 47/3, 48, 49/1, 50/1, 50/2, 51/1, 51/2, 51/3, 52/1, 52/2, 52/3, 53/1/Ka, 53/1/Kha/1, 53/1/Kha/2, 53/2/Ka, 53/2/Kha, 54/1, 54/2/Ka, 54/2/Kh, 54/3/Ka, 54/3/Kha, 54/3/Ga, 55/1, 55/2/Ka, 55/2/Kh a, 55/3, 55/4, 55/5, 55/6, 55/7,56/1,

खबर संक्षेप

दिल्ली में हिमांशु गिरोह के तीन शार्प शूटर गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली में एक नाबालिग समेत हिमांशु भाऊ गिरोह के तीन कथित शार्पशूटर को हिरासत में लिया गया तथा उनके पास से दो अत्याधुनिक अवैध पिस्तौल और 27 कारतूस जब्त किये गये। पुलिस के अनुसार आरोपियों की पहचान हरियाणा के झज्जर निवासी अजय (22), पूठ खुर्द के कन्हैया कुमार (22) और उसी इलाके के 17-वर्षीय एक किशोर के रूप में हुई है। तलाशी के दौरान पुलिस ने अजय से एक पिस्तौल और 18 कारतूस बरामद किए। कन्हैया से एक पिस्तौल और तीन कारतूस बरामद हुए।

पिता-पुत्र से 1.46 करोड़ रुपए की स्मैक बरामद

जयपुर। राजस्थान के बारां जिले में पुलिस ने 732 ग्राम स्मैक बरामद करते हुए तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि जब्त स्मैक की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग 1.46 करोड़ रुपए आंकी गई है। पकड़े गए व्यक्तियों की पहचान विमल प्रकाश महाजन, उसके पुत्र रवि मित्तल और नरेश मीणा के रूप में हुई है। तलाशी के दौरान आरोपी रवि मित्तल और विमल प्रकाश के कब्जे से 732 ग्राम अवैध स्मैक बरामद की गई, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग एक करोड़ 46 लाख 40 हजार रुपये आंकी गई है।

एक तरफ चल रही शांति समझौते की बात, दूसरी तरफ ताबड़तोड़ बमबारी

रात को ईरान ने किया ड्रोन से हमला सुबह अमेरिका ने भी कर दी बमबारी

एजेंसी ▶▶ तेहरान

अमेरिका और ईरान के बीच शनिवार को तनाव एक बार फिर बढ़ गया। देर रात जहां ईरान ने अमेरिकी सैन्य ठिकानों का ड्रोन से हमला किया वहीं सुबह अमेरिका सेना ने पलटवार करते हुए मिसाइलें दाग दीं।

अमेरिकी सेना ने कहा कि उसने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज की ओर भेजे गए ईरानी ड्रोन मार गिराए। इसके बाद अमेरिका ने ईरान के तटीय रडार और निगरानी ठिकानों पर हमला किया। दूसरी ओर ईरान ने कहा कि उसने जवाबी कार्रवाई में क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी ठिकानों और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से गुजरने की कोशिश कर रहे टैंकरों को निशाना बनाया। दोनों देशों के बीच युद्ध रोकने के लिए बातचीत जारी है, लेकिन अब तक कोई समझौता नहीं हो पाया है। अमेरिकी सेना के अनुसार ईरान ने चार ड्रोन होर्मुज स्ट्रेट की दिशा में भेजे थे। एक अमेरिकी अधिकारी ने रॉयटर्स को बताया कि इन ड्रोन का लक्ष्य क्षेत्रीय समुद्री यातायात माना जा रहा था।

ईरान ने कहा- अमेरिकी ठिकानों पर मिसाइलें दागीं

ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने कहा कि उसने होर्मुज स्ट्रेट के पास दुश्मन ठिकानों पर मिसाइल हमला किया। अमेरिकी हमलों के जवाब में क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी ठिकानों को निशाना बनाया गया। ईरान ने यह भी कहा कि उसने होर्मुज स्ट्रेट पार करने की कोशिश कर रहे चार टैंकरों पर गोलीबारी की। अमरीकी सेना के मुताबिक ईरान ने कुवैत और बहरीन की ओर 7 बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं, जिनमें 6 को हवा में ही रोक दिया गया, जबकि सातवीं अपने लक्ष्य तक नहीं पहुंच सकी।

कुवैत और बहरीन में अलर्ट

कुवैत की सरकारी मीडिया के अनुसार देश की वायु रक्षा प्रणाली अज्ञात स्रोत से आए मिसाइल और ड्रोन हमलों को रोक रही थी। बहरीन में सायरन बजाए गए और लोगों से सुरक्षित स्थानों पर जाने को कहा गया। ईरान ने कहा कि उसने दोनों देशों में अमेरिकी ठिकानों पर बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। वहीं अमेरिकी सेना ने कहा कि छह मिसाइलों को रोक लिया गया और सातवीं मिसाइल अपने लक्ष्य तक नहीं पहुंची।

बातचीत जारी, लेकिन समझौता नहीं

अमेरिका और ईरान पिछले तीन महीने से जारी युद्ध को रोकने के लिए अप्रत्यक्ष बातचीत कर रहे हैं। इन वार्ताओं का उद्देश्य एक अंतरिम समझौता करना है, जबकि ईरान के परमाणु कार्यक्रम जैसे मुद्दों पर आगे बातचीत होनी है। हालांकि बीच-बीच में होने वाली सैन्य झड़पों के कारण अब तक कोई समझौता नहीं हो सका है।

इजरायल करा रहा ट्रंप की जासूसी, खुफिया रिपोर्ट से हलचल

अमेरिका के खुफिया विभाग की एक नई रिपोर्ट में दावा किया गया है कि अमेरिका में इजरायल की खुफिया गतिविधियां बढ़ गई हैं। इजरायली खुफिया एजेंसी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की जासूसी करने में लगी हुई हैं। अमेरिकी खुफिया एजेंसी ने हाल ही में इजरायल से जुड़े काउंटर-इंटेलिजेंस खतरे का स्तर बढ़ाकर क्रिटिकल कर दिया है, जिसका मतलब है कि इजरायल अमेरिकी अधिकारियों को कभी भी निशाना बना सकते हैं। रिपोर्ट में वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारियों को संभावित निगरानी से बचने के लिए अतिरिक्त सावधानी बरतने की सलाह दी जा रही है।

355 मीटर गहरे पानी में मिला नेचुरल गैस का बड़ा भंडार

नई दिल्ली। सरकारी कंपनी ऑयल इंडिया लिमिटेड को अंडमान ऑफशोर क्षेत्र में दूसरी नेचुरल गैस खोज में सफलता मिली है। कंपनी ने विजयपुरम-3 खोजी कुएं में प्राकृतिक गैस की मौजूदगी की पुष्टि की है। इससे पहले सितंबर 2025 में विजयपुरम में 2 कुएं में भी गैस की खोज हुई थी। कंपनी के अनुसार अब तक ड्रिल किए गए तीन खोजी कुओं में से दो में हाइड्रोकार्बन की मौजूदगी मिली है। इस सफलता से अंडमान बेसिन में भविष्य की खोज गतिविधियों की संभावनाएं मजबूत हुई हैं और यह क्षेत्र तेल और गैस खोज के लिए महत्वपूर्ण बनता दिख रहा है।

परीक्षण में मिली पुष्टि

मंत्री ने कहा कि 1900 मीटर से अधिक गहराई पर इओसीन संरचना में किए गए शुरुआती उत्पादन परीक्षण के दौरान लगातार फ्लेयरिंग के माध्यम से प्राकृतिक गैस की मौजूदगी स्थापित हुई। कंपनी के अनुसार परफोरेशन के बाद कुएं में दबाव तेजी से बढ़ा और उत्पादन शुरू हो गया. इससे जलाशय की उत्साहजनक विशेषताओं का संकेत मिला।

बांग्लादेशी घुसपैठ की बड़ी साजिश नाकाम, 30 पकड़ाए

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में पहली बार भाजपा सरकार बनने के बाद अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों के खिलाफ अभियान तेज हो गया है।

मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी सरकार ने बांग्लादेशी घुसपैठियों को लेकर सख्त रुख अख्तियार किया है। इसके बाद मालदा में डिटेंशन सेंटर बनाए गए हैं। बांग्लादेश बॉर्डर पर घुसपैठियों का हुजूम उमड़ पड़ा है। सीमा पर बढ़े तनाव के बीच सीमा सुरक्षा बल ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए कथित घुसपैठ की कोशिश को नाकाम कर दिया है। पश्चिम बंगाल के कूचबिहार जिले में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास संदिग्ध गतिविधियों की सूचना मिलने के बाद बीएसएफ जवानों ने अभियान चलाया और कम से कम 30 लोगों को पकड़ा है। यह कार्रवाई सीमा पार से अवैध घुसपैठ की कोशिशों को रोकने की दिशा में एक महत्वपूर्ण सफलता मानी जा रही है।

■ बीएसएफ ने कूचबिहार बॉर्डर पर चलाया अभियान

कार के उड़े परखच्चे आप नेता समेत पांच की मौत, दो गंभीर

मोरबी। गुजरात के मोरबी जिले में शुक्रवार रात कार व ट्रक की टक्कर में आम आदमी पार्टी के एक स्थानीय नेता समेत पांच लोगों की मौत हो गई। वहीं दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा मोरबी-हलवद हाईवे पर चराडवा गांव के पास रात करीब 9:30 बजे हुआ। कार ट्रक की टक्कर इतनी भयावह थी कि कार के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार लोग अंदर फंस गए।

पुलिस के मुताबिक, सात लोग एक कार में सवार होकर हलवद तालुका के रांचोरगढ़ गांव से राजकोट जा रहे थे। कार में मौजूद 24 वर्षीय परेश धाधेया पहले एक बाइक दुर्घटना में घायल हो गए थे और उन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले जाया जा रहा था। इसी दौरान चराडवा गांव के पास सड़क पार कर रहे एक डंपर ट्रक से कार की जोरदार टक्कर हो गई। स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया गया।

इनकी हुई मौत

हादसे में आम आदमी पार्टी के तालुका पंचायत सदस्य प्रेमजी धाधेया, परेश धाधेया, सुरेश सिरोया, वीरम धाधेया और भरत धाधेया के रूप में हुई है। हादसे में घायल दो अन्य लोगों को गंभीर हालत में राजकोट के अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है।

प्रथम पृष्ठ का शेष

अंतिम संस्कार से...

परिजनों को सौंप दिया था। अब आक्रोशित परिजनों ने निजी अस्पताल प्रबंधन पर इलाज में घोर लापरवाही और जांच के बिना ही जिंदा मरीज को मृत बताने का संगीन आरोप लगाया है।

24 घंटे बाद...

अजय का कहना है कि मौत की घोषणा के 24 घंटे से ज्यादा बीत जाने के बाद भी जब शुक्रवार को अंतिम संस्कार की तैयारी हो रही थी और नाते-रिश्तेदार जुट चुके थे, तभी अचानक रामअवतार के हाथ-पांव हिलने लगे। परिजनों के मुताबिक, उस वक्त रामअवतार की सांसें चल रही थीं और उसने पानी भी पिया था। पीड़ित युवक ने हाथ हिलाया और बोलने का प्रयास भी किया।

तस्करों का फेवरेट...

जितनी मात्रा में तस्करी होती है, उसमें से महज 18 से 22 प्रतिशत गांजा पकड़ा जाता है। ओडिशा का गांजा छत्तीसगढ़ के रास्ते देश के अलग-अलग 17 राज्यों तक पहुंच रहा है।
गांजा तस्करी करने ओडिशा में किसी भी प्रकार से कोई सिंडिकेट काम नहीं करता। ओडिशा में गांजा तस्करी कराने में लिप्त दलाल देश के अलग-अलग राज्यों के तस्करों से संपर्क कर उन्हें अपने क्षेत्र में गांजा की पैदावार की जानकारी देकर सौदा करने बुलाते हैं। इसके बाद दलाल दूसरे राज्य से आए तस्कर से गांजे का सौदा कर कीमत तय करता है। इसमें दलाल द्वारा गांजा की पैकेट बनाने से लेकर गाड़ी में लोड करने तक की कीमत शामिल रहता है।

ज्यादा कमाई की लालच में तस्करी -

गांजा तस्करी करना जितना रिस्क है, कमाई उससे कई गुना ज्यादा है। इसलिए स्थानीय के साथ दूसरे राज्य के तस्कर कमाई की लालच में रिस्क उठाकर गांजा तस्करी करते हैं। ओडिशा में एक किलो गांजा की कीमत तीन से पांच हजार रुपए किलो बिकता है। वहीं गांजा स्थानीय स्तर पर 50 हजार रुपए से एक लाख रुपए किलो पर बिकता है। स्थानीय तस्कर गांजा तस्कर अपने गुर्गों (कोचिया) की मदद से गांजा का 10 से 20 ग्राम का पैकेट बनाकर बेचते हैं। 10 ग्राम का पैकेट 50 से 100 रुपए पैकेट में बेचते हैं। 20 ग्राम का पैकेट 100 से 200 रुपए में बेचते हैं। वहीं पब, क्लब और कालेज के आसपास के इलाकों या पॉश कालोनियों में पुड़िया की कीमत 500 रुपए तक हो जाती है।

सख्ती का असर...

बसों की जांच कर रही है। जांच के कारण ही रायपुर में लगातार गांजा तस्कर पकड़े जा रहे हैं। रायपुर में धमतरी, बस्तर के रास्ते तस्कर गांजा दुर्ग, राजनांगदगांव पहुंचा रहे हैं। इसी तरह से सारंगढ़-बिलाईगढ़ रूट से जो गांजा तस्करी हो रही है, वह बिलासपुर के साथ पड़ोसी राज्य मध्यप्रदेश सहित अन्य राज्यों में पहुंच रहा है।

एमपी, यूपी, राजस्थान...

का उपयोग करते हैं। इसके अलावा बड़े ट्रकों में नारियल के भूसे, नमक की बोरियों, या मवेशियों के चारे के नीचे गुप्त चैंबर (तहखाने) बनाकर तस्करी करते हैं। ट्रेनों में महिला तस्करों के जरिए कपड़ों की गठरियों में गांजा छिपाकर ले जाते हैं। हाल के दिनों में रायपुर रेंज के अलग-अलग जिलों में मध्यप्रदेश के ऐसे गांजा तस्करों का गिरोह जो बाइक में कपड़ा की फेरी लगाने वाले की भेष में गांजा तस्करी करते पकड़े गए थे।

पब कल्चर में...

तो कीमत कई गुना और बढ़ जाती है। मुंबई, दिल्ली, इंदौर जैसे महानगरों में दो से तीन ग्राम की पुड़िया बनाकर गांजा की कीमत प्रति पुड़िया 500 रुपए तक वसूलते हैं।

तस्करों के पसंदीदा...

का 'सिंघोड़ा बॉर्डर' और बसना का पूरा इलाका सीधे ओड़िशा के बरगढ़ और नुआपाड़ा से जुड़ा है। राज्य में गांजे की सबसे बड़ी और रिकॉर्डतोड़ जब्तियां इसी सिंघोड़ा नेशनल हाईवे पर नाकेबंदी के दौरान होती हैं।
गरियाबंद/धमतरी-नुआपाड़ा (देवभोग इलाका): गरियाबंद जिले का 'देवभोग इलाका' भौगोलिक रूप से ओड़िशा के नुआपाड़ा और नबरंगपुर की सीमाओं को आपस में जोड़ता है। इस रूट का उपयोग तस्कर तब करते हैं जब मुख्य राजमार्गों पर पुलिस की चेकिंग बहुत ज्यादा सख्त होती है।
कोण्डागांव - नबरंगपुर (बस्तर का सेफ पैसेज): ओड़िशा के नबरंगपुर से माल निकालकर कोण्डागांव के अंदरूनी रास्तों के जरिए रायपुर रेंज की सीमा में प्रवेश करने का यह एक समानांतर रूट है।
बस्तर - नबरंगपुर, कोरापुट (दरभा घाटी का जाल): बस्तर जिला सीधे ओड़िशा के कोरापुट बेल्ट में खुलता है। जगदलपुर और दरभा घाटी का दुर्गम रास्ता तस्करों को घने जंगलों के बीच से गांजा परिवहन करने की भौगोलिक सहूलियत देता है।
सुकमा - कोरापुट, मलकानगिरी (सबसे संवेदनशील कॉरिडोर): यह पूरे बस्तर संभाग का सबसे खतरनाक और संवेदनशील रूट है। आंध्र प्रदेश और ओड़िशा का कुख्यात 'मलकानगिरी बॉर्डर' सीधे सुकमा और बस्तर के घने अंदरूनी रास्तों से जुड़ता है। लाल कॉरिडोर (नक्सल प्रभावित क्षेत्र) होने के कारण यहां सुरक्षा एजेंसियों की हर हलचल पर तस्करों के लोकल नेटवर्क की पैनी नजर रहती है।

छत्तीसगढ़ के आयुष...

इसी निरंतर प्रदर्शन ने उन्हें टीम इंडिया के दरवाजे तक पहुंचाया है।

श्रीलंका-ए के खिलाफ ऐसी होगी 'इंडिया-ए' टीम-

चीफ सिलेक्टर अजीत अगरकर की अगुवाई वाली बीसीसीआई चयन समिति ने श्रीलंका-ए के खिलाफ जिस टीम का ऐलान किया है, उसकी कमान ध्रुव जुरेल को सौंपी गई है। टीम के अन्य खिलाड़ियों में रुतुराज गायकवाड़, देवदत्त पडिक्कल, साई सुदर्शन, आयुष पांडेय, एन. जगदीशन, अमन मोखाडे, शेख रशीद, सारांश जैन, हर्ष दुबे, यश ठाकुर, अंशुल कंबोज, गुरनूर ब्रार, आकिब नबी और जीशान अंसारी शामिल हैं।

7 साल की उम्र में शुरू किया था क्रिकेट का सफर

आयुष ने मात्र 7 वर्ष की उम्र में रायपुर की सबसे पुरानी क्रिकेट अकादमी से अपने क्रिकेट सफर की शुरुआत की थी। अंडर-14 से लेकर रणजी ट्रॉफी तक का सफर उन्होंने इसी अकादमी के प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में पूरा किया है। राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में समय-समय पर मिले विशेष प्रशिक्षण ने उनके खेल को एक नया आयाम दिया। अपनी इस शानदार उपलब्धि पर आयुष पांडेय ने कहा कि विभिन्न घरेलू टूर्नामेंटों में मिले अनुभव और बड़े मुकाबलों में खेलने से उनका आत्मविश्वास काफी बढ़ा है। उन्होंने पूरी उम्मीद जताई है कि इंडिया-ए के लिए भी वे अपनी इसी लय को बरकरार रखेंगे और टीम की जीत में अपना अहम योगदान देंगे।

निमधा में बनेगा...

स्वास्थ्य, शिक्षा, सड़क और आवास जैसी मूलभूत सुविधाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा 1 मई से 10 जून तक प्रदेशभर में सुशासन तिहार अभियान चलाया जा रहा है, जिसके अंतर्गत गांव-गांव में जनसमस्या निवारण शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि जिन समस्याओं का तत्काल समाधान संभव है, उनका मौके पर निराकरण किया जा रहा है, जबकि शेष मामलों का समाधान निर्धारित समय-सीमा के भीतर किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि सुशासन का वास्तविक उद्देश्य समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना है और राज्य सरकार इसी दिशा में पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। ग्रामीणों द्वारा बिजली आपूर्ति संबंधी समस्याएं उठाए जाने पर मुख्यमंत्री ने तत्काल बिजली विभाग के कार्यपालन अभियंता से जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को समस्या के स्थायी समाधान के निर्देश देते हुए ग्रामीणों को भरोसा दिलाया कि जल्द ही बिजली व्यवस्था में सुधार किया जाएगा।इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष समीरा पैकरा, उपाध्यक्ष राजा उपेन्द्र बहादुर सिंह, अध्यक्ष नगर पालिका परिषद गौरेला मुकेश दुबे, उपाध्यक्ष रोशनी तापस शर्मा, राजेश नंदिनी आर्मो, बृजलाल सिंह राठौर, तापस शर्मा, सचिन जैन, गंगोत्री राठौर, पवन पैकरा, मुख्यमंत्री के विशेष सचिव रजत बंसल, आईजी रामगोपाल गर्ग, कलेक्टर डॉ. संतोष कुमार देवांगन, वनमंडला अधिकारी ग्रीष्मी चांद, जिला पंचायत सीईओ मुकेश रावटे, जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक, जिला प्रशासन के अधिकारी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

ग्रामीणों की मांग पर की बड़ी घोषणाएं-

चौपाल के दौरान मरवाही विधायक प्रणव कुमार मरपच्ची एवं ग्रामीणों ने जिले में नर्सिंग कॉलेज की स्थापना, ग्राम निमधा में मिनी स्टेडियम निर्माण तथा सर्व समाज के लिए एक बड़े मंगल भवन की मांग रखी। ग्रामीणों की मांग और भावनाओं का सम्मान करते हुए मुख्यमंत्री ने मौके पर ही नर्सिंग कॉलेज, मिनी स्टेडियम और सर्वसुविधायुक्त विशाल मंगल भवन निर्माण की घोषणा कर दी।

लखपति दीदियों को करोड़पति बनने का मंत्र-

मुख्यमंत्री ने स्व सहायता समूहों की महिलाओं एवं लखपति दीदियों से मुलाकात कर उनके द्वारा संचालित विभिन्न आजीविका गतिविधियों की जानकारी ली। उन्होंने महिलाओं को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि अब उन्हें लखपति से आगे बढ़कर करोड़पति दीदी बनने की दिशा में काम करना चाहिए। इस अवसर पर लखपति दीदियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि उन्हें महतारी वंदन योजना के तहत प्रत्येक माह एक हजार रुपये की सहायता राशि मिल रही है, जिसका उपयोग वे अपने बच्चों की पढ़ाई-लिखाई एवं दैनिक कार्यों में कर रही हैं। अन्य महिला समूहों ने भी स्वरोजगार और आर्थिक सशक्तिकरण से जुड़ी प्रेरणादायक अनुभव एवं जानकारियां साझा कीं।

जल्द शुरू होगी सीएम हेल्पलाइन-

मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि प्रदेश में शीघ्र ही सीएम हेल्पलाइन शुरू की जाएगी। इस हेल्पलाइन के माध्यम से नागरिक टोल फ्री नंबर, ईमेल और व्हाट्सएप के जरिए अपनी शिकायतें दर्ज करा सकेंगे। उन्होंने बताया कि इसके संचालन के लिए 24 घंटे कार्यरत लगभग 100 कर्मचारियों की टीम बनाई गई है। शिकायतों के समयबद्ध निराकरण की व्यवस्था होगी तथा लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई भी की जाएगी।

पीएम सूर्य घर योजना की दी जानकारी-

मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन उपभोक्ताओं के बिजली बिल अधिक आए हैं, उनकी समस्याओं का समाधान विशेष अभियान के माध्यम से किया जाएगा तथा सरचार्ज में भी राहत दी जाएगी। उन्होंने पीएम सूर्य घर योजना की जानकारी देते हुए कहा कि केंद्र और राज्य सरकार द्वारा दी जा रही सब्सिडी का लाभ उठाकर उपभोक्ता बिजली खर्च में कमी ला सकते हैं।

आरआई को लगाई...

स्पष्ट शब्दों में कहा कि ग्रामीणों की समस्याओं का समय पर निराकरण करें और अपने दायित्वों का ईमानदारी से निर्वहन करें, अन्यथा कड़ी कार्रवाई के लिए तैयार रहें।

बाइक चोरी के...

चालक उत्तम ने दो युवकों को बाइक धक्का देकर ले जाते हुए देखा और इसकी सूचना सुरक्षाकर्मियों को दी। सूचना मिलते ही सुरक्षाकर्मियों ने दोनों युवकों का पीछा किया। इस दौरान कोसाबाड़ी चौक के पास पंप हाउस निवासी विशाल सागर नामक युवक को पकड़ लिया गया। आरोप है कि आरोपी को नजदीकी सिविल लाइन थाने ले जाने के बजाय सुरक्षाकर्मी उसे वापस मेडिकल कॉलेज परिसर ले आए। बताया जा रहा है कि अस्पताल परिसर में युवक को उसकी शर्ट से बिजली के खंभे से बांध दिया गया और उसकी जमकर पिटाई की गई। इस दौरान आरोपी लगातार माफी मांगता रहा, लेकिन किसी ने उसकी बात नहीं सुनी। घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें युवक खंभे से बंधा नजर आ रहा है। कंट्रोल रूम से सूचना मिलने के बाद पुलिस की पेट्रोलिंग टीम मौके पर पहुंची और युवक को अपने कब्जे में लेकर थाने ले गई। अगले दिन बाइक मालिक राजेंद्र पटेल ने चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई, जिसके आधार पर पुलिस ने आरोपी विशाल सागर के खिलाफ मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

जर्जर भवन और...

स्कूलों को चिन्हित किया जाता है। जिसकी मरम्मत के लिए उच्च स्तर पर पत्राचार भी होता है। लेकिन शाला भवन की स्थिति को सुधारने के लिए सारे प्रयास सिर्फ कागजों तक ही सिमित दिखाई देते हैं और जमीनी स्तर पर इसकी हकीकत काफी दूर नजर आती है। जिसके चलते बच्चे इन्हीं जर्जर भवन और टूटे फर्नीचर में बैठकर पढ़ने मजबूर हो रहे हैं।

0 दो वर्षों से नहीं हुआ मरम्मत-

जिले में बीते दो-तीन वर्षों से शिक्षा विभाग के माध्यम से जर्जर स्कूल भवनों को चिन्हित तो किया गया है, लेकिन इसकी मरम्मत नहीं हो पा रही है। जिले में 531 भवन मरम्मत योग्य हैं जहां कक्षाएं भी संचालित होती है। संबंधित विभाग की गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि मरम्मत योग्य भवन होने के बाद भी नौनिहालों को जर्जर भवनों में पढ़ाया जा रहा है।

0 कार्य की गति धीमी-

सत्र 2025-26 में शासन द्वारा भवन की आवश्यकता अनुसार 12 शासकीय शालाओं में नवीन भवन निर्माण कार्य हेतु 2 करोड़ 49 लाख रूपये की स्वीकृति दी गई है। वहीं अतिरिक्त कक्ष निर्माण हेतु कुल 122 शालाओं के लिए लगभग 23 करोड़ रुपये का प्रस्ताव भेजा गया है । लेकिन सभी पर कार्य की गति काफी धीमी बनी हुई है।

मीटर से ही...

इसके लिए छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनी को बिजली नियामक आयोग से मंजूरी लेनी पड़ेगी। ऑनलाइन रीडिंग सिस्टम से पॉवर कंपनी को माह करीब छह करोड़ की बचत होगी। वहीं दूसरी ओर करीब 5000 रीडर बेरोजगार हो जाएंगे। केंद्र सरकार की योजना के तहत छत्तीसगढ़ में स्मार्ट मीटर लगाने का काम चल रहा है। प्रदेश के 65 लाख से ज्यादा बिजली उपभोक्ताओं में से करीब 35 लाख के मीटरों को बदलकर स्मार्ट मीटर लगा दिए गए हैं। बचे मीटरों को भी बदलने का काम चल रहा है, लेकिन अब किसी भी उपभोक्ता को स्मार्ट मीटर लगाने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता है। पहले सभी उपभोक्ताओं के मीटरों को बदलने के बाद कनेक्शनों को प्रीपैड करने की योजना थी। लेकिन अब यह योजना खटाई में पड़ गई है। केंद्रीय ऊर्जा मंत्रालय ने खुद ही इसको रद्द कर दिया है। उत्तर प्रदेश में प्रीपैड मीटरों को लेकर विवाद के बाद यह बात सामने आई कि एक्ट में प्रीपैड का प्रावधान ही नहीं है। ऐसे में ऊर्जा मंत्रालय को अपना पुराना आदेश बदलना पड़ा है।

मीटर से सीधे कंट्रोल रूम में रीडिंग -

अब गुढियारी के कंट्रोल रूम से सीधे उपभोक्ताओं की माह के अंतिम दिन की रीडिंग देखकर बिल आएगा। ऐसा ही जून के बिल में किया गया है। ऐसा होने से 30 दिनों के स्थान पर ज्यादा दिनों में रीडिंग होने की शिकायत भी नहीं रहेगी। इसका बड़ा फायदा पॉवर कंपनी को यह होगा कि उसके हर माह करीब छह करोड़ बचेंगे। इस समय प्रदेश में 65 लाख से ज्यादा उपभोक्ता हैं। इनकी रीडिंग करने के लिए रीडरों को शहरों से ग्रामीण क्षेत्र में 8 से 12 रुपए प्रति कनेक्शन के हिसाब से पैसे दिए जाते हैं। ऐसे में हर माह करीब छह करोड़ खर्च होते हैं।

पांच हजार रीडर होंगे बेरोजगार -

रीडिंग ऑनलाइन होने का सबसे बड़ा नुकसान यह होगा कि प्रदेश के पांच हजार से ज्यादा रीडर बेरोजगार हो जाएंगे। रीडर अभी से ऑनलाइन रीडिंग का विरोध कर रहे हैं। रीडरों का कहना है कि अगर रीडिंग ऑनलाइन की जाती है तो उनको कंपनी में और कोई काम दिया जाए।

		56/2, 56/3/Ka, 56/3/Kha, 56/4, 56/5, 57/1, 57/2, 57/3, 58/1/Ka, 58/1/Kha, 58/1/Ga, 58/2, 59/1/Ka, 59/1/Kha, 59/1/Ga, 59/2/Ka, 59/2/Kha, 59/2/Ga, 60/1, 60/2, 60/3, 60/4, 60/5, 61/1, 61/2, 61/3, 62, 63/1, 63/2/ka, 63/2/Ja, 63/2/YN, 63/2/Ta, 63/2/Tha, 63/2/D, 63/2/d ha, 63/2/tra, 63/3, 63/5/Ka, 64/1, 64/2, 64/3, 64/4, 64/5, 64/6, 64/7, 64/8, 65/1/Ka/1, 65/1/Ka/2, 65/1/Kha, 65/2/Kh, 65/4/K/1, 65/4/K/2, 65/4/K/3, 65/5/1, 65/5/2, 66/1, 66/2, 67/1/Ka, 67/2/Kha, 67/2, 6 7/3, 67/4, 68/1, 68/2, 68/3, 68/4, 69/1, 69/2, 70/1, 70/2, 71, 72/1/k, 72/1/ga, 72/1/gha, 72/2, 72/3, 72/4, 73, 74, 75/1, 75/2, 76/1, 76/2, 77/1, 77/2/ka, 77/2/kha, 78/1, 78/2, 78/3, 78/4, 78/5, 78/7, 78/6, 78/8, 79/1, 79/3, 79/4, 80, 81/1, 81/2, 81/3, 81/4, 82/1, 83, 84/1(P), 84/2(P), 85/1(P), 86/1, 86/2, 87/1, 87/ 2, 87/3, 87/4, 88, 89/1, 89/2, 90/1, 90/3, 91/1, 91/2, 91/3, 92/1, 92/2(P), 92/3(P), 93/4(P), 93/5, 94/2/Kha, 94/2/Ga, 94/2/Gha, 94/2/ANG, 94/2/Ch, 94/2/Chha, 94/2/Ja, 94/3, 94/4, 94/5, 94/6, 100/2/D/ 6, 100/2/D/7, 100/2/D/8, 100/2/D/9, 100/2/D/10, 100/2/D/11, 100/2/D/12, 13/2/Ka/2, 13/2/Ga, 14/2/Kha/2, 14/2/Kha/3, 14/2/Ga, 20/2/Ka/1, 20/2/Ka/2, 20/2/Ka/3, 20/6, 43/2/Ka, 43/2/Kha, 49/2, 6 3/2/Kha/2, 63/2/Ga, 63/2/Gha, 63/2/NG, 63/2/Cha, 63/2/Chha, 63/2/Jha, 63/11, 65/6, 72/1/Kha, 79/2, 82/2, 90/2, 1/2/Ka, 1/2/Kha, 13/2/Ka/1, 14/2/Kha/1, 20/5, 63/2/Kha/1, 65/2/Ka, 94/2/Ka

BOUNDARY DESCRIPTION:

No.	Description
1-2-3-4-5	The Taraimar boundary starts from Point No.1 (Cardinal Point P578) in South West of Bayasi Village and passes along north direction in Bayasi village along Point No.2 (cardinal Point No.P585) to beyond point No.3 (Cardinal Point P604) and enters in Rupunga Village and passes from point No 4 (P683) to Point No 5 (Cardinal Point P738) in Rupunga Village.
5-6-7-8-9	The line from Point No.5 (Cardinal Point P738) passes from Rupunga village and enters in Dharmajaigarh Colony and passes from Point No 6 (Cardinal Point P484), & Point No 7 (Cardinal Point P492) and crossing Bayasi village and entering into Dharamjaigarh colony and once again crossing Bayasi village and enters in Dharmajaigarh colony and passes upto Point No 8 (Cardinal Point P508) and there after crossing Taraimar village and Dharamjaigarh colony and enters into Taraimar village and passes up to Point No.9 (Cardinal Point P516).
9-10	The boundary line from point No.9 (Cardinal Point P516) passes towards north in Taraimar village and passes upto Point No.10 (Cardinal Point P295). The Point 9 (Cardinal Point P516)-Point 10 (Cardinal Point P295) is the common boundary between Taraimar and Sariya Coal block.
10-11-12	The Boundary line from Point No.10 (Cardinal Point P295) moves towards Southeast in Taraimar village and enters in Bayasi colony passes up to Point No.11 (Cardinal Point P303) and moves towards Northeast in Bayasi colony and passes through Taraimar village and Dharamjaigarh colony up to Point No.12 (Cardinal Point P383)
12-13-14-15-16-17	The boundary from Point No.12 (Cardinal Point P379) moves towards south east up to Point No 13 (Cardinal Point NB-1) in Dharamjaigarh Colony and moves towards north east and passes up to Point No 14 (Cardinal Point NB-2) in Dharamjaigarh colony and turns towards south east and passes from Point No 15 (Cardinal Point NB-3) & 16 (Cardinal Point NB-4) in Dharamjaigarh Colony and Dharmajaigarh and from point No 16 (Cardinal Point NB-4) takes south direction and then turns towards south east direction and passes up to Point No 17 (Cardinal Point NB-5) in Dharamjaigarh.
17-18-19-20-21-22-23-24	The Boundary from point No 17 (Cardinal Point NB-5) passes towards North up to Point No 18 (Cardinal Point P99) in forest land and turns towards east up to point no 19 (Cardinal Point P108) and turns towards south east and passes from Point No 20 (Cardinal Point P145) & 21 (Cardinal Point P175) in forest land up to point No 22 (Cardinal Point P198) and turns towards south west and pass up to Point No 23 (Cardinal Point P230) and turns and pass through forest land up to Point No 24(Cardinal Point P248).
24-25-26-9	The Boundary from Point 24 (Cardinal Point P248) turns towards west and passes through Dharamjaigarh, Forest land and Medarmmar village up to point No 25 (Cardinal Point P278) and from Point No 25 (Cardinal Point P2478) take turn towards North and move towards Point no 26 (Cardinal Point P525) up to Point no.9 (Cardinal Point P516) passes through Bayasi colony and Taraimar village. The line from Point No 25 (Cardinal Point P278) to point No 26(Cardinal Point P525) to Point No.9 (Cardinal Point P516) is the common boundary between two coal blocks allotted to KPCL.
25-27-28-1	The Boundary from Point No 25 (Cardinal Point P278) moves towards northwest upto Point No 27 (Cardinal Point P534) and turns towards west and passes from point No 28 (Cardinal Point P555) and ends at starting point No.1(-Cardinal Point P578). The line passes through Taraimar village, Bayasi colony and Bayasi village.

[F. No. 43015/16/2025-LAIR]
Dr. MANIK CHANDRA PANDIT, Economic Adviser

फीफा वर्ल्ड कप 2026

रोमांच-जुनून का ग्रैंड इवेंट

48 देशों के 1248 खिलाड़ी, फीफा वर्ल्ड कप-2026 को हासिल करने के लिए आगामी 11 जून से 19 जुलाई तक एक-दूसरे से मुकाबला करेंगे। इस दौरान सिर्फ आयोजक देशों में ही नहीं पूरी दुनिया में रोमांच और जुनून का सुरूर छाया रहेगा। इस ग्रैंड ग्लोबल स्पोर्ट इवेंट में इस बार क्या कुछ होगा खास, क्या होगा पहली बार, इसके तमाम पहलुओं पर एक नजर।

कवर स्टोरी

साशा

इसी सप्ताह 11 जून से फुटबॉल के सबसे बड़े अंतरराष्ट्रीय आयोजन फीफा वर्ल्ड कप का आगाज हो रहा है, जो 19 जुलाई 2026 तक चलेगा। 11 जून से 19 जुलाई 2026 के बीच दुनिया फुटबॉल के रंग में रंगी रहेगी। भले भारत की फुटबॉल टीम अब तक के बेस्ट 48 टीमों वाले विश्व कप का हिस्सा न हो, लेकिन भारत भी इस जुनून का हिस्सा होगा। भारत में इस दौरान तूफानी दिन नहीं रातें होंगी, क्योंकि अमेरिका और लैटिन अमेरिका में फीफा वर्ल्ड कप के मैच जब खेले जाएंगे, उस समय भारत में दिन नहीं रात होगी।

दिखेगा खेलप्रेमियों का उमंग

फुटबॉल के इस विश्व कप को लेकर पूरी दुनिया में गहमा-गहमी अपने चरम पर पहुंच चुकी है। क्योंकि फुटबॉल के तूफान का रिश्ता सिर्फ खेल भर से नहीं होता, वैश्विक राजनीति, अर्थव्यवस्था, संचार, तकनीक, वैश्वीकरण, पर्यटन आदि से भी इसका उतना ही संबंध होता है, जितना खेल से। यही कारण है कि दुनिया की धड़कनें फुटबॉल को लेकर बहुत तेज हो चुकी हैं। आने वाले दिनों में स्टेडियमों की रोशनी आसमान को बार-बार चमकाती दिखाई देगी। सड़कों पर रात-रात भर जश्न होगा। करोड़ों और कई बार तो अरबों लोग एक साथ टीवी स्क्रीन से चिपके होंगे।

जुनून का महाविस्फोट

केवल रियल वर्ल्ड में ही नहीं सोशल मीडिया पर भी आगामी दिनों में हर दिन नया इतिहास लिखा जाएगा और ऐसा हो भी क्यों न? दुनिया का सबसे बड़ा खेल महाकुंभ के आयोजन में ऐसा होना स्वाभाविक ही है। जानकार जानते हैं कि यह सिर्फ फुटबॉल के रोमांच की उमंग भर नहीं होगी, इसमें शामिल होंगे भावनाओं के ज्वार-भाटे, राष्ट्रवाद, तकनीक, अरबों डॉलर का कारोबार, इस सबके चलते ग्लैमर और जुनून का महाविस्फोट साबित होगा 2026 का फीफा वर्ल्ड कप।

तीन देशों में होगा आयोजन

शायद यह अकेली ऐसी खेल घटना होगी, जिसकी गूंज इस वर्ल्ड कप के दौरान दुनिया के हर कोने में सुनी जाएगी। इस बार तो ऐसा इसलिए भी है, क्योंकि आज तक कभी भी 48 फुटबॉल टीमें एक साथ विश्व कप को जीतने मैदान में नहीं उतरी थीं। सिर्फ यही इस महाकुंभ की खासियत नहीं होगी बल्कि पहली बार इस खेल महाकुंभ का आयोजक कोई एक देश या दो देश नहीं बल्कि तीन देश होंगे। जी हां, जून 2026 से शुरू हो रहे फीफा वर्ल्ड कप फुटबॉल के मेजबान अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको होंगे यानी सही मायनों में यह रोमांच का ग्लोबल कर्निवाल होगा।

होंगे नए मेगा ग्लोबल एक्सपीरियंस

आकार में यह फुटबॉल विश्व कप अब तक सबसे बड़ा आयोजन होगा, क्योंकि इसमें 48 टीमें भाग ले रही हैं, जिनके 104 मुकाबले होंगे। इसके हर मुकाबले को देखने के लिए लाखों दर्शक स्टेडियमों में और करोड़ों टीवी स्क्रीन से सटे होंगे। अरबों लोग इसे डिजिटल प्लेटफॉर्म पर फॉलो करेंगे और हां, इस बार के फुटबॉल विश्व कप को जितने विज्ञापन मिले हैं और जितनी स्पोंसरशिप इस कप को मिली है, उतने विज्ञापन और स्पोंसरशिप आजतक दुनिया के किसी भी बड़े से बड़े टूर्नामेंट को नसीब नहीं हुए।

यह सचमुच फीफा के इतिहास का मेगा ग्लोबल एक्सपीरियंस होगा। यह ऐसा विश्व कप होगा, जिसमें एआई आधारित कैमरे, रियल टाइम डेटा एनालिसिस, स्मार्ट स्टेडियम और अत्याधुनिक प्रसारण तकनीक बड़े पैमाने पर इस्तेमाल होगी यानी दर्शक सिर्फ मैच नहीं देखेंगे डिजिटल फुटबॉल के रोमांच से भी दो-चार होंगे। शायद इसलिए अब कहा जा रहा है फुटबॉल खेल नहीं, अब यह एक विश्व संस्कृति बन चुकी है और ऐसा हो भी क्यों न, फुटबॉल के अलावा और भला कौन-सा ऐसा खेल है, जो अमीर-गरीब, भाषा-धर्म और सीमाओं से उठकर लोगों को जोड़ देता है। ब्राजील की गलियों से लेकर अफ्रीका के गांवों तक यूरोप के पबों से लेकर भारत के कस्बों तक इस आगामी एक महीने तक हर जगह फुटबॉल का यह जुनून दिखेगा।

इकोनॉमी को मिलेगा बूम

इस बार का विश्व कप अरबों डॉलर फुटबॉल इकोनॉमी का मॉडल भी होगा यानी, यह केवल खेल नहीं बल्कि विशाल आर्थिक इंजन भी होगा। विशेषज्ञों के मुताबिक 2026 का फुटबॉल विश्व कप पर्यटन उद्योग, होटल व्यवसाय, एयरलाइंस, विज्ञापन, स्पोर्ट्स मर्चेनडाइज और डिजिटल स्ट्रीमिंग में रिकॉर्ड कारोबार पैदा करेगा।

भारत में भी बढ़ रही दीवानगी

खुशी की बात यह है कि भारत में भी फुटबॉल करवट ले रहा है। पिछले दशक में फुटबॉल का जुनून तेजी से बढ़ा है। इंडियन सुपर लीग और यूरोपीय क्लब फुटबॉल की लोकप्रियता में युवाओं में इस खेल को लेकर एक नई तरह की दीवानगी पैदा हुई है। केरल, पश्चिम बंगाल, गोवा और उत्तर-पूर्व के राज्यों में तो विश्व कप के दौरान किसी त्योहार के माफिक माहौल हो जाता है।

कई गांवों में तो ब्राजील और अर्जेंटीना के झंडे तक दिखाई देते हैं। यह राष्ट्रवाद के साथ कोई विश्वासघात नहीं बल्कि फुटबॉल के जुनून का नशा है। इस दौरान भारत में भी पूरे समय फुटबॉल का जुनून देखने को मिलेगा। दर्शकों और डिजिटल व्यूअरशिप की एक महाशक्ति है अपना देश, इस लिहाज से भारत भी इस विश्व कप का बड़ा और अंतरंग हिस्सा होगा। *

रोनाल्डो का होगा आखिरी वर्ल्ड कप!

2022 के फुटबॉल विश्व कप को लोगों ने लियोनेल मैसी के जादू के रूप में याद रखा। लेकिन 2026 का विश्व कप शायद नई पीढ़ी के उदय का मंच होगा। यह वह महाकुंभ होगा, जहां नई पीढ़ी अपने आगाज का शंखनाद करेगी और इस बार दुनिया की नजरें खासतौर पर इन खिलाड़ियों पर रहेंगी- क्यालियन मबापे, जूड बेलिंघम, एर्लिंग हालैंड और विनीसियस जूनियर। फुटबॉल के जानकार मान रहे हैं कि 2026 का फीफा विश्व कप पोस्ट मैसी-रोनाल्डो युग की असली शुरुआत होगा। हालांकि करोड़ों प्रशंसकों की उम्मीद है कि क्रिस्टियानो रोनाल्डो आखिरी बार विश्व कप में दिखेंगे। इन पंक्तियों के लिखे जाने तक यह सौ फीसदी उम्मीद है कि रोनाल्डो अपना आखिरी विश्व कप खेलेंगे, जो कि संभवतः उनके करियर का आखिरी वर्ल्ड कप होगा। उनके होने की अभी तक उम्मीद इसलिए बरकरार है, क्योंकि वह लगातार पुर्तगाल की टीम का हिस्सा बने हुए हैं और पुर्तगाल ने विश्व कप के लिए क्वालीफाई कर लिया है। हाल में ईफा नेशनल लीग में भी रोनाल्डो ने शानदार प्रदर्शन किया है। इससे भी उनके होने की उम्मीद बनती है और ऐसा हुआ तो वह रिकॉर्ड छठा फीफा वर्ल्ड कप खेलेंगे। इसके पहले वह 2006, 2010, 2014, 2018 और 2022 का विश्व कप भी खेल चुके हैं। तो उम्मीद करिए कि यह रोनाल्डो की अंतिम महान यात्रा हो। पुर्तगाल के कप्तान ब्रूनो फर्नांडिस ने भी कहा है कि टीम रोनाल्डो को विश्व कप ट्रॉफी देकर विदा करेगी। दो दशकों से अधिक से रोनाल्डो इस महान खेल का हिस्स हैं, उन्होंने खेल से मिलने वाली लगभग हर चीज हासिल कर ली है। विभिन्न देशों के लीग खिताब, चैंपियंस लीग, बैलोन डि'ओर, अंतरराष्ट्रीय रिकॉर्ड और एक ऐसा करियर जो 25वें सीजन तक फैला हुआ है और एक हजार गोलों की ओर बढ़ रहा है।

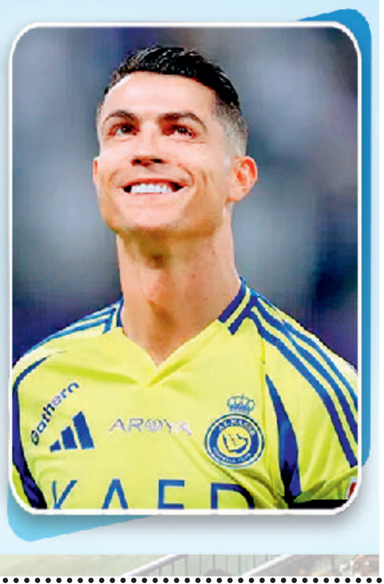

कविता

पुरुषोत्तम व्यास

पारिजात के फूल

बड़ा अजीब-सा महसूस करता
जब से उनके बारे में
जान पाया
निशा में खिलते
भोर में जाते झर
लगता
निशा में कोई उनसे अनुराग भरी
बातें करता होगा
सुबह फिर मिलने का वादा कर
चला जाता होगा
उसी प्रेम की याद में झर जाते होंगे
फिर भी
खिले-खिले मनभावन खुशबू लेकर
स्वर्ग लोक के फूल।

लघुकथा / संजीव ठाकुर

दुकानदार

एआई इमेज

वह कपड़ों की दुकान थी, जिसमें ज्यादातर पुरुषों के लिए पैंट और शर्ट के कपड़े मिलते थे। एक ग्राहक अकसर उस दुकान पर आया करता था। एक बार जब वह अपने लिए पैंट-शर्ट के कपड़े खरीद चुका, दुकानदार बोला, 'और कुछ चाहिए सर? हमारे यहां ओढ़ने-बिछाने की चादरें भी मिलती हैं। आप देखना चाहेंगे? शहर की किसी भी दुकान की तुलना में यहां चादरें आपको सस्ती पड़ेंगी! डबल बेड की चादरें दिखाऊं?' ग्राहक बहुत दिनों से ओढ़ने की चादरें लेना चाह रहा था, लेकिन उसे ढंग की चादरें नहीं मिल रही थीं। वह बोला, 'डबल बेड की तो रहने दीजिए, ओढ़ने की दिखाइए।' दुकानदार ने अपने स्टाफ से चादरें मंगवाईं और चादरों की तारीफ करते हुए ग्राहक को दिखाने लगा, 'देखिए, इसकी क्वालिटी देखिए-ए वन!' ग्राहक ने सिंगल कलर की चादरें लेने की सोच रखी थी, लेकिन चादर के एक ओर डिजाइन बना देखकर उसका मन डोलने लगा। उसने दुकानदार से कहा, 'यह तो मुझे ओढ़ने की नहीं बिछाने की चादर लग रही है!'

'नहीं सर, ओढ़ने की ही है। ये देखिए, इसके चारों किनारों को किस तरह सिला गया है?' ग्राहक का मन डोल ही रहा था कि दुकानदार ने चादरों की कीमत बता दी, 'सिर्फ साढ़े चार सौ में दो चादरें हैं सर!' चादरों की कीमत सुनकर ग्राहक को सुखद आश्चर्य हुआ। सचमुच इतनी कम कीमत में चादरों का मिलना मुश्किल था। उसने दुकानदार से पचास रुपए कम करवाकर चादरें ले लीं। कुछ महीनों बाद उसी ग्राहक को बिछाने की चादरों की दरकार हुई। वह उसी दुकान पर पहुंच गया। डबल बेड की दो चादरें लेने के बाद उसने सिंगल बेड पर बिछाने की चादरें दिखाने को कहा। दुकानदार ने चादरें मंगवाईं। ग्राहक उन्हें देखते ही बोला, 'ये बिछाने की हैं? पिछली बार तो आपने इसे ओढ़ने की कहकर मुझे दिया था?' 'ये चीज ही ऐसी है सर कि इसे ओढ़ने, बिछाने, दोनों कामों में लाया जा सकता है।' दुकानदार ने कहा और अपनी खीसें निपोर दीं! *

व्यंग्य / विनोद कुमार विक्की

कैमरा ऑन, स्माइल प्लीज!

अगली बार जब कोई कहे 'स्माइल प्लीज', तो समझ जाइए आपको कोई खुशी नहीं दी जा रही, आपकी 'छवि' ली जा रही है। आप खुश हों या न हों, अगर कैमरा सामने ऑन हो तो मुस्कुराना ही होगा।

गहन शोध, आधे-अधूरे निष्कर्ष और पूरे आत्मविश्वास के साथ यह सनसनीखेज खुलासा हुआ है कि एक फिल्म का लोकप्रिय गीत 'मुस्कुराने की वजह तुम हो' वाला 'तुम' कोई इंसानी काया नहीं, बल्कि एक प्रभावशाली, किंतु भावशून्य उपकरण है। नब्बे फीसदी इंसान सिर्फ इसी उपकरण के सामने मुस्कुराते हैं। यह उपकरण कुछ और नहीं बल्कि कैमरा है। जी हां, वही कैमरा, जिसके सामने आते ही इंसान अपने समस्त दुःख-दर्द को ऐसे समेट लेता है, जैसे आम चुनाव के भाषण में नेताजी पिछले वर्ष की अधूरी घोषणाओं को समेट लेते हैं, और सरकार वित्तीय बजट में घाटा समेटती है। जैसे ही पेशेवर स्टूडियो के फोटोग्राफर द्वारा 'स्माइल प्लीज' का निर्देश प्राप्त होता है, या सेल्फी स्टिक पर टिके मोबाइल का फ्रंट कैमरा ऑन होता है, चेहरे पर जमी चिंता की धूल झट से उड़ जाती है और होंठों पर 3 से 5 सेंटीमीटर की मानक मुस्कान स्वतः चिपक जाती है।

यह मुस्कान इतनी अनुशासित होती है कि जाति, धर्म, लिंग, रंग, सब सीमाएं पार कर जाती है। नर, मादा, अन्य, काला, गोरा, सांवला आदि सबके चेहरे पर एक समान 'फोटो फ्रेंडली' लोकतंत्र दिखाई देता है। परंतु विडंबना देखिए, यह मुस्कान उतनी ही टिकाऊ होती है, जितने चुनावी वादे।

क्लिक होते ही मुस्कान का पुष्पक विमान सीधे वास्तविकता की शोक-वाटिका में क्रैश लैंडिंग कर देता है। फोटो में हम जितने खुश दिखते हैं, असलियत में उतने ही ईएमआई, महंगाई और बॉस के व्हाट्सएप मैसेज से त्रस्त होते हैं। उम्र से पहले ही जिम्मेदारी और परेशानियों के कारण चेहरे पर झुर्रियों की लक्ष्मण रेखाएं खिंच जाती हैं। सच तो यही है कि आज की भाग-दौड़ भरी जिंदगी में मुस्कुराना एक 'इवेंट' बन चुका है, जो मुख्यतः कैमरे के सामने ही आयोजित होता है। लगता है जैसे भाग-दौड़ भरी जिंदगी और अति व्यस्तता के बीच मुस्कान ने स्वैच्छिक अवकाश ले रखा है।

कार्यालय में काम का दबाव, वरीय पदाधिकारी का तनाव, घर में 'घरेलू प्रेशर', बाजार की महंगाई और बैंक की ईएमआई, इन सबने मिलकर होंठों की नैसर्गिक पहचान यानी, मुस्कान को जैसे गिरवी रख दिया है। ऐसे में बेचारा इंसान जब-तब मुस्कुराने के लिए अवसर ढूंढ़ता फिरता रहता है। तभी संकटमोचक बनकर प्रकट होता है, कैमरा! वह बिना किसी शर्त के प्रेमी-प्रेमिका की भूमिका निभाते हुए सामने खड़ा हो जाता है और कहता है, 'आओ, लल्ला कुछ सेकेंड के लिए थोबड़े पर मुस्कुराहट लाओ ताकि हम उस छवि को कैद कर सकें।' बस फिर क्या, जो मुस्कान बेमियादी हड़ताल पर थी, वह भी तुरंत एक्टिव हो जाती है और चेहरे पर 'इमरजेंसी स्माइल' आ जाती है।

मजेदार बात यह है कि कैमरे के कारण हमें नकली मुस्कान हासिल होती है, जबकि कुछ घटनाएं स्वाभाविक (नेचुरल) मुस्कान का अवसर भी प्रदान करती हैं। दूसरों की असफलताओं पर, पड़ोसियों को दुःखी देखकर अथवा रिश्तेदारों के नुकसान या पतन पर भी एक हल्की-सी 'आंतरिक मुस्कान' जरूर उग आती है, जिसे हम सामाजिक संतुलन बनाए रखने के लिए चेहरे पर प्रकट नहीं होने देते। आत्मिक सुख के साथ हम मन ही मन उसका आनंद लेते रहते हैं। यद्यपि चलते-फिरते किसी परिचित चेहरे से सामना होने पर भी मुस्कुराने का अभिनय किया जाता है।

मुस्कुराहट के नवीनीकरण की जिम्मेदारी अब तो शहर में लगी तख्तियों ने अपने ऊपर ले रखी है, 'मुस्कुराइए, आप झुमरीतलैया में हैं', 'मुस्कुराइए, आप हाईटेक स्माइल सिटी में हैं!' असल में ये कोई साधारण संदेश नहीं, बल्कि सांस्कृतिक अनुस्मारक हैं, 'भाई, यहां मुस्कुराना मत भूल जाना, वरना लोग पहचान लेंगे कि तुम सच में परेशान हो!' मनोचिकित्सक भी सलाह देते हैं, 'हंसते रहिए, मुस्कुराते रहिए।' इसी सलाह को उद्योग का रूप देते हुए लाफ्टर शो, हास्य कवि सम्मेलन और अब रील संस्कृति भी मैदान में उतर चुकी है। लोग हंसने के लिए वीडियो देखते हैं और वीडियो बनाने के लिए हंसते हैं, यह एक आत्मनिर्भर चक्र है। मुस्कान अब भाव नहीं, एक 'प्रोजेक्ट' बन चुकी है, जिसका उद्घाटन कैमरे के सामने होता है और समापन तुरंत बाद। इसलिए अगली बार जब कोई कहे 'स्माइल प्लीज', तो समझ जाइए आपको खुशी नहीं दी जा रही, आपकी 'छवि' ली जा रही है। अंततः निष्कर्ष यही है कि आप खुश हों या न हों, अगर कैमरा सामने ऑन हो तो मुस्कुराना ही होगा। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

स्मृतियों की कतरनें

वरिष्ठ साहित्यकार नवनीत मिश्र के छोटे-छोटे संस्मरणों की किताब 'कितना कुछ तो है' हाल में प्रकाशित होकर आई है। इसमें उन्होंने अपने बचपन से लेकर वर्तमान समय तक की छोटी-छोटी मधुर स्मृतियों की कतरनों को बहुत सलीके से संजोया है। इनसे गुजरते हुए यह साबित होता है कि उनके भीतर का सजग लेखक हमेशा, गहन संवेदनशीलता के साथ अपने जीवन में घटित होने वाली घटनाओं और लोगों को देखता, महसूसता और उनके संग जीता रहा है। इन संस्मरणों को लिखने का अंदाज कहीं भी बनावटी नजर नहीं आता है। अपने भीतर के कमजोर पक्षों को भी उन्होंने पूरी ईमानदारी से स्वीकार किया है। 'बहिन जी', 'चोर पकड़ा गया' और 'एक थे पलाली बाबू' में उनके बचपन की मासूमियत भरी छवि उजागर हुई है तो युवावस्था में कार्यक्षेत्र में 'रहमान साहब' जैसे लोगों ने उनको प्रभावित किया। इसी तरह रिटायरमेंट के बाद कार ड्राइविंग सीखने के दौरान प्रशिक्षक से मिला अनुभव 'बैकव्यू मिरर' भी वे भूल नहीं पाए।

आमतौर पर साहित्यिक संस्मरण प्रसिद्ध हस्तियों पर केंद्रित होते हैं, लेकिन इस पुस्तक के संस्मरणों में जिस तरह से लेखक ने अपने जीवन में शामिल रहे सामान्य लोगों को सहृदयता से याद किया है, वह उनके भावुक व्यक्तित्व का परिचायक है। अपनी कहानियों की ही तरह बहुत सरल, सहज शैली में लिखे उनके ये संस्मरण, मन को छू लेते हैं। यह भी कह सकते हैं कि इन संस्मरणों में नवनीत जी की आत्मकथा स्पष्ट तौर पर झांकती हुई नजर आती है। *

पुस्तक: कितना कुछ तो है (संस्मरण), **लेखक:** नवनीत मिश्र, **मूल्य:** 450 रुपए, **प्रकाशक:** भावना प्रकाशन, दिल्ली

गैस एजेंसी संचालक के सुपरवाइजर से 10 लाख की लूट

रायपुर। डीडीनगर थाना क्षेत्र के डगनिया में शनिवार शाम सात बजे एक गैस एजेंसी संचालक के सुपरवाइजर के साथ लूट हो गई। बदमाश ने सुपरवाइजर के साथ 10 लाख रुपए की लूट की है। राजधानी के साथ ग्रामीण थाना क्षेत्र में एक सप्ताह के भीतर यह चौथी लूट की घटना है। लूट की घटना करने वाले बदमाशों की पहचान करने पुलिस घटना स्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की पड़ताल कर रही है। साथ ही मौके पर जांच करने पुलिस के साथ एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट की टीम पहुंची हुई है। टाटीबंध स्थित एपपी गैस एजेंसी के सुपरवाइजर श्रवण साहू के साथ तीन बदमाशों ने लूट की है। श्रवण ने पुलिस को बताया है कि वह मालिक के कहने पर अग्रसेन चौक के पास एक पार्टी से पेमेंट लेने के लिए गया था। श्रवण कार से पेमेंट लेने गया था। इस दौरान गैस एजेंसी संचालक के पास एक कस्टमर ने गैस लीकेज होने की शिकायत की। इस पर एजेंसी संचालक ने श्रवण को लौटने के दौरान संबंधित कस्टमर का लोकेशन भेजकर लौटने के दौरान ठीक कर लौटने कहा। श्रवण ने जैसे पुलिस को बताया है कि वह डगनिया बाजार के पास एक गली के अंदर कार लेकर गया। कार रोक कर श्रवण अपने साथ नोटों से भरा बैग कार में छोड़ने के बजाय साथ लेकर उतरा। इस दौरान बाइक सवार तीन बदमाश उसके करीब पहुंचे और उसके हाथ से नोटों से भरा बैग लूटकर फरार हो गए।

Skin Care
डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल
चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं
• लेजर हेयर रिमूवल • कैमिकल पीलिंग
• हाइड्रोफेशियल • रेडियोफ्रिक्वेंसी
• कार्बन फेशियल • एलर्जी टेस्ट
रविवार अवकाश
क्लीनिक : छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, बैरनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समय : सुबह 10:00 से 2:00 बजे तक
सिटी कोतवाली के पास, छोटापारा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोन : 0771-2546760, 9300323131

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
• प्रसूति • नवजात • शिशु रोग
• बांझपन • सोनोग्राफी • आयुष्मान कार्ड
• बच्चों एवं बड़ों के आपरेशन • अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221 9301744425

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यूं जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल
डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA
भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, फोन : 0771- 4060929, मो. 7389485756

ऑटो, ई-रिक्शा का डिजिटल रजिस्ट्रेशन कराने वाला रायपुर देश का पहला शहर

हरिभूमि न्यूज:रायपुर

राजधानी में ट्रैफिक मैनेजमेंट ठीक करने पुलिस कमिश्नर डॉ. संजीव शुक्ला के निर्देश पर ट्रैफिक पुलिस ने 20 मई से 5 जून तक अभियान चलाकर ऑटो तथा ई-रिक्शा का डिजिटल रजिस्टेशन करने का कार्य किया। अंतिम दिन शनिवार तक राजधानी के अलग-अलग क्षेत्रों से 15 हजार ई-रिक्शा तथा ऑटो मालिकों ने रजिस्ट्रेशन कराया है। पुलिस कमिश्नर के निर्देश पर पंजीयन की अवधि सात दिनों के लिए और बढ़ा दी है। उल्लेखनीय है कि ऑटो तथा ई-रिक्शा का डिजिटल रजिस्ट्रेशन करने वाला रायपुर देश का पहला शहर बन गया है।

ऑटो, ई-रिक्शा के मालिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए ट्रैफिक पुलिस ने उन्हें अपनी गाड़ियों की पंजीयन कराने अभियान शुरू होने के साथ ही क्यूआर कोड जारी किया है। क्यूआर कोड के माध्यम से गाड़ी मालिक घर बैठे अपने ऑटो और ई-रिक्शा का पंजीयन करा सकते हैं। अभियान की खासियत यह रही कि इसमें वाहन चालकों को न तो किसी कार्यालय में लाइन लगानी पड़ी, न ही किसी प्रकार का शुल्क देना पड़ा और न ही उन्हें किसी प्रकार की प्रशासनिक असुविधा का सामना करना पड़ा। डिजिटल माध्यम से निर्धारित समयावधि के भीतर पंजीयन कार्य सफलतापूर्वक कराया गया। अब तक पंजीयन किए गये ऑटो, ई-रिक्शा चालकों के ऑनलाईन भरे गये फार्म को पुलिस कमिश्नर द्वारा एक साथ सभी को एक क्लिक में अप्रूवल किया गया। पंजीयन हो चुके ऑटो ई रिक्शा में अगले चरण में क्यूआर कोड लगाया जाएगा। वाहन में लगे क्यूआर कोड को स्कैन करने पर नागरिकों को उस वाहन के मालिक चालक की समस्त जानकारी उपलब्ध हो जाएगी।

ट्रैफिक पुलिस ने लोगों से अपील की है कि आटो, ई-रिक्शा में आने-जाने वाले उन्हीं ऑटो, ई-रिक्शा में सवारी करें, जिनमें क्यूआर कोड हो। जिस ऑटो में क्यूआर कोड होगा, उस कोड को स्कैन करने पर सवारी को ऑटो चालक के बारे में डिटेल जानकारी मिल जाएगी। क्यूआर कोड से ऑटो मालिक उसके ड्राइवर के बारे में पूरी जानकारी मिलने से महिला यात्रियों को सबसे ज्यादा राहत मिलेगी। रात के समय अकेली ऑटो, ई-रिक्शा में आने-जाने के समय महिला यात्री क्यूआर कोड के माध्यम से ड्राइवर, मालिक तथा ऑटो की पूरी जानकारी हासिल कर अपने साथ रख सकती है। किसी भी प्रकार की अनहोनी होने अथवा ऑटो, ई-रिक्शा में सामान भूलने पर स्कैन की गई जानकारी के माध्यम से पुलिस से सीधे मदद मांग सकती है। सभी ऑटो तथा ई-रिक्शा के चालक तथा मालिकों की कुंडली पुलिस के साथ ट्रैफिक पुलिस एक क्लिक पर देख सकती है। राजधानी में संचालित पेट्रोल, डीजल से चलने वाला ऑटो की संख्या ई-रिक्शा के लिहाज से महत 10 प्रतिशत तक रह गया है। ट्रैफिक पुलिस के पास अब तक जितने ई-रिक्शा तथा ऑटो का पंजीयन हुआ है।

कृष्णा गौर रायपुर आएंगी

रायपुर। मध्यप्रदेश शासन के पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण, विमुक्त घुमंतू एवं अर्धघुमंतू कल्याण विभाग की राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा भारतीय जनता पार्टी पिछड़ा वर्ग मोर्चा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कृष्णा गौर रविवार को रायपुर प्रवास पर रहेंगी। भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष अशोक साहू ने बताया, श्रीमती गौर 4 बजे भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा, छत्तीसगढ़ के प्रदेश पदाधिकारियों की बैठक में शामिल होकर संगठनात्मक विषयों, पिछड़ा वर्ग समाज के सशक्तीकरण एवं आगामी कार्यक्रमों के संबंध में मार्गदर्शन देंगी। प्रदेश अध्यक्ष, प्रदेश पदाधिकारी, जिला अध्यक्ष एवं प्रमुख कार्यकर्ता इस बैठक में उपस्थित रहेंगे।

कार्यालय, नगर पालिक निगम, कोरबा (छत्तीसगढ़)

ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना

क्र. निर्माण/2026 दिनांक 03.06.2026

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु (Online) आनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है :-

क्र.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रू. लाख में)	निविदा डालने की अंतिम तिथि
1	वार्ड क्र. 55 मेन रोड सेमीपाली चौक होते हुए सलिहाभाठा सड़क की ओर सड़क डामरीकरण कार्य (विधायक मद) (तृतीय निविदा)	16.95	12.06.2026 (T.No. 192357)

उपरोक्त कार्यों की निविदा की जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल http://eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है, साथ ही निगम के वेब साईट www.korbamunicipal.in पर भी देखी जा सकती है।

।। स्वच्छ भारत निर्माण में योगदान दें ।।

कार्यपालन अभियंता
नगर पालिक निगम, कोरबा (छत्तीसगढ़)

JHAIGO झाईगो 5+1 Cream
तो फिर क्या.. बस इस बार झाईगो क्रीम उपयोग कर देखें।
चेहरे को दागों से मुक्त कर सुंदरता बढ़ाये...
क्या आपके... चेहरे पर झाईयां है? आंखो पर काले घेरे हैं?
चेहरे पर मुहाँसे के काले निशान हैं? या जले या चोट के निशान हैं?

वैदेही तुलसी कफ सीरप
नई एवं पुरानी खांसी, एलर्जी खांसी, श्वास, निमोनिया, कुकुरखांसी, टान्सिल, ब्रानकाटिस, सर्दी आदि में तेज असर कारक
2 वर्ष से बड़े बच्चों के लिए हानिरहित कफ सिरप
HMS देखकर खरीदें एक बार उपयोग कर देखें 94060-21769

epaper- www.haribhoomi.com
हरिभूमि Classified
Email- hbclassified375@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100

आवश्यकता है

आवश्यकता है- प्रशिक्षण सहायक/ ट्रेनिंग कार्य हेतु योग्य उम्मीदवारों की आवश्यकता है स्थान रायपुर बिलासपुर रायगढ़ जांजगीर- चांपा, कोरबा आवश्यक योग्यता- बीएससी (केमिस्ट्री) एमएससी (केमिस्ट्री) कम्प्यूटर का सामान्य ज्ञान अनिवार्य वेतन- बीएससी अभ्यर्थियों हेतु 10000/- प्रतिमाह+ योग्यता अनुसार अतिरिक्त वेतन एवं अन्य भत्ते देय होंगे। एमएससी अभ्यर्थियों हेतु 12000/- प्रतिमाह+ योग्यता अनुसार अतिरिक्त वेतन एवं अन्य भत्ते अतिरिक्त देय होंगे। सम्पर्क करें- 8817358601 रिज्यूम व्हाट्सएप करें, इच्छुक उम्मीदवार शीघ्र सम्पर्क करें (41069)

आवश्यकता है- चिकन बिरयानी, चाइनीज और कॉन्टिनेंटल फूड आइटम बनाने के लिए अनुभवी शेफ की आवश्यकता है सम्पर्क करें- 8349360608, 7869102531, 7869102530 (41072)

आवश्यकता है- शिक्षक/ शिक्षिकाओं की प्रायमरी शिक्षिका 10पद एवं हाईस्कूल/ हायर सेकंडरी शिक्षक/ शिक्षिकाओं की आवश्यकता है। विषय- रसायन, बायोलॉजी सम्पर्क करें- सुबह 10:30 से 12बजे गायत्री विद्या मन्दिर लालखदान बिलासपुर 9691165674 (41068)

आवश्यकता है- सेल्स मैनेजर- 2पद (छड़, हार्डवेयर सामान अनुभवी को प्राथमिकता), फैक्ट्री सुपरवाइजर- 3पद (दिन ड्यूटी/ रात्रि ड्यूटी) एवं कार ड्राइवर 2पद चाहिए सम्पर्क करें- मीनाक्षी स्टील तार फैक्ट्री सिरगिट्टी बिलासपुर 7000157773 (3185)

आवश्यकता है- पेन्ट शोरूम में कार्य करने हेतु अनुभवी फुल टाइम टैली ऑपरेटर एवं शोरूम में कार्य हेतु लड़के एवं ड्राइवर की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार। सम्पर्क करें- 9827411940 (3186)

आवश्यकता है- हिन्दी एवं अंग्रेजी माध्यम 6वीं से 12वीं (4 शिक्षिका सामाजिक विज्ञान, गणित, अंग्रेजी बीएएस डीएड को प्राथमिकता) आया, कम्प्यूटर टीचर चाहिए पता- विवेकानंद इण्डियन पब्लिक स्कूल सिरगिट्टी बिलासपुर 9300328040, 07752364025 (41070)

Required- Qualified experience B.Ed male/ female. Teachers Sub SST, English, Hindi & Teachers for Nur to KG-2 interview on 9-10th June at 8:30am to 12pm. Contact- Anandamarga High School, Behind Bilasa Tal, Koni road, Devnagar Bilaspur 8770257102 (41042)

आवश्यकता है
घर के काम के लिए एक लड़की की आवश्यकता है।
कार्य- झाड़ू-पोछा
बर्तन साफ करना
घर की साफ-सफाई
ऊपरी/दैनिक घरेलू काम
समय : सुबह 9:00 बजे से शाम 3:00 बजे तक। स्थान: घर पर।
वेतन : बातचीत अनुसार।
इच्छुक उम्मीदवार संपर्क करें।
मैग्नेटो मॉल के सामने, इंद्रा विहार कॉलोनी
मो. 7389781818

आवश्यकता है- Shyam Enterprises में काम करने के लिए लड़के की आवश्यकता है। कार्य समय सुबह 10बजे से शाम 7बजे तक वेतन- 9000 महीना सम्पर्क करें- 9074741377 (41074)

आवश्यकता है- टूव्हीलर शोरूम के मैनेजमेंट के लिए अनुभवी डायनामिक मेल/ फीमेल मैनेजर की आवश्यकता है योग्यता एमबीए, अच्छा कम्युनिकेशन स्किल हो सम्पर्क करें- 7583808008, 7000470116 (1496)

आवश्यकता है- टिफिन सेन्टर में घर जैसा खाना, नाश्ता बनाने हेतु कुक चाहिए। महिला, पुरुष (जो नशामुक्त हो) पता- पद्मावती नाश्ता और टिफिन सेन्टर दिल्ली आईएएस अकादमी के पास मंगला बिलासपुर 9755655055 (41075)

आवश्यकता है- ट्रेण्ड ऑप्टोमेट्रिस्ट की आवश्यकता है। सैलरी योग्यता अनुसार देय होगी। मिलने का समय- शाम 5 बजे से 7 बजे तक सम्पर्क करें- जय अम्बे नेत्रालय रिंग रोड नं.-2 बिलासपुर 8349949990 (41057)

आवश्यकता है- कम्प्यूटर ऑपरेटर- 2पद, गार्ड- 2पद, स्टोर्स कीपर- 1पद, वेटर- 4पद, कैप्टन- 2पद की आवश्यकता है सम्पर्क करें- दोपहर 1बजे से शाम 5बजे तक, मौसाजी स्वीट्स गोल बाजार बिलासपुर (3184)

आवश्यकता है- थोक दवा दुकान हेतु अनुभवी लड़कों की आवश्यकता है। (दवाइयाँ निकालने पैकिंग) दवा दुकान में कार्य का अनुभव आवश्यक सम्पर्क- मेलाराम हेमन्त कुमार शॉप नं-54, मेडिकल कॉम्प्लेक्स तेलीपारा बिलासपुर 7999934599 (41056)

आवश्यकता है
अजय माला प्रकाशन में पुस्तक प्रचार हेतु प्रतिनिधि की आवश्यकता है।
योग्यता-12वीं तथा स्नातक अनुभवी को प्राथमिकता
स्वयं का स्मार्ट फोन एवं दु व्हीलर का होना आवश्यक है।
वेतन प्रतिमाह 12,000 रू.
प्रतिदिन रहना-खाना 300 रू.
तथा पेट्रोल अलग से दिया जायेगा
दिनाँक-08 एवं 09 जून, 2026
समय-11 से 6 बजे तक
सम्पर्क करें
रायपुर
अजय प्रकाशन, सुर्या अपार्टमेन्ट के पीछे, पंजाब नेशनल बैंक के बाजू में, सिविल लाइन, रायपुर 9691358826, 7898551745
दुर्ग
होटल पारख पैलेस, ग्रीन चौक, रेल्वे स्टेशन के पास, दुर्ग 7978852526, 9165915079
धमतरी
होटल इम्पेरीयल, गुरूनानक कॉम्पलैक्स, सिहावा चौक, धमतरी 7694064078, 7804934421
बिलासपुर
पंचशील लॉज, गाँधी चौक, बिलासपुर 7974590595, 9302606010
रायगढ़
होटल कनिष्क, गाँधी प्रतिमा रोड, आलोक सिटी मॉल के पास, स्टेशन रोड, रायगढ़ 9753673173, 7898204950
कुनकुरी
कुंती लॉज, टपकरा रोड, खेल मैदान के पास, कुनकुरी 9644868192, 8602912503

आवश्यकता है- विज्ञापन एजेन्सी में सुपरवाईजर, बैटरी रिक्शा ड्राईवर, इलेक्ट्रीशियन, फ्लेक्स माउंटिंग हेतु लडकों एवं एलईडी लेटर कार्य हेतु लड़कियां चाहिए सम्पर्क करें- सी15, ग्राउंड फ्लोर नारायण प्लाजा बिलासपुर 6264550163, 9685542250, 7049098581 (41044)

आवश्यकता है- कार शोरूम में निजी सुरक्षा एजेन्सी के अन्तर्गत कार्य करने हेतु गार्ड (लड़का/ लड़की) न्यूनतम ऊंचाई 5'5" हो अनुभवी को प्राथमिकता। वेतन 11000 से शुरू इच्छुक व्यक्ति सम्पर्क करें- उमा सिक्यूरिटी सर्विसेज महाराणा प्रताप चौक के पास, बिलासपुर 8770927383. 9425534940 (41062)

आवश्यकता है- नेहरू नगर बिलासपुर शॉप में कार्य करने के लिए स्मार्ट फीमेल रिसेप्शनिस्ट की आवश्यकता है। आकर्षक पर्सनैलिटी, बेहतरीन कम्युनिकेशन स्किल्स होना अनिवार्य है। वेतन- 8000 से 15000 सम्पर्क करें- 8770832241 (41037)

आवश्यकता है- ऑटोमैटिक (स्वचलित) गाड़ी चलाने हेतु ड्राइवर की आवश्यकता है (दोपहर 2बजे से रात 12बजे) सैलरी 13000 सम्पर्क- होटल रॉयल रामा, पुराना बस स्टैण्ड के पास टेलीफोन एक्सचेंज रोड, बिलासपुर 9893392495 (41064)

आवश्यकता है- उमा एजेन्सी में दुकान में कार्य करने हेतु लड़के/ लड़कियों एवं ऑटो, छोटा हाथी चलाने हेतु ड्राइवर की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- विजय नगर देवरीखुर्द बिलासपुर 9301517722 (41066)

आवश्यकता है- अनुभवी ड्राइवर की आवश्यकता है। ड्राइविंग लाइसेन्स सहित सम्पर्क करें- जय अम्बे नर्सिंग होम महाराणा प्रताप चौक रिंग रोड नं.-2 बिलासपुर 9981970853 (41059)

आवश्यकता है- मेडिकल एजेन्सी में कम्प्यूटर ऑपरेटर एवं माल निकालने, पैकिंग कार्य हेतु युवक युवती की आवश्यकता है सम्पर्क करें- श्री गुरुकृपा मेडिकल एजेन्सी मेडिकल काम्पलेक्स तेलीपारा बिलासपुर 9301357092 (41054)

आवश्यकता है- घर में काम करने एवं बच्चे को संभालने के लिए 24 घंटे के लिए लड़की की आवश्यकता होती है। सम्पर्क करें- 8871893220 (41065)

आवश्यकता है- हाउस किपिंग स्टाफ, कुक, टीचर्स मरीजों, बुजुर्गों और बच्चों की सम्पूर्ण देखभाल करने के लिए इच्छुक लड़कियों, महिलाओं, लड़कों, पुरुषों की तुरन्त आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- 7024477656 (41043)

आवश्यकता है- फाइनेंशियल इन्वेस्टमेंट कम्पनी में पार्टटाइम काम कर कमाएं मासिक आय 30000 से 50000, पुरुष/ महिला, फ्रेशर, अनुभवी सेवा निवृत व्यक्ति सम्पर्क करें- उत्कर्ष बैंक के ऊपर राजकिशोर नगर, बिलासपुर 7000103040 (41047)

आवश्यकता है- Tally, GST, दैनिक लेखाजोखा हेतु अनुभवी एकाउंटेंट की आवश्यकता है। B.Com, M.Com, MBA (Finance) अभ्यर्थियों को प्राथमिकता। वेतन योग्यता अनुसार, सम्पर्क करें- अजय फैब्रिकेशन तेलीपारा मेन रोड, बिलासपुर 9826152996, 772289090 (41052)

आवश्यकता है- श्री पब्लिक इंग्लिश मिडियम स्कूल चिंगराजपारा में अंग्रेजी- 2पद, हिन्दी- 2पद, गणित- 2पद, कॉमर्स- 2पद सामान्य अध्ययन -5पद शिक्षिकाओं की आवश्यकता है। अतिशीघ्र सम्पर्क करें- 9303296169 (41045)

आवश्यकता है- छोटे बच्चे की देखभाल के लिए नोनी/ लड़की की आवश्यकता है सम्पर्क करें- पी. पुरी, मित्र विहार, नारायण प्लाजा के पास, लिंक रोड, बिलासपुर 9714927620, 8980809043 (41046)

आवश्यकता है- स्कूल और कॉलेज में कोचिंग सेन्टर की मार्केटिंग के लिए एक लड़के या लड़की की आवश्यकता है। पार्ट टाइम जॉब। सम्पर्क करें- दीपाली 9244082336 (41051)

आवश्यकता है- दुकान में कार्य करने हेतु कर्मचारीयों एवं सेल्समैन की आवश्यकता है सम्पर्क करें- बजाज पेंट्स पुराना बस स्टैण्ड एवं मंगला चौक बिलासपुर 98271 67987, 9300617113 (41050)

आवश्यकता है- बर्तन दुकान में कार्य करने हेतु 2 लड़कों की आवश्यकता है वेतन 4 अंको में, सम्पर्क करें- घर संसार, नरेश बाजार के सामने, बजरंग कॉम्प्लेक्स के पास ,पुराना बस स्टैण्ड तेलीपारा बिलासपुर 7999822285 (41055)

आवश्यकता है- रोजगार सूचना LIC में बीमा सखी एवं एजेंट भर्ती अभियान योग्यता 10वीं पास, 7000+ उच्च कमीशन पार्ट/फुल टाइम साक्षात्कार दिनांक 9जून LIC बिलासपुर सम्पर्क- अजय कुमार सिंह (विकास अधिकारी) 9893311075 (41053)

आवश्यकता है- घर में खाना बनाने हेतु महिला की आवश्यकता है सम्पर्क करें– सुबह 9 से शाम 7बजे तक, डॉ. अनिल अग्रवाल, प्रकृति लूथरा नर्सिंग होम के पीछे, नेहरु नगर, बिलासपुर 7999877858 (41039)

आवश्यकता है- होटल में काम करने हेतु रोटी बनाने वाले, हेल्फर, टेबल सफाई, वेटर, साउथ इंडियन मिस्त्री, वेतन योग्यतानुसार रहने खाने की सुविधा सम्पर्क करें- पाण्डेय स्वीट्स, अशोक नगर बिलासपुर 9907748408, 9300810110 (41041)

आवश्यकता है- होलसेल मेडिकल में बाहर लाइन पर जाकर आर्डर बुकिंग, पेमेन्ट कलेक्शन हेतु अनुभवी सेल्समैन स्वयं की बाइक अनिवार्य, वेतन 12000-15000+एक्सपेंस। मिलें- नितिन मेडिकल एजेन्सी-34, मेडिकल काम्पलेक्स, तेलीपारा बिलासपुर 9827497711 (41016)

आवश्यकता है- कम्प्यूटर ऑपरेटर (जो कोरल / फोटोशॉप अनुभवी हो) एवं बुक बाइंडर/ हेल्पर की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- अग्रवाल प्रिंटिंग प्रेस, यश पैलेस के पास करबला रोड बिलासपुर 9300620013 (41049)

आवश्यकता है- थोक स्टेशनरी दुकान में काम करने के लिए मेहनती लड़कों की अतिशीघ्र आवश्यकता है सम्पर्क करें- राधे श्याम स्टेशनरी सरजू बगीचा रोड तेलीपारा बिलासपुर (40884)

आवश्यकता है- भारत के सबसे बड़े राइड-बुकिंग प्लेटफॉर्म रैपिडो से जुड़ें। ऑटो या ई-रिक्शा चलाकर प्रतिदिन 500-1000 तक की गारंटीड कमाई करें बिना किसी कमीशन के। जुड़ने के लिए कॉल करें - 8929449955 (63586)

आवश्यकता है- रायगढ़ एवं रायपुर की फैक्ट्रियों हेतु सिक्योरिटी गार्ड, सिक्योरिटी सुपरवाइजर एवं फील्ड ऑफिसर की आवश्यकता है। वेतन- 15000 से 18000 प्रतिमाह, PF, ESIC रहने-खाने की व्यवस्था उपलब्ध सम्पर्क करें- 9201958117, 8109080600 (855)

आवश्यकता है- जिलास्तरीय कंपनी में भर्ती परमानेंट बेसेस पर पद- फॉरेस्ट गार्ड, क्लर्क, वन पाल, चपरासी , हेतु आवेदन करे 10वी+12वी पास लड़के लड़कियां, उम्र सीमा 18 से 40 सैलरी 28000/- से 35000/- आवेदन हेतु - मार्कशीट, आधार कार्ड, पासपोर्ट साइज फोटो व्हाट्सएप/कॉल करे - 7384880262 (077)

टेक्सटाईल स्पिनिंग (धागा) मिल, रायपुर (छत्तीसगढ़)
नई टेक्सटाईल धागा मिल में साफ व ठंडे वातावरण में मशीन चलाने हेतु नये/पुराने अनुभवी वर्कर्स चाहिए। रहने की उत्तम सुविधा व कैंटीन मिल में उपलब्ध।
पहले दिन से PF/ESIC कवरेज व पेमेन्ट सीधे बैंक खाते में। 240 दिन से अधिक हाजरी पर छुट्टी का पैसा अलग।
संपर्क करें। 9827163216 8462933820

बेचना

बेचना है- पुराना प्रताप टॉकीज चौक, कम्पनी गार्डन और डॉक्टर कॉलोनी के पास डबरीपारा में 2800 वर्गफुट कमर्शियल प्लॉट एक साथ या दो टुकड़े में बेचना है। डॉक्टर्स हेतु अतिउत्तम। सम्पर्क- 9300416538 (41063)

बेचना है- नागोराव शेष स्कूल कॉम्प्लेक्स मेन रोड जूना बिलासपुर स्थित दुकान नम्बर-2, साइज- 11×22 अतिशीघ्र बेचना है सम्पर्क करें- 9340193393 (41034)

बेचना है- कोनी स्थित महामाया रेसीडेंसी कालोनी में 5BHK, 5 टॉयलेट, सर्व सुविधा युक्त 3 मंजिल भवन अतिशीघ्र बेचना है खरीददार ही सम्पर्क करें- 7049009079 (41073)

किराया

किराया- सेन्ट फ्रांसिस स्कूल के पास अयोध्या नगर मे सर्वसुविधायुक्त 2BHK मकान किराए से देना है 2 बेडरूम, हाल, किचन, बरामदा, 2 लेटबाथ पोर्च, 24 घंटे पानी की सुविधा सम्पर्क करें- 9098166942 (41071)

किराया - (1) प्रथम मंजिल में एक कमरा, एक हाल, किचन, लेटबाथ (2) दो कमरे किचन लेटबाथ किराये से देना है चंदेला नगर कालोनी MIG-A/102 रिंग रोड नं.-2 बिलासपुर सम्पर्क करें- 7000354988 (41061)

किराया- बिलासपुर, व्यापार विहार में गुम्बर पैट्रोल पम्प के पीछे VR NEXUS बिल्डिंग में फर्स्ट फ्लोर 2560 वर्गफुट, सेकेण्ड फ्लोर 1910 वर्गफुट, किराये पर उपलब्ध। (पार्किंग सुविधा) सम्पर्क करें-95897 40766, 9425530355 (40953)

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

किराया- गंगा नगर फेस-1 में 36 सिटी मॉल के बाजू में 3बेडरूम, हाल, किचन, 2बाथरूम पोर्च, आंगन, बोर सहित मकान किराए से शासकीय कर्मचारी को देना है सम्पर्क करें- 7389343633, 9340821606 (41035)

शैक्षणिक

प्रवेश प्रारंभ- फेल विद्यार्थी समय बचाए पत्राचार, ओपन, प्राईवेट, द्वारा 10वी, 12वी पास करेः- B.A, B.Com, B.Sc, BCA, MCA, BBA, M.A M.Com, M.Sc, MBA, MSW, B.Lib, M.Lib, DCA, PGDCA, Poly-technic, B.Tech, अपनी अधूरी पढ़ाई एक साल में पूरी करे सभी कोर्सेस मान्यता प्राप्त युनिवर्सिटी द्वारा सम्पर्क करें- Bharti Education Academy Sector-6 Bhilai 9826196515, 9826896515 (4154)

फायनेंस

फायनेंस- विजया फाइनेन्स द्वारा सभी प्रकार लोन उपलब्ध बिजनेस, पर्सनल, कृषि, महिला समूह, मकान, दुकान, लघु उद्योग, पर्सनल लोन, आधार, पैन कार्ड, प्रति उपलब्ध 2% ब्याज, 30% छूट सम्पर्क- 9981421206, 9437550462 (4345)

Medicare Specialists
सोरायसिस एवं चमड़ी रोग
वायरो रिसर्च एन्ड स्किन केयर क्लिनिक आई.एस. ओ. सर्टिफाईड
सुविख्यात चिकित्सक
डॉ. एच. सी. अग्रवाल (एम.डी.)
डॉ. बी.के. अग्रवाल बी.ए.एम.एस. (यौन समस्या)
निशांत अग्रवाल (फार्मा सांईटिस्ट)
रेल्वे स्टेशन रोड, स्वरूप टॉकीज के सामने बजाज गोल्ड फाइनेंस के पीछे, दुर्ग
94255-55659,93039-48500
96177-89223,93032-42200
गुरूवार अवकाश, मिलने का समय : शाम 4 से 8
छोटा लिंग निराश क्यों? जोश जगा दे धूम मचा दे।
18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंगको 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढ़ाएं।
नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
09083218330

वैवाहिकी

वधु चाहिए

वधु चाहिए
अग्रवाल गोत्र- गोयल
उम्र- 34, हाइट 5'-10"
व्यवसायी युवक
खंडवा (म.प्र.) निवासी
वर के लिए ग्रेजुएट एवं गृहकार्य मे दक्ष वधु चाहिए।
तलाकशुदा भी मान्य।
सर्व वैश्य मान्य।
वधु पक्ष फोटो, बायोडाटा व्हाट्सएप करें-
सम्पर्क करें- 9131604310 9300328290
मैरिज ब्यूरो क्षमा करें

सूचना
पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक, कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

हरिभूमि में लघु विज्ञापन देने हेतु सम्पर्क करें
- जिला कार्यालय कोरबा:- बी.ब्लॉक, कॉमर्शियल काम्पलेक्स, ट्रांसपोर्ट नगर, जिला कोरबा (छ.ग.) मो. 9644018888, 7581808267
- जिला कार्यालय मुंगेली:- थाना के सामने गली, गोल बाजार, जिला- मुंगेली (छ.ग.) मो. 9303508230
- शिवम एड एजेंसी & पब्लिसिटी:- मो. 9993567380, 8770837744
- एड प्रयास:- मो. 9826701269, 9926003943
- श्यामनानी एडवरटाईजर्स:- मो. 9827168452, 9300625174
- रिद्धीसिद्धी एडवरटाइजर्स & पब्लिसिटी:- मो. 9826129386, 8319503386
- जे.जे. एडवरटाइजर्स:- मो. 9300659628
- रौनक पब्लिसिटी:- मो. 9300328290, 9981658490
- भार्गव एडवरटाइजर्स:- मो. 9827167997
- श्रीसिद्धि विनायक एडवरटाइजर्स:- मो. 9826705603
- एम.जी.आर. एडवरटाइजर्स:- मो. 9827180896, 9131155033
- श्री श्याम पब्लिसिटी:- मो. 9425540759
- अमित पब्लिकेशन:- मो. 9826304304, 9827124304
- विप्रा विज्ञापन सेवा:- मो. 9302462506
- माधवास & कम्पनी:- मो. 9977185123, 9893115084
- बालाजी एडवरटाइजर्स:- मो. 9827466133, 9907047586

फीफा वर्ल्ड कप : जर्मनी को झटका लेनार्ट कार्ल वर्ल्ड कप से हुए बाहर

एजेंसी ▸▸| नई दिल्ली

फीफा वर्ल्ड कप 2026 की शुरुआत से ठीक पहले जर्मनी को बड़ा झटका लगा है। टीम के युवा अटैकिंग मिडफील्डर लेनार्ट कार्ल चोट के चलते टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। कोच जूलियन नैगल्समैन ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि कार्ल को जांघ में यह चोट अमेरिका में ट्रेनिंग के दौरान लगी। 18 साल के इस खिलाड़ी को शिकागो में एक ट्रेनिंग सेशन के दौरान बाईं जांघ की मांसपेशी में खिंचाव आ गया था। इसके बाद उन्हें हॉस्पिटल ले जाया गया। कार्ल की जगह जर्मनी की वर्ल्ड कप टीम में असन ओएज़ाओगो लेंगे।

कोच ने कहा कि उन्हें कार्ल के लिए बहुत दुख है। उन्होंने बताया कि कार्ल ने अपने सकारात्मक स्वभाव, रचनात्मक खेल, तेज गति और मजबूत व्यक्तित्व के दम पर टीम में अपनी खास जगह बना ली थी। कार्ल का टीम से बाहर होना जर्मनी के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है, क्योंकि उन्होंने इस सीजन में शानदार प्रदर्शन किया था।

वॉर्म-अप मुकाबलों में खेल सकते हैं मेसी

एजेंसी ▸▸| नई दिल्ली

डिफेंडिंग चैंपियन अर्जेंटीना की टीम को वर्ल्ड कप से पहले बड़ी राहत मिल सकती है। टीम के कप्तान लियोनेल मेसी तेजी से चोट से उबर रहे हैं और संभावना है कि वे अमेरिका में होने वाले दो वार्म-अप मुकाबलों में से किसी एक में मैदान पर उतर सकते हैं। अर्जेंटीना के कोच लियोनेल स्कालोनी ने बताया कि मेसी की बाईं हैमस्ट्रिंग में हुआ दर्द अब काफी बेहतर हो रहा है। उन्होंने कहा कि मेसी धीरे-धीरे टीम के साथ ट्रेनिंग में लौट रहे हैं। स्कालोनी के अनुसार, मेसी को होंडुरस के खिलाफ शनिवार को होने वाले मैच या फिर मंगलवार को आइसलैंड के खिलाफ मैच में कुछ मिनट खेलने का मौका मिल सकता है।

कोच ने बताया, मेसी तेजी से रिकवर हो रहे हैं। उन्होंने टीम के साथ ट्रेनिंग सेशन के दौरान हिस्सा लिया, जो एक अच्छा संकेत है। वह फ्रेंडली मुकाबलों में खेल सकते हैं, लेकिन हम यह तय करेंगे कि वह किस मैच में उतरेंगे। 38 साल के मेसी को 24 मई को अपने क्लब इंटर मियामी सीएफ के लिए खेलते समय चोट लगी थी। इसके बाद से उन्होंने कोई मैच नहीं खेला है। हालांकि, इस सीजन में उनका प्रदर्शन शानदार रहा है, जहां उन्होंने 14 मुकाबलों में 12 गोल और 8 असिस्ट किए।

कनाडा ने आयरलैंड से खेला ड्रॉ

एजेंसी ▸▸| मांट्रियल

कनाडा के फुटबॉल विश्व कप से पहले आखिरी तैयारी मैच में चिपडोजी ओग्बेने के गोल की बदौलत आयरलैंड से मुकाबले को 1-1 से ड्रॉ कराया। कनाडा को 24वें मिनट में आयरलैंड के डिफेंडर जेक ओब्रायन के आत्मघाती गोल से बढ़त मिली। स्टीफन यूस्टाकियो की कॉर्नर किक के समय ओब्रायन नेट के सामने खड़े थे। दूसरे हाफ में आयरलैंड को पेनल्टी मिली जब काइल लारिन ने आयरलैंड के जेमी मैकग्रा के खिलाफ लापरवाही से टैकल किया।

कनाडा के गोलकीपर मैक्सिम क्रेपो ने ट्रॉय पैरोट के प्रयास को रोक दिया लेकिन ओग्बेने ने रिबाउंड पर गोल करके 60वें मिनट में स्कोर बराबर कर दिया। इस साल के विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने में नाकाम रहे आयरलैंड की टीम ने 85वें मिनट में गोल करने में करीब पहुंची लेकिन क्रेपो ने मेसन मेलिया के प्रयास को नाकाम कर दिया।

खबर संक्षेप

कोर्स रिकॉर्ड के साथ अहलावत ने बनाई बढ़त

लुसर्न। भारत के वीर अहलावत ने दूसरे दौर में 10 अंडर 61 के कोर्स रिकॉर्ड के साथ होटल प्लानर टूर के स्विस चैलेंज गोल्फ टूर्नामेंट में संयुक्त बढ़त बना ली। आमंत्रण पर यहां खेलने पर 30 वर्षीय अहलावत और मैथ्यू साउथगेट (64) कुल 12 अंडर के स्कोर से संयुक्त रूप से शीर्ष पर हैं। इन दोनों ने जॉर्ज ब्लूर (66) और मथीयू डिगोटिगनिस लेफोन (63) पर एक शॉट की बढ़त बनाई हुई है। टूर्नामेंट में हिस्सा ले रहे दो अन्य भारतीय अर्जुन प्रसाद (70-72) और सप्तक तलवार (74-70) कट हासिल करने में नाकाम रहे।

ईरानी फुटबॉल टीम को मिला अमेरिका का वीजा

वाशिंगटन। ईरान की विश्व कप फुटबॉल टीम के सदस्यों को अमेरिका का वीजा मिल गया है। इससे वे इस महीने लॉस एंजिलिस के पास होने वाले अपने शुरुआती दो मैच से पूर्व मैक्सिको के तिजुआना में बने अपने ट्रेनिंग बेस से अमेरिका आ सकेंगे। एक अमेरिकी अधिकारी ने बताया कि ईरान की टीम के सभी खिलाड़ियों के वीजा मंजूर हो गए हैं और उन्हें वीजा मिलने की प्रक्रिया चल रही है। अधिकारी ने कहा कि खिलाड़ियों, कोच, ट्रेनर और कुछ सहयोगी स्टाफ के लिए वीजा जारी कर दिए गए हैं। तिजुआना के लिए रवाना होने से पहले टीम तुर्की के अंताल्या में ट्रेनिंग शिविर में विश्व कप की तैयारी कर रही थी। टीम ने बताया कि उसे अंकारा में मैक्सिको के दूतावास से पहले ही वीजा मिल चुका है। तुर्की में अमेरिकी राजदूत टॉम बैराक ने ईरानी टीम को वीजा की प्रक्रिया शुरू करने के लिए अंकारा में अमेरिकी दूतावास की तारीफ की।

तीरंदाज प्रथमेश ने स्वीकार किया 2 साल का बैन

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (आईटीए) ने कहा कि एशियाई खेलों में कंपाउंड टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतने वाले तीरंदाज प्रथमेश जावकर ने दो साल का प्रतिबंध स्वीकार कर लिया है, जो पिछले साल तीन बार अपने स्थान की जानकारी नहीं देने के कारण लगाया गया। प्रथमेश 2022 एशियाड में कंपाउंड टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतने वाली उस तिकड़ी का हिस्सा थे, जिसमें ओजस प्रवीण देवतले और अभिषेक वर्मा भी शामिल थे। उन्होंने 12 महीने के अंदर तीन बार अपने ठिकाने की जानकारी नहीं देने की गलती की थी। उन्हें सितंबर-अक्टूबर में जापान में होने वाले एशियाई खेलों के लिए 12 सदस्यीय भारतीय तीरंदाजी टीम में शामिल नहीं किया गया था।

वैभव ने तेंदुलकर का वर्षों पुराना रिकॉर्ड तोड़ा

आयरलैंड इंग्लैंड एशियन गेम्स के लिए टीम का ऐलान

बदलाव की नई बयार, श्रेयस टी20 कप्तान, टीम में सूर्यवंशी की एंट्री

एजेंसी ▸▸| मुंबई

भारतीय टी20 क्रिकेट में शनिवार को बदलाव की नई बयार देखने को मिली जब श्रेयस अय्यर को सूर्यकुमार यादव की जगह राष्ट्रीय टी20 टीम का कप्तान नियुक्त किया गया तो वहीं युवा सनसनी वैभव सूर्यवंशी को आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टीम में शामिल कर लिया गया।

महज 15 वर्ष और 71 दिन की उम्र में वैभव सूर्यवंशी राष्ट्रीय टीम में जगह पाने वाले सबसे युवा क्रिकेटर बन गए हैं। उन्होंने महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर का वर्षों पुराना रिकॉर्ड पीछे छोड़ दिया। तेंदुलकर ने 15 नवंबर 1989 को कराची में पाकिस्तान के खिलाफ अपना पहला टेस्ट मैच खेला था। उस समय उनकी उम्र 16 वर्ष और 205 दिन थी।

टीम इंडिया खेलेगी इंग्लैंड के खिलाफ टी20 श्रृंखला

भारतीय टीम 26 और 28 जून को आयरलैंड के खिलाफ दो टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेलेगी। इसके बाद टीम 1 से 11 जुलाई तक इंग्लैंड के खिलाफ 5 मैचों की टी20 श्रृंखला में हिस्सा लेगी। अय्यर की राष्ट्रीय टी20 टीम में वापसी 3 दिसंबर 2023 के बाद पहली बार हुई है। उन्होंने अपना पिछला टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच उसी दिन बेंगलुरु में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेला था।

श्रेयस को टी20 में कप्तानी का अनुभव

अगरकर ने कहा, ' श्रेयस टी20 विश्व कप की टीम में जगह बनाने के काफी करीब भी थे। लेकिन सूर्यकुमार की मौजूदगी में उनके लिए जगह नहीं बन पाई। मेरे अनुसार वह अब एक बेहद मजबूत दावेदार हैं, जिनके पास टी20 प्रारुप में कप्तानी का पर्याप्त अनुभव है। यह हालांकि निश्चित रूप से एक अलग तरह की चुनौती होगी।' इंडियन प्रीमियर लीग में उनकी शानदार कप्तानी और लगातार बेहतरीन प्रदर्शन ने चयनकर्ताओं को प्रभावित किया।

आईपीएल में किया शानदार प्रदर्शन

सूर्यवंशी का चयन लगभग तय माना जा रहा था। इस युवा बल्लेबाज ने 2026 आईपीएल सत्र में 776 रन बनाकर ऑरेंज कैप अपने नाम की थी। इस दौरान उन्होंने एक शतक और पांच अर्धशतक जड़े तथा 237.30 के विस्फोटक स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी कर क्रिकेट जगत का ध्यान अपनी ओर खींचा। अगरकर ने बिहार के इस युवा खिलाड़ी की मैच का रुख बदलने की क्षमता की जमकर सराहना की। उन्होंने कहा, 'हमने देखा है कि वह क्या कर सकता है। आईपीएल के प्लेऑफ में भी हमने देखा कि उसने लगभग अकेले दम पर राजस्थान रॉयल्स को प्लेऑफ में पहुंचाया।'

आयरलैंड और इंग्लैंड टी20 श्रृंखला के लिए भारतीय टीम

श्रेयस अय्यर (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन, ईशान किशन, शिवम दुबे, तिलक वर्मा (उपकप्तान), नितीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर, वरुण चक्रवर्ती, रवि बिश्नोई, मोहम्मद सिराज, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह, प्रिंस यादव और वैभव सूर्यवंशी।

एशियाई खेलों के लिए

श्रेयस अय्यर (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन, ईशान किशन, शिवम दुबे, तिलक वर्मा (उपकप्तान), नीतीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर, वरुण चक्रवर्ती, रवि बिश्नोई, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह और वैभव सूर्यवंशी।

श्रीलंका दौरे के टीम

ध्रुव जुरेल (कप्तान एवं विकेटकीपर), साई सुदर्शन, देवदत्त पडिक्कल (उपकप्तान), रुतुराज गायकवाड़, हर्ष दुबे, सारांश जैन, गुरनूर बरार, आकिब नबी, यश ठाकुर, एन. जगदीशन, अमन मोकाडे, शेख राशिद और जीशान अंसारी।

क्ले कोर्ट पर मीरा का जलवा 19 की उम्र में पहला ग्रैंड स्लैम

पेरिस। रूस की टेनिस सनसनी मीरा आंद्रीवा ने फ्रेंच ओपन महिला एकल के फाइनल में पोलैंड की माया च्वालिंस्का को 6-3, 6-2 से पराजित कर खिताब अपने नाम कर लिया। आंद्रीवा ने विश्व रैंकिंग में 114वें स्थान पर काबिज खिलाड़ी के खिलाफ केवल 19 वर्ष की आयु में करियर का पहला ग्रैंड स्लैम जीतकर टेनिस जगत में नया अध्याय जोड़ दिया है। यह उपलब्धि इसलिए भी विशेष मानी जा रही है क्योंकि वह 1992 के बाद सबसे कम उम्र की महिला चैंपियन बनी हैं। यह रिकॉर्ड मोनिका सेलेस के नाम है, जिन्होंने 18 वर्ष की आयु में फ्रेंच ओपन खिताब जीता था। मैच के अंतिम क्षण में जब विश्व रैंकिंग में आठवें स्थान पर काबिज आंद्रीवा ने बैकहैंड क्रॉस-कोर्ट विनर लगाकर मैच प्वाइंट हासिल किया तो वह भावुक होकर क्ले कोर्ट पर घुटनों के बल बैठ गईं और जीत का जश्न मनाया।

खास बात

- 1992 के बाद सबसे कम उम्र की महिला चैंपियन बनी आंद्रीवा

च्वालिंस्का इतिहास रचने से चूकी

दूसरी ओर क्वालीफायर से फाइनल तक का सफर तय करने वाली च्वालिंस्का इतिहास रचने से चूक गईं। वह रोलां गैरो में खिताब जीतने वाली पहली क्वालीफायर खिलाड़ी बनने की कोशिश में थीं। आंद्रीवा को टेनिस जगत ने पहली बार 2023 मैड्रिड ओपन में पहचान मिली थी, जब 15 वर्ष की उम्र में

उन्होंने डब्ल्यूटीए 1000 स्तर पर मुख्य ड्रॉ मैच जीतने वाली सबसे कम उम्र की खिलाड़ियों में जगह बनाई और क्वार्टर फाइनल तक पहुंचीं। यूक्रेन युद्ध के चलते रूस के खिलाड़ियों पर लगे प्रतिबंधों के कारण आंद्रीवा को तटस्थ खिलाड़ी के रूप में खेलना पड़ा और उन्हें अपने देश का झंडा उपयोग करने की अनुमति नहीं मिली।

न्यायालयः – श्रीमती शिवानी सिंह, व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ श्रेणी अकलतरा
जिला-जांजगीर-चाम्पा छ.ग.
(उपस्थिति हेतु समन/नोटिस)
(आदेश 05 नियम 20 (1) व्यवहार प्रक्रिया संहिता)
प्रोसेस क्रमांक. 1035/2026
व्य.वाद क्र.-02 अ/2023
पेशी दिनांकः 26.06.2026
पक्षकार -बृजेन्द्र ....आवेदक
-:: विरूद्ध :: -
नीलमणी वगैरह.....अनावेदकगण

प्रति, 1. रानी पति रमेशचंद, उम्र 50 वर्ष निवासी मस्तुरी थाना के पास तहसील मस्तुरी, जिला बिलासपुर 2. पुष्पा पति विरेन्द्र पिता कृष्णचंद, उम्र 48 वर्ष निवासी ओखर, तहसील मस्तुरी जिला बिलासपुर छ.ग. 3. सावित्री पति कृष्णचंद, उम्र 70 वर्ष निवासी, हरदीकला टोना तहसील बिलासपुर जिला बिलासपुर छ.ग.

इस ईश्तहार के जरिये आपको सूचित किया जाता है कि इस न्यायालय में उपर लिखित आवेदक द्वारा एक व्यवहार वाद पेश किया गया है। जिसमे वादी द्वारा वाद भूमि के संबंध में घोषणा तथा व्यादेश हेतु एक व्यवहार वाद प्रस्तुत किया गया है।

उक्त प्रकरण प्रतिवादी क्र. 5, 6, 7 की उपस्थिति के लिए लंबित है।

उक्त प्रकरण की सुनवाई दिनांक 26.06.2026 को किया जाना है, आपको सूचित किया जाता है कि यदि उक्त प्रकरण में आपका हित सम्मिलित हो तो आप प्रतिवादी क्र. 5, 6, 7 पेशी दिनांक 26.06.2026 को स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय - व्यवहार न्यायाधीश वर्ग - एक अकलतरा, जिला जांजगीर चांपा (छ.ग.) में ठीक 10:30 बजे उपस्थित होकर अपना आपत्ति/लिखित कथन प्रस्तुत करें अन्यथा प्रकरण की सुनवाई एवं निराकरण आपके अनुपस्थिति में ही विधिनुसार किया जावेगा।

यदि किसी कारणवश उपरोक्त सुनवाई तिथि 26.06..2026 को सार्वजनिक अवकाश घोषित हो जाता है तो अगली कार्य दिवस को प्रकरण की सुनवाई किया जावेगा। आज दिनांक 23.05.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर लगाकर जारी किया गया।

(श्रीमती शिवानी सिंह)
व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ श्रेणी अकलतरा
जिला- जांजगीर चांपा (छ.ग.)

पहले दिन केएल राहुल और गिल ने जड़ा शतक

एजेंसी ▸▸| न्यू चंडीगढ़

भारत ने अफगानिस्तान के खिलाफ महाराजा यादवेंद्र सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में जारी इकलौते टेस्ट में अपनी मजबूत पकड़ बना ली है। टीम इंडिया ने पहले दिन की समाप्ति तक 3 विकेट खोकर 368 रन बना लिए हैं।

पहले दिन 85 ओवरों का ही खेल हो सका। मुल्लांपुर में टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम को 12वें ओवर की अंतिम गेंद पर यशस्वी जायसवाल के रूप के रूप में 41 के स्कोर पर पहला झटका लगा। जायसवाल 32 गेंदों में 5 चौकों के साथ 24 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद साईं सुदर्शन ने केएल राहुल के साथ दूसरे विकेट के लिए 139 रन जोड़कर भारतीय टीम को 180 के स्कोर तक पहुंचाया। सुदर्शन ने 104 गेंदों में 13 चौकों के साथ 81 रन टीम के खाते में जोड़े। वहीं केएल राहुल ने अपने 12वें टेस्ट शतक के दौरान 165 गेंद में 11 चौकों की मदद से 100 रन बनाए।

गिल और पंत के बीच 121 रन की साझेदारी

यहां से कप्तान शुभमन गिल बल्लेबाजी के लिए उतरे, जिन्होंने केएल राहुल के साथ तीसरे विकेट के लिए 67 रन जुटाकर स्कोर 247 रन तक पहुंचा दिया था। विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए और दिन की समाप्ति से पहले अपना अर्धशतक पूरा कर लिया। पहला दिन खत्म होने तक गिल और पंत के बीच चौथे विकेट के लिए 148 गेंदों में 121 रन की अटूट साझेदारी हो चुकी है। गिल 143 गेंदों में 1 छक्के और 11 चौकों के साथ 103 रन बनाकर नाबाद हैं, जबकि पंत ने 70 गेंदों में 3 छक्कों और 2 चौकों के साथ 50 रन जुटा लिए हैं।

कार्यालय नगर पंचायत खरौद, जिला-जांजगीर चांपा (छ.ग.)
Email id - cmonpkharod@rediffmail.com
क्र./ 694 / न.प./ लो.नि.वि./2026-27 खरौद, दिनांक 05.06.2026
।। ई-प्रोक्यूरमेन्ट निविदा सूचना ।।
नगर पंचायत खरौद क्षेत्रांतर्गत अधोसंरचना मद अंतर्गत निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र.	सिस्टम क्र. / दिनांक	कार्य का नाम	लागत राशि (लाख)	अमानत राशि	Bid Start Date & Time	Bid Due Date & Time	Bid Open Date & Time
1	2	3	4	5	6	7	8
1	192622 05/06/2026	वार्ड क्र. 15 लक्ष्मणेश्वर मंदिर के पास शेड निर्माण कार्य	99.76	78420	05.06.2026 17:30 IST	30.06.2026 17:30 IST	02.07.2026 11:30 IST
2	192634 05/06/2026	वार्ड क्र. 12 शबरी चौक निर्माण एवं सौन्दर्यीकरण कार्य	12.23	9172	05.06.2026 17:30 IST	30.06.2026 17:30 IST	02.07.2026 11:30 IST
3	192653 05/06/2026	वार्ड क्र. 09 बुधवारी चौक निर्माण एवं सौन्दर्यीकरण कार्य	14.61	10957	05.06.2026 17:30 IST	30.06.2026 17:30 IST	02.07.2026 11:30 IST
4	192657 05/06/2026	वार्ड क्र. 13 शिवाजी चौक निर्माण कार्य	19.42	14565	05.06.2026 17:30 IST	30.06.2026 17:30 IST	02.07.2026 11:30 IST

निविदा की विस्तृत जानकारी छ.ग. शासन की E-Procurement पोर्टल http://eproc.cgstate.gov.in में देखा एवं डाउनलोड किया जा सकता है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पंचायत खरौद
जिला-जांजगीर-चांपा (छ.ग.)

छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड
कार्यालय कार्यपालन यंत्री (सं./ सं.) संभाग बिलासपुर
क्र.:-का.अभि./ सं./सं./ संभाग / 1380 / बिलासपुर, दिनांक: 05.06.2026
-: बिजली बंद की सूचना :-
समस्त सम्माननीय उपभोक्ताओं को सूचित किया जाता है कि 132 केव्ही सबस्टेशन बिलासपुर (तिफरा) में आवश्यक मेंटनेंस कार्य हेतु निम्नांकित 33 केव्ही फीडर में **दिनांक 07.06.2026, रविवार को प्रातः 09 बजे से दोपहर 04 बजे तक** विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। इसका समय आवश्यकतानुसार घटाया या बढ़ाया जा सकता है, असुविधा के लिए खेद है।

क्र.	फीडर का नाम	सबस्टेशन का नाम	प्रभावित क्षेत्र
1	33 केव्ही कोटा फीडर	132/33 केव्ही बिलासपुर (तिफरा)	33/11 केव्ही पेण्डारी फीडर से निकलने वाली समस्त 11 केव्ही लाईन एवं इससे संबंधित क्षेत्र एवं उच्चदाब कनेक्शन
2	33 केव्ही तखतपुर	132/33 केव्ही बिलासपुर (तिफरा)	33/11 केव्ही काठाकोनी, 33/11 केव्ही आसमां सबस्टेशन से निकलने वाली समस्त 11 केव्ही लाईन एवं एच.टी. कनेक्शन ।

राष्ट्रहित में बिजली की बचत करें ।
समय पर विद्युत देयक का भुगतान करें ।
विद्युत चोरी एक दण्डनीय अपराध है ।
सं.-
कार्यपालन अभियंता (सं./सं.) संभाग
छ.स्टे.पा.डि.कं.लिमि. बिलासपुर

कार्यालय नगर पंचायत मारो, जिला — बेमेतरा (छ.ग.)
क्रमांक / 232 / लो.नि.वि. / न.पं. / 2026-27 मारो, दिनांकः 05/06/2026
-:: ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा आमंत्रण सूचना ::-
एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु ई-टेण्डर निविदा आमंत्रित की जाती है:-

क्र.	सिस्टम निविदा क्रमांक	कार्य का नाम	प्राक्कलन राशि (लाख में)	रिमार्क
1	191836	Design, Construction, Testing, Commissioning of all the Components of Interception and Diversion Based Sewage Treatment Plant (STP) work including 05 Years of Operation and Maintenance of the Entire System in NAGAR PANCHAYAT, MARO under SBM 2.0.	231.71	प्रथम निविदा

उपरोक्तानुसार ऑनलाईन द्वारा प्रथम निविदा (191836) दिनांक 29/05/2026 समय 17:00 बजे से आमंत्रित की जाती है। निविदा के संबंध में विस्तृत विवरण छ.ग. शासन के ई-प्रोक्यूरमेंट पोर्टल http://eproc.cgstate.gov.in व विभागीय वेबसाईट uad.cg.gov.in में देखा एवं डाउनलोड किया जा सकता है। निविदा आमंत्रण से संबंधित किसी भी प्रकार की संशोधन सूचना विभाग की वेबसाईट में प्रसारित की जायेगी, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।
मुख्य नगर पालिका अधिकारी नगर पंचायत मारो

कार्यालय नगर पंचायत फरसगांव, जिला-कोण्डागांव (छ.ग.)
Email- nager.p.pharasgaon@gmail.com
—:: ई—प्रोक्योरमेंट द्वितीयनिविदा आमंत्रण सूचना ::—
क्रमांक/380/न.प./ लो.नि.वि./2026 फरसगांव, दिनांकः 05.06.2026
Main Portal : (http://eproc.cgstate.gov.in)
एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों/एनजीओ/अन्य संस्थाओं से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की गई हैः—

क्र.	ई-टेण्डर नम्बर	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (लाखों में)	निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि
1	2	3	4	5
1	192707	REVAMPING OF MATERIAL RECOVERY FACILITY (MRF) INCLUDING INSTALLATION.	23.95	22-06-2026

उपरोक्तानुसार निर्माण कार्य की निविदा की सामान्य शर्तें धरोहर राशि, निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वे के मेन पोर्टल http://eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है। अन्य विवरण एवं विस्तृत जानकारी निविदा वेबसाईट पर देखी जा सकती है।
मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पंचायत फरसगांव
जिला-कोण्डागांव (छ.ग.)

कार्यालय नगर पंचायत जरही, जिला-सूरजपुर (छ.ग.)
Email-jarhi_nagarpanchyat@rediffmail.com
क्रमांक / 704 / राजस्व/न.प./ 2026 जरही, दिनांक 05/06/2026
।। दुकान नीलामी सूचना ।।
एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है। कि नगर पंचायत जरही द्वारा वार्ड क्रमांक 03 प्रतिक्षा बस स्टैण्ड मे निर्मित 06 दुकानों का नगरपालिका अधिनियम 1961 की धारा एवं छ.ग. नगरपालिका अचल सम्पति अंतरण नियम 1996 के तहत सार्वजनिक बोली दिनांक 30/06/2026 को समय प्रातः 11:00 बजे से नगर पंचायत जरही परिसर में आयोजित की जावेगी। इच्छुक व्यक्ति निर्धारित तिथि को बोली पूर्व अमानत राशि नगद जमा कर नीलामी में भाग ले सकते है। बिना अमानत राशि जमा किये, नीलामी में भाग लेने का अधिकार नहीं होगा।
1. आवेदन हेतु अंतिम तिथि – 30/06/2026 दुकान नीलामी के पूर्व तक।, 2. नीलामी हेतु निर्धारित तिथि – 30/06/2026 प्रातः 11:00 बजे से।

क्र.	आरक्षण का विवरण	दुकान क्र.	दुकान की संख्या	दुकान का क्षेत्रफल (वर्ग मीटर में)	सरकारी नीलामी बोली	अमानत राशि	आवेदन शुल्क
1	अनुसूचित जनजाति के लिए	05	1	16.68	294952.00	20000.00	300.00
2	अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए	04	1	16.68	294952.00	20000.00	300.00
3	महिलाओं के लिए	03	1	16.68	294952.00	20000.00	300.00
4	अनारक्षित (शेष)	01	1	23.67	418556.00	25000.00	300.00
5	अनारक्षित (शेष)	02,06	2	16.68	294952.00	20000.00	300.00

टीप:– वार्षिक किराया स्वीकृत प्रीमियम दर पर 2.00 प्रतिशत 2. अमानत राशि जमा करने के पूर्व नगर पंचायत में कर बकाया नहीं प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा। 3. अनु. जाति, अनु. जनजाति, अ.पिवर्ग, को अमानत राशि जमा करने के पूर्व सक्षम अधिकारी द्वारा जारी जाति प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा। 4. प्रत्येक दुकान के लिये पृथक-पृथक अमानत राशि जमा करना अनिवार्य होगा। 5. शिक्षित बेरोजगार हेतु आरक्षित दुकान में बोलीकर्त्ता 12 वीं उत्तीर्ण एवं जीवित पंजीयन अनिवार्य है। 6. नीलामी एवं शर्ते कार्यालयीन अवधि, छुट्टी को छोड़कर नगर पंचायत कार्यालय में देखी जा सकती है। 7. किसी भी विवाद की स्थिति में नगर पंचायत जरही का निर्णय अंतिम एवं सर्वमान्य होगा उसके विरूद्ध न्यायालयीन कार्यवाही नहीं की जा सकेंगी। 8. बोलीदार अमानत राशि नीलामी पूर्व जमा करना अनिवार्य होगा। नीलामी में भाग लेने हेतु आवेदन शुल्क-300/- प्रति दुकान जमा करना अनिवार्य होगा।
समस्त करों का भुगतान कर नगर पंचायत को सहयोग प्रदान करें
मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगर पंचायत जरही,
जिला-सूरजपुर (छ.ग.)

ये है दुनिया का सबसे खतरनाक झूला, शरीर से अलग कर देती है रूह!

लंदन। आपने मेलों और एडवेंचर पार्क में कई खतरनाक झूले देखे होंगे, लेकिन ब्रिटेन के ब्लैकपूल प्लेजर बीच रिजॉर्ट में हाल ही में खुला नया झूला एविकतास सभी को पीछे छोड़ गया है। इसे दुनिया का सबसे खतरनाक झूला बताया जा रहा है। 138 फीट (करीब 42 मीटर) ऊंचे इस जायरो स्विंग राइड पर चढ़ने के बाद एक लड़की ने अपना अनुभव शेयर किया तो पूरा सोशल मीडिया हैरान रह गया। लड़की ने बताया, 'झूला शुरू होते ही ऐसा लगा जैसे मेरा शरीर और रूह अलग हो गए हों।' तेज गति में झूला उलटे-सीधे घूमता है, हवा में लटकता है और फिर तेजी से नीचे की तरफ झपटता है। पूरे समय पैर हवा में लटकते रहते हैं और नीचे कुछ भी नहीं दिखता।

ब्लैकपूल प्लेजर बीच का इतिहास

ब्लैकपूल ब्रिटेन का प्रसिद्ध सीसाइड रिजॉर्ट है। यहां का प्लेजर बीच दुनिया के सबसे पुराने और पॉपुलर थीम पार्कों में से एक है। एविकतास इस रिजॉर्ट का नया आकर्षण है जो पर्यटकों को और ज्यादा खींच रहा है। राइड पर चढ़ने से पहले पूरी सेफ्टी चेकिंग होती है। मजबूत हार्नेस, सीट बेल्ट और ट्रेंड स्टाफ मौजूद रहता है। फिर भी इतनी ऊंचाई और तेज गति की वजह से यह राइड बेहद थ्रिलिंग है।

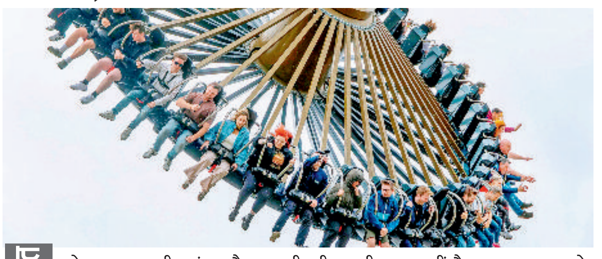

झूले की खासियत

ये झूला138 फीट ऊंचा है। इसकी कीमत भी कम नहीं है। बात अगर झूले की लागत की करें तो इसे 8.7 मिलियन (करीब 95 करोड़ रुपए) बताया जा रहा है। ये जायरो स्विंग है। इसकी शुरुआत हाल ही में 21 मई को की गई। यह झूला रिजॉर्ट के सबसे बड़े आकर्षणों में शामिल हो गया है। यहां पहले से ही 'द बिग वन'जैसा फेमस रोलर कोस्टर है, लेकिन एविकतास ने उसे भी पीछे छोड़ दिया है।

क्यों है इतना खतरनाक?

यह सामान्य झूला नहीं है। इसमें सवार होने वाले व्यक्ति को 360 डिग्री तक घुमाया जाता है। तेज गति, अचानक झटके और खाली हवा में लटकने का अनुभव दिल की धड़कन बढ़ा देता है। डॉक्टर्स की सलाह है कि हाई ब्लड प्रेशर, हृदय रोग या कमजोर दिल वाले लोग इस झूले पर बिल्कुल ना चढ़ें। वीडियो वायरल होते ही लोग कमेंट्स में लिख रहे हैं – ये तो मौत का खेल है, रूह अलग होने वाला अनुभव सुनकर डर लग गया, मैं तो नाम सुनकर ही नहीं चढ़ूंगा, एडवेंचर लवर्स के लिए स्वर्ग। कई थ्रिल सीकर इसे ट्राई करने के लिए ब्लैकपूल पहुंच रहे हैं।

रोचक खबरें

5300 साल पुरानी ममी के अंदर मिले जीवित सूक्ष्म जीव

रोम। वैज्ञानिकों ने 5300 वर्ष पुरानी ममी को लेकर बेहद चौंकाने खुलासा खुलासा किया है। इस ममी की मौत इटली के आल्प्स पर्वतों में करीब 5300 वर्ष पहले एक तीर के हमले में हुई थी। इस ममी का नाम ओत्जी द आइसमैन है, जिसकी कहानी पहले से ही रहस्यी और रोमांच से भरी हुई थी। अब वैज्ञानिकों की नई खोज ने इसे और रोमांचक बना दिया है। शोधकर्ताओं ने पाया है कि यूरोप की सबसे प्रसिद्ध ममी के भीतर मौजूद प्रागैतिहासिक आंतों के बैक्टीरिया और ठंडे वातावरण में पनपने वाले यीस्ट आज भी चयापचय (मेटाबॉलिक) तौर पर सक्रिय हैं। माइनस 6 डिग्री सेल्सियस तापमान वाला विशेष संरक्षण कक्ष इस ममी को समय के प्रभाव से बचाने के लिए बनाया गया था। लेकिन, माइक्रोबायोम जर्नल में प्रकाशित एक नए अध्ययन के मुताबिक, ओत्जी के शरीर में मौजूद प्राचीन सूक्ष्मजीव न सिर्फ जीवित हैं, बल्कि लगातार खुद को नए वातावरण के अनुसार ढाल भी रहे हैं। इटली के यूरैक रिसर्च इंस्टीट्यूट के प्रमुख शोधकर्ता मोहम्मद सरहान और उनकी टीम ने ममी की त्वचा, आंतरिक ऊतकों तथा पिघले बर्फीले पानी के नमूनों का विश्लेषण किया। इस अध्ययन में एक छिपे प्रागैतिहासिक सूक्ष्मजीवीय संसार का पता चला है। यह मानव इतिहास और स्वास्थ्य के विकास से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान करता है। वैज्ञानिकों को शोध में पता चला है कि सक्रिय आंत बैक्टीरिया ओत्जी के अंतिम भोजन से पूरी तरह मेल खाते हैं। उसके भोजन में अधिक वसा वाला जंगली मांस, प्राचीन अनाज और एक विषैला फर्न पौधा शामिल था।

खूबसूरत लड़की से बन गई ड्रैगन, टैटू से भर लिया शरीर

केनबरा। ऑस्ट्रेलिया की 31 वर्षीय एम्बर ल्यूक आजकल सोशल मीडिया पर खूब चर्चा में हैं। उन्हें दुनिया की सबसे ज्यादा टैटू वाली महिला माना जाता है। उनके पूरे शरीर पर सिर से पैर तक टैटू भरे हुए हैं। लेकिन, एम्बर अब और आगे बढ़ गई हैं। वह सामान्य टैटू से आगे बॉडी मॉडिफिकेशन की दुनिया में कदम रख चुकी हैं। ऑस्ट्रेलिया में कुछ एक्सट्रीम बॉडी मॉडिफिकेशन 7 साल पहले बैन कर दिए गए थे। लेकिन, एम्बर ने इन्हें करवाने की ठान ली है। इसके लिए वह ऑस्ट्रेलिया से स्पेन के बार्सिलोना पहुंच गई हैं। वहां वह दो बड़े मॉडिफिकेशन करवाने वाली हैं– कान में कॉइन स्लॉट और हाथ में सिलिकॉन बो इम्प्लांट। कॉइन स्लॉट में कान के हेलिक्स (ऊपरी हिस्से) से एक हिस्सा काटकर छेद किया जाता है। इसमें खास ईयरिंग्स लगाई जाती हैं। वहीं, हाथ में सिलिकॉन बो इम्प्लांट त्वचा के नीचे लगाया जाता है, जिससे हाथ पर बो (धनुष) जैसी उभरी हुई आकृति बन जाती है। एम्बर ने कहा कि वह पिछले डेढ़ साल से इसकी प्लानिंग कर रही थी। एम्बर ने अपने फॉलोअर्स को बताया, 'ऑस्ट्रेलिया में ये प्रक्रियाएं 7 साल से हाईली इललीगल हैं। मैं स्पेन में ये दोनों बॉडी मॉड करवाने जा रही हूं। मेरा मिशन है कि अंतिम नतीजा परफेक्ट हो, कोई गड़बड़ न हो।'एम्बर काफी पहले से बॉडी आर्ट और मॉडिफिकेशन की दीवानी हैं। उन्होंने पूरे शरीर पर टैटू बनवाए हैं, जीभ स्प्लिट (बाइफिड) करवाई है, और कई अन्य एक्सट्रीम काम करवाए हैं। अब वह अपने कानों और हाथ को नया लुक देने जा रही हैं। सोशल मीडिया पर उनकी तस्वीरें देखकर लोग हैरान रह जाते हैं। कुछ लोग उन्हें क्रिएटिव और बोल्ड कहते हैं तो कई लोग उनकी आलोचना भी करते हैं। ऑस्ट्रेलिया में स्वास्थ्य जोखिम की वजह से कुछ प्रकार के सबडर्मल इम्प्लांट्स (त्वचा के नीचे लगाए जाने वाले) को प्रतिबंधित कर दिया गया है। लेकिन, स्पेन में ये अभी कानूनी हैं।

खोज

साइलेंसर से धुआं नहीं, निकलेगा पानी!

पहली स्वदेशी हाइड्रोजन ट्रेन, दौड़ने के लिए तैयार

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे जल्द ही एक ऐसी ट्रेन को पटरी पर उतारने जा रहा है, जो देश की नई पहचान बन सकती है। हरियाणा के जींद-सोनीपत रूट पर भारत की पहली हाइड्रोजन फ्यूल सेल ट्रेन चलने वाली है।

जरा सोचिए, एक ऐसी ट्रेन जो पटरी पर तो स्पीड बुलट ट्रेन के जैसे पकड़ेगी, लेकिन साइलेंसर से काले धुएं के बजाय बिल्कुल साफ पानी की भाप छोड़ेगी! भारतीय रेलवे कुछ ऐसा ही करके इतिहास बनाने की तैयारी में है। देश की पहली स्वदेशी हाइड्रोजन ट्रेन हरियाणा के जींद से सोनीपत के बीच दौड़ने के लिए पूरी तरह तैयार है। टेक्नोलॉजी की दुनिया में इसे जीरो-इमिशन यानी शून्य प्रदूषण वाला सफर कहा जा रहा है। देश की पहली स्वदेशी हाइड्रोजन फ्यूल सेल ट्रेन का ट्रायल जल्द ही हरियाणा के जींद से सोनीपत रूट पर शुरू होने वाला है।

कैसे काम करती है हाइड्रोजन वाली तकनीक?

ज्यादातर ट्रेन में फ्यूल को जलाकर इंजन चलाया जाता है, लेकिन,हाइड्रोन ट्रेन में ऐसा बिल्कुल नहीं होता है। इसके काम करने का तरीका पूरी तरह से अलग है।

स्मार्ट एनर्जी बॉक्स : हाइड्रोजन ट्रेन में एक फ्यूल सेल लगा होता है, जिसे आप एक एडवांस बिजली बनाने वाला बॉक्स कह सकते हैं।

केमिकल रिएक्शन : इस बॉक्स के अंदर ट्रेन के टैंक में रखी हाइड्रोजन और हवा से ली गई ऑक्सीजन के बीच एक कंट्रोल्ड केमिकल रिएक्शन होता है।

माइक्रोस्कोपिक गेटकीपर : फ्यूल सेल के अंदर एक बहुत ही पतली झिल्ली होती है, जो गेटकीपर की तरह काम करती है। यह हाइड्रोजन के एटम्स से इलेक्ट्रॉन्स को अलग करती है।

बिजली का जनरेशन

इलेक्ट्रॉन्स के इसी बहाव से लगातार बिजली बनती है, जिससे ट्रेन की हैवी मोटर चलती है। इसमें कुछ भी जलाया नहीं जाता, इसलिए बायप्रोडक्ट के रूप में सिर्फ साफ पानी की भाप ही निकलता है।

दुनिया के सबसे ताकतवर डिजाइनों में से एक : चेन्नई की इंटीग्रल कोच फैक्ट्री में बनी यह ट्रेन कई मायने में खास है। 2,400 किलोवाट की भारी-भरकम प्रोपल्शन पावर के साथ यह दुनिया की सबसे पावरफुल हाइड्रोजन ट्रेनों में से एक है। भारतीय मौसम और परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए इसमें एडवांस लीक डिटेक्टर्स और फ्लेम सेंसर्स जैसे इंटरनेशनल सेफ्टी फीचर्स दिए गए हैं।

जींद में बना ग्रीन फ्यूल प्लांट

हाइड्रोजन ट्रेन को चलाने के लिए हरियाणा के जींद में एक खास ग्रीन हाइड्रोजन प्लांट बनाया गया है। जहां पर वॉटर इलेक्ट्रोलेसिस यानी पानी से हाइड्रोजन और ऑक्सीजन को अलग करने की तकनीक के जरिए इस ट्रेन के लिए फ्यूल तैयार किया जाएगा। इस प्लांट को चलाने के लिए रिन्यूएबल एनर्जी यानी सौर ऊर्जा का इस्तेमाल होगा, जिससे यह फ्यूल पूरी तरह से इको-फ्रेंडली होगा। भारतीय रेलवे फिलहाल इसके वैलिडेशन फेज या टेस्टिंग में है। इस पायलट रन से यह देखा जाएगा कि यह ट्रेन भारत की भीषण गर्मी और धूल भरे माहौल में कैसा परफॉर्म करती है।

खसखस के दाने जितना छोटा दिमाग, लेकिन कारनामा इंसानों जैसा!

लंदन। अब तक दुनिया भर के वैज्ञानिक और रिसर्चर्स यही मानते आए थे कि समय के छोटे-छोटे हिस्सों (जैसे कुछ सेकेंड या उसके आधे हिस्से) को गिनने और समझने की काबिलियत सिर्फ इंसानों, बंदरों या कुछ खास रीढ़ वाले जीवों तक ही सीमित है। माना जाता था कि समय को प्रोसेस करने के लिए एक बेहद बड़े और जटिल दिमाग की जरूरत होती है। लेकिन, लंदन की क्वीन मैरी यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने एक ऐसी अभूतपूर्व रिसर्च की है, जिसने विज्ञान जगत के इस पुराने भ्रम को पूरी तरह चकनाचूर कर दिया है। वैज्ञानिकों ने साबित कर दिया है कि एक छोटे से बफ-टेल्ड भौंरे के पास, जिसका दिमाग सिर्फ एक खसखस के दाने के बराबर होता है, समय को मापने की एक बेहतरीन और सटीक कला होती है। ये नन्हे जीव न सिर्फ समय के बदलाव को समझ सकते हैं, बल्कि इसका इस्तेमाल अपने फायदे के लिए भी करते हैं, जिसने बड़े-बड़े वैज्ञानिकों को हैरत में डाल दिया है।

मीठी चाशनी का लालच और भौंरों की समझदारी

इस टेस्ट के दौरान वैज्ञानिकों ने क्लासिकल कंडीशनिंग का सहारा लिया। जब लाइट एक खास समय (जैसे 2.5 सेकेंड) के लिए चमकती, तो भौंरों को इनाम के तौर पर मीठी चाशनी दी जाती थी। वहीं, जब लाइट कम समय (जैसे 0.5 सेकेंड) के लिए चमकती, तो वहां कड़वा केमिकल रख दिया जाता था। बहुत ही कम समय में भौंरों ने यह समझ लिया कि कौन सी लाइट की टाइमिंग उनके लिए मीठा खाना लाएगी और कौन सी कड़वाहट। वे सटीक टाइमिंग देखकर ही सही जगह पर जाने लगे।

एक साथ रहती हैं 39 विधवाएं सबका था एक ही पति

आइजोल। भारत की विविधता और अनोखी परंपराओं की कहानियां कभी-कभी हैरान कर देती है। ऐसा ही एक परिवार है मिजोरम राज्य के बकतावंग गांव में रहने वाला जियोना परिवार, जिसे दुनिया का सबसे बड़ा परिवार माना जाता है। इस परिवार के मुखिया ज़ियोना चंग ने 39 महिलाओं से विवाह किया था। उनकी मृत्यु के बाद अब 39 विधवाएं एक ही विशाल घर में रह रही हैं और मिलकर 94 बच्चों की परवरिश कर रही हैं। ज़ियोना परिवार की कहानी पूरे विश्व में चर्चित रही है। ज़ियोना चंग एक धार्मिक नेता थे और उनकी मान्यता के अनुसार उन्होंने कई विवाह किए थे। उनके परिवार में कुल मिलाकर कई सदस्य हैं – पत्नियां, बच्चे, पोते-पोतियां समेत परिवार की संख्या 180 से ज्यादा बताई जाती है। मुखिया की मौत के बाद अब परिवार कैसे जीता है, आइये आपको बताते हैं।

आज भी एक साथ है परिवार

पूरा परिवार एक ही बड़े घर में रहता है, जहां अलग-अलग कमरे बने हैं। ज़ियोना चंग की मृत्यु के बाद परिवार की जिम्मेदारी उनकी विधवाओं और बड़े बच्चों पर आ गई है। आश्चर्य की बात यह है कि 39 सौतनें आज भी एक- दूसरे के साथ बेहद प्रेम और समझदारी से रह रही हैं। वे बच्चों की देखभाल, घरेलू कामकाज और परिवार की परंपराओं को संभाल रही हैं। परिवार के सदस्य बताते हैं कि पिता की मृत्यु के बाद भी घर में एकता बनी हुई है। यह परिवार अपनी अनोखी जीवनशैली के लिए प्रसिद्ध है। घर इतना बड़ा है कि इसमें कई रसोई, शयनकक्ष और सामुदायिक जगहें हैं।

बनाया है वर्ल्ड रिकॉर्ड

मिजोरम के इस परिवार ने कई बार गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में जगह बनाने का दावा किया है। एक समय में इस परिवार को दुनिया का सबसे बड़ा परिवार माना जाता था। ज़ियोना चंग ने खुद को ईश्वर का दूत बताते हुए कई विवाह किए थे। उनकी पत्नियों ने भी इस व्यवस्था को स्वीकार किया और परिवार को आगे बढ़ाया। पति की मृत्यु के बाद परिवार पर कई चुनौतियां आईं, लेकिन 39 विधवाओं ने हिम्मत नहीं हारी। वे बच्चों को प्यार और अनुशासन के साथ बड़ा कर रही हैं। परिवार के सदस्य कहते हैं कि 'हमारे पिता की इच्छा थी कि हम सब एक साथ रहें, इसलिए हम उनकी विरासत को संभाल रहे हैं।' सोशल मीडिया पर जब इस परिवार की तस्वीरें और वीडियो वायरल होते हैं तो लोग हैरानी जताते हैं। कोई इसे अनोखा उदाहरण मानता है तो कोई आधुनिक समय में इस प्रथा पर सवाल उठाता है। फिर भी परिवार की एकता और आपसी प्रेम को लोग सराहते हैं।

दुनिया में सबसे ज्यादा अमेरिका तो सबसे कम फ्रांस में हैं हवाई अड्डे

नई दिल्ली। किसी भी देश का हवाई अड्डा नेटवर्क आज के समय में घरेलू और अंतरराष्ट्रीय यात्रा को संभव बनाने के साथ प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से पर्यटन और देश की अर्थव्यवस्था के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। अड्डों की विशाल संख्या के साथ अमेरिका दुनिया के सबसे ज्यादा एयरपोर्ट्स वाले देशों की लिस्ट में सबसे ऊपर है. इस विशाल नेटवर्क में बड़े अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों के साथ-साथ कई छोटे क्षेत्रीय हवाई अड्डे भी शामिल हैं, जो पूरे देश में व्यापक संपर्क प्रदान करते हैं।

अमेरिका: 15,873 हवाई अड्डे

अमेरिका: 15,873 हवाई अड्डों की विशाल संख्या के साथ अमेरिका दुनिया के सबसे ज्यादा एयरपोर्ट्स वाले देशों की लिस्ट में सबसे ऊपर है. इस विशाल नेटवर्क में बड़े अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों के साथ-साथ कई छोटे क्षेत्रीय हवाई अड्डे भी शामिल हैं, जो पूरे देश में व्यापक संपर्क प्रदान करते हैं।

ब्राजील में हैं 4,919 हवाई अड्डे

ब्राजील: इस लिस्ट में दूसरे स्थान पर ब्राजील का नाम शामिल हैं, जहां 4,919 हवाई अड्डे स्थित हैं। देश का बड़ा आकार और दूरदराज के क्षेत्रों को शहरी केंद्रों से जोड़ने की आवश्यकता हवाई अड्डों की बड़ी संख्या का मुख्य कारण है।

ऑस्ट्रेलिया में 2,180 एयरपोर्ट

ऑस्ट्रेलिया: 2,180 हवाई अड्डों के साथ ऑस्ट्रेलिया में भी बड़ी संख्या में छोटे क्षेत्रीय हवाई अड्डे हैं, जो विशाल दूरी में फैली और बिखरी हुई आबादी की सेवा करते हैं। ये हवाई अड्डे पर्यटन और स्थानीय व्यापार दोनों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।

रूस: 904 हवाई अड्डों के साथ रूस एक विशाल भौगोलिक क्षेत्र में फैला हुआ है। इसके अनेक हवाई अड्डे घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों की सेवा करते हैं, जो मॉस्को से लेकर साइबेरिया तक शहरों को जोड़ते हैं।

जर्मनी: जर्मनी के फ्रैंकफर्ट और म्यूनिख जैसे शहरों में कुल 838 एयरपोर्ट्स स्थित हैं। जो जर्मनी को दुनिया का आठवां सबसे ज्यादा एयरपोर्ट वाला बनाती हैं।

अर्जेंटीना: अर्जेंटीना के 756 हवाई अड्डे लिस्ट में नौवें स्थान पर हैं। इनमें से कई हवाई अड्डे घरेलू और क्षेत्रीय यात्रा के लिए महत्वपूर्ण केंद्र हैं।

फ्रांस: वहीं, इस लिस्ट में आखिरी और दुनिया के 10वां सबसे ज्यादा एयरपोर्ट्स वाला देश फ्रांस है, जहां, कुल 689 हवाई अड्डे स्थित हैं।

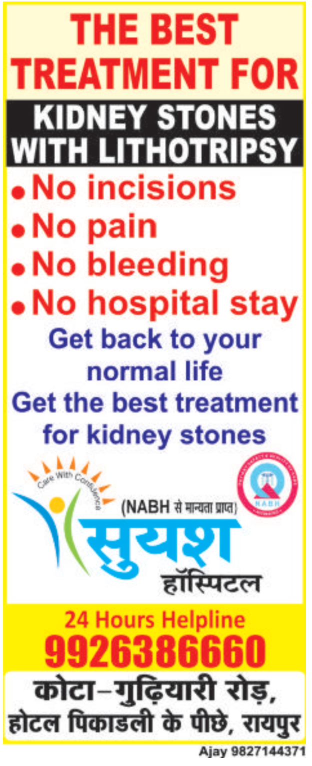

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक: प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com